

Child Development and Pedagogy Previous Year Questions

- किस मनोवैज्ञानिक ने अपने साढ़े तीन वर्षीय पुत्र पर अयियन किया – पेस् टोलॉजी
- निम्न में से विकास की विशेषता है – गुणात् मकता
- बालक का विकास होता है – सिर से पैर की ओर
- बालक में संस्कारों का विकास प्रारम्भ कहासे होता है – परिवार
- विकास केसंदर्भ में लगत कथन है – विशिष्ट से सामान्य की ओर
- खेल केमैदान में कौन सा विकास होता है – शारीरिक विकास, मानसिक विकास, सामाजिक विकास
- गर्भाधान काल की अवस्था नहीं है – शैशवावस्था
- गर्भ में संतान सर्वाधिक प्रभावित होती है – माकेपोरण से
- 'मानव जीवन की मनोभौतिक एकता' कलहाती है – मन तथा शरीर का विकास
- 2-5 वर्ष तक की आयु कलहाती है – शैशवावस्था
- गर्भ में सर्वप्रथम निर्माण होता है – सिर
- बालक केसिर एवं मस्तस्क का सर्वाधिक विकास किस अवस्था में होता है – शैशवावस्था
- जन्म केसमय शिशु केशरीर में हड्डियाहोती है – 270
- बीजावस्था कहा गया है – 0-2 सप्ताह
- बालक अपनी माको पहचानना प्रारम्भ कर देता है – 3 माह
- बालक जमीन पर से अपनी पसंद की वस्तु को उठा लेता है, आपकेअनुसार उस बालक की आयु होगी – 8-9 माह
- बालक केजन्म केसमय शिशु केमस्तस्क का भार होता है – 350 ग्राम
 - सीखने का आदर्श काल माना गया है – शैशवावस्था

- कल्पना जगत में विचरण होता है – शैशवावस्था व किशोरावस्था
- बालक मुख्य मुख्य रंगों की पहचान कर लेता है – 5 वर्ष
- मिथ्या परिपक्वता का काल कहा जाता है – बाल्यावस्था
- छोटे-छोटे वाक्यों की बोलना व तीन पहियों की साइकिल चलाना यह कार्य किस अवस्था में होता है – शैशवावस्था
- कार्ल सी. गैरीसन ने किस विधि का अध्ययन किया था – लम्बात्मक विधि का
- निम्न में से किस घटना की ओर बालक सर्वप्रथम आकर्षित होना प्रारम्भ करता है – प्रकाश
- बालक-बालिकाओं को सर्वाधिक समायोजन करना पड़ता है – वयः संधिकाल
- बालक की जिज्ञासा को किया जाना चाहिए – शान्त
- सीखना है, एक जटिल – मानसिक प्रक्रिया
- भारत में बाल विकास की शुरुआत कब हुई – 1930 में
- विकास प्रारम्भ होता है – गर्भावस्था में
- बालिकाओं की लम्बाई किस अवस्था में बालकों से अधिक होती है – बाल्यावस्था में
- दिवास्वप्न एवं भाषा के कूटकरण की अवस्था है – किशोरावस्था
- विकास के सम्बन्ध में सही कथन है – विकास सम्पूर्ण पक्षों में होने वाला परिवर्तन।
- विकास केवल एक ओर न होकर चारों ओर से होता है। यह सिद्धान्त बताता है – वर्तुलाकार
- जन्म के समय नवजात शिशु रोता है – वातावरण में परिवर्तन के कारण
- शैशवावस्था के अंत में किस ग्रंथि के प्रभाव के कारण बालिकाएँ अपने पिता के प्रति श्रद्धा भाव रखती है – इलेक्ट्रा
- क्लार्क और बीच ने नर चिम्पांजी के शरीर में – स्त्री हार्मोन प्रवेश कराये।

- बालक का विकास वंशानुक्रम व वातावरण का है – गुणनफल
- जीवन का सबसे कठिन काल है – किशोरावस्था
- बालक के अस्थाई दाँतों की संख्या है – 20
- महिलाओं के जनन कोश में अर्थात् अंडाणु (OVUM) में निम्नांकित में से पाया जाता है – केवल X गुणसूत्र
- आनुवांशिकता से तात्पर्य निम्नांकित में से किनसे होता है – गुणसूत्र तथा जीन्स
- पुरुषों में सामान्य यौन गुणसूत्र होता है – XY गुणसूत्र
- जन्म के समय बालक का भार होता है – 6-8 पौण्ड
- आनुवांशिकता के वास्तविक निर्धारक होते हैं – गुणसूत्र
- बालक के विकास में महत्व है – वंशक्रम का एवं वातावरण का
- दिवास्वप्न में विचरण करने की कामना अत्यन्त प्रबल होती है – किशोरावस्था में
- सृजनशील बालकों का लक्षण है – जिज्ञासा
- क्रोध संवेग के कारण उत्पन्न प्रवृत्ति है – युयुत्सा
- बालक-बालिकाएँ अपने जीवन में किसी अन्य को आदर्श के रूप में स्वीकार करते हैं, किस अवस्था में – किशोरावस्था में
- समान आयु स्तर के बालक-बालिकाओं का बौद्धिक स्तर भिन्न भिन्न होता है, यह कथन किसका है – हरलॉक
- बालक का समाजिकृत निम्नलिखित तकनीक से निर्धारित होता है – समाजमिति तकनीक
- बालकों में सौन्दर्यानुभूति विकसित करने का आधारभूत साधन है – प्रकृति अवलोकन
- किशोरावस्था की प्रमुख विशेषता नहीं है – संग्रह की प्रवृत्ति
- जन्म के समय बालक की स्मरण-शक्ति होती है – बहुत कम

- किस वैज्ञानिक ने माना है कि उचित वातावरण से बुद्धि लब्धि में वृद्धि होती है – **स्टीफन्स**
- आत्मगौरव की भावना सर्वाधिक पायी जाती है – **13-19 वर्ष**
- चरित्र निर्माण में निम्नांकित कारक सहायक नहीं है – **निर्देश**
- बालक का शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और संवेगात्मक विकास किस अवस्था में पूर्णता को प्राप्त होता है – **किशोरावस्था**
- किस आयु के बालक में समय दिन, दिनांक एवं क्षेत्रफल संबंधित अवबोध का विकास हो जाता है – **9 वर्ष**
- उत्तर बाल्यकाल का समय कब होता है – **6 से 12 वर्ष तक**
- जिस आयु में बालक की मानसिक योग्यता का लगभगपूर्ण विकास हो जाता है, वह है – **14 वर्ष**
- निम्नांकित अवस्था में प्रायः बालकों का आकर्षण समलिंगी के प्रति होता है – **बाल्यावस्था**
- बालक के सामाजिक विकास में सबसे महत्वपूर्ण कारक कौनसा है – **वातावरण**
- लड़कियों के बाह्य परिवर्तन किस अवस्था में होने लगते हैं – **किशोरावस्था में**
- भाषा विकास के क्रम में अंतिम क्रम (सोपान) है – **भाषा विकास की पूर्णावस्था**
- भाषा विकास के विभिन्न अंग कौन से हैं – **अक्षर ज्ञान, सुनकर भाषा समझना, ध्वनि उत्पन्न करके भाषा बोलना**
- विकासात्मक बाल मनोविज्ञान का जनक किसे माना जाता है – **जीन पियाजे को**
- संवेगात्मक स्थिरता का लक्षण है – **समायोजित**
- लैमार्क ने अध्ययन किया था – **वंशानुक्रम**
- 'संवेग' शब्द का शाब्दिक अर्थ है – **उत्तेजनाया भावों में उथल पुथल**
- बालक के समाजीकरण का प्राथमिक घटक है – **परिवार**

- इनमें से कौन-सा बाल विकास का एक सिद्धान्त है – विकास परिपक्वन तथा अनुभव के बीच अन्योन्यक्रिया की वजह से घटित होता है।
- निम्नांकित में से अवांछनीय संवेग है – दगा
- प्राकृतिक चयन के सिद्धान्त का संबंध है – डार्विन से
- अब शिक्षा हो गई है – बाल केन्द्रित
- पैतृक गुणों के हस्तांतरण के सिद्धान्तों को स्पष्ट किया था – मैण्डल ने
- ”बालक की अभिवृद्धि जैवकीय नियमों के अनुसार होती है।” यह कथन है – क्रोगमैन का
- निम्न में से जो मनोवैज्ञानिक नहीं है, वह है – सुकरात
- निम्न में से जो मानव को सबसे अधिक प्रभावित करता है, वह है – वंश परम्परा तथा वातावरण
- ‘प्रकृति-पालन-पोषण’ वाद-विवाद के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन सा आपको उपयुक्त प्रतीत होता है – वंशानुक्रम तथा परिवेश अभिन्न रूप से एक-दूसरे से गुंथे हुए हैं और दोनों विकास को प्रभावित करते हैं।
- एक अध्यापिका यह सुनिश्चित करना चाहती है कि उसके विद्यार्थी आंतरिक रूप से प्रेरित हैं। इस संदर्भ में वह करेंगी – अंतिम परिणाम पर ध्यान देने के बजाय व्यक्तिगत रूप से बच्चों की अधिगम की प्रक्रियाओं पर ध्यान देना।
- बाल विकास का अर्थ है – बालक का गुणात्मक व परिमाणात्मक परिवर्तन
- अधिगम का पुनरावृत्ति का सिद्धान्त दिया है – पैट्रिक पावलव ने
- बालक के खेल के विकास को प्रभावित करते हैं – शारीरिक स्वास्थ्य, वातावरण एवं खाली समय
- खेलों की विशेषताएँ हैं – नवीन खेलों के इच्छुक, स्वेच्छानुसार खेल, एवं विकासशील खेल

- निम्न ग्रंथि के दोषपूर्ण कार्य करने पर व्यक्ति का लैकिंग विकास उचित रूप से नहीं हो पाता है – पीनियल ग्रंथि
- निम्नांकित में से खेल पर आधारित विधि है – किण्डर गार्टन विधि
- अतिरिक्त शक्ति के सित्रान्त का संबंध है – खेल से
- निम्न में से कौन मनोवैज्ञानिक नहीं है – जॉन डीवी
- *“Psychology from the standpoint of behaviourist”* किसकी रचना है – वाटसन की
- *“a dictionary of Psycholigy”* पुस्तक लिखी है – जेम्स ड्रेवर ने
- वंशानुक्रम का प्रमुख वाहक है – पित्र्येक (Jeanse)
- मानव व्यवहार की प्रत्येक विशेषता है – वंशानुक्रम व वातावरण का गुणनफल
- एक बच्चे की वृद्धि और विकास के अध्ययन की सर्वाधिक अच्छी विधि कौन सी है – विकासीय विधि
- ”हम जो कुछ भी हैं उसके 9/10 भाग जन्मजात (वंशानुक्रम) है तथा केवल 1/10 भाग की अर्जित होता है।” यह कथन है – जैव वैज्ञानिक पार्कर
- अभिवृद्धि शब्द का प्रयोग किया जाता है – शारीरिक विकास के लिए
- बाल्यावस्था में विकास को ”छद्म परिपक्वावस्था” किसने कहा – जे. एस. रॉस
- ”किशोरावस्था को जीवन का सबसे कठिन काल” किसने कहा – किलपैट्रिक ने
- शारीरिक विकास की गति किस अवस्था में बहुत कम हो जाती है – बाल्यावस्था में
- किशोरावस्था की अवधि है – 12-18 वर्ष
- शैशवावस्था के तीन वर्षों में बालक का शारीरिक विकास होता है – तीव्र
- 13 वर्ष की अवस्था तक पहुँचते-पहुँचते बालक का कौन सा विकास लगभग पूरा हो जाता है – बौद्धिक विकास
- बाल विकास को सर्वाधिक प्रेरित करने वाला प्रमुख घटक – खेल का मैदान

- किस सिद्धान्त के अंतर्गत बालक के शारीरिक, मानसिक, संवेगात्मक आदि पहलुओं का अध्ययन करते हैं- परस्पर संबंध का सिद्धान्त
- बाइगोत्स्की के अनुसार, समीपस्थ विकास का क्षेत्र है - बच्चे के द्वारा स्वतंत्ररूप से किए जा सकने वाले तथा सहायताके साथ करने वाले कार्य के बीच अंतर।
- मानसिक विकास के पक्ष हैं - संवेदना, बुद्धि तथा भाषा
- बाल विकास की प्रकृति कैसी मानी जाती है - विज्ञानमयी
- बाल अध्ययन का पिता कौन है - स्टेनले हॉल
- बाल विकास की उपयोगिता है - बाल निर्देशन में, बालकों के स्वभाव को समझने में, बालकों के शिक्षण में
- किसके अनुसार सीखने का आदर्श शैशवावस्था है - वेलन्टाइन
- कौन सा संवेग है - प्रेम, क्रोध, आश्चर्य
- किसने चरित्र को 'आदतों का पुंज' कहा है - सेमुअल
- 20वीं शताब्दी को "बालक की शताब्दी" किसने कहा - क्रो एण्ड क्रो
- समायोजन दूषित होता है - कुण्ठा, संघर्ष
- छात्रों पर क्रोध का सदुपयोग किया जा सकता है - आलस्य को भगाने में, दृढ़ प्रतिज्ञा करने में, बाधाओं को पार करने में
- बाल विकास को कितने भागों में बाँटा गया है - 4
- बाल्यावस्था में व्यक्तित्व होता है - बहिर्मुखी
- पूर्व बाल्यावस्था की विशेषता क्या है - जिज्ञासा, खिलौनों में रुचि, नवीन पद्धतियाँ
- किस अवस्था में काम प्रवृत्ति निम्न स्तर पर होती है - बाल्यावस्था
- किशोरावस्था को शैशवावस्था का पुनर्वर्तन किसने कहा है - जॉन्स ने
- कोह्लबर्ग के सिद्धांत की एक प्रमुख आलोचना क्या है - कोह्लबर्ग ने प्रस्ताव किया कि नैतिक तार्किकता विकासात्मक है।

- चार-पांच शब्दों के सरल वाक्य बोलने की लगभग अवस्था है – 3 वर्ष
- मानसिक विकास के दृष्टिकोण से जीवन का सबसे महत्वपूर्ण काल –
शैशवकाल
- गर्भस्थ शिशु में सांस लेने की प्रक्रिया किस सप्ताह से शुरू होती है – 16 सप्ताह
- ज्ञानेन्द्रियों के विश्राम की अवस्था मानी गई है – जन्म के 2 माह
- विवेचना रहित विचार की अवस्था मानी गई है – 4-7 वर्ष
- बाल्यावस्था प्रति द्वन्द्वात्मक समाजीकरण है, कथन कहा है – किलपैट्रिक
- प्रायः बालक चलना किस वर्ष की अवस्था में सीख लेता है – 112 वर्ष
- एक बालक किसी को देखकर विचार करता है, कि मैंने इसे कहीं देखा है- वह कौन सी अवस्था है – अर्द्धचेतन
- बालक श्रेष्ठ आचरण से बुराइयों की ओर लौटाता है- बालक पर मन के किस भाग का प्रभाव है – इदम्
- "बालक में सर्वप्रथम भय, क्रोध तथा प्रेम के संवेग विकसित होते हैं।" कथन है –
वाटसन
- उत्तर बाल्यावस्था की विशेषता है – आत्मनिर्भर होना, मित्र मण्डली या समूह निर्माण, स्वतंत्र होना।
- शैक्षिकदृष्टि से बाल विकास की अवस्थाएँ हैं – किशोरावस्था, बाल्यावस्था, शैशवावस्था
- बाल विकास को सर्वाधिक प्रभावित करने वाला कारक है – खेलकूद का मैदान
- 6-10 वर्ष के आयु वर्ग के बालकों की विशेषता है – बालक स्वाभाविक एवं सक्रिय अधिगमकर्ता होते हैं।
- निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा वाइगोत्स्की के द्वारा प्रस्तावित विकास तथा अधिगम के बीच संबंध का सर्वश्रेष्ठ रूप में सार प्रस्तुत करता है – विकास-प्रक्रिया अधिगम-प्रक्रिया से पीछे रह जाती है।

- प्रथम बाल निर्देशन केन्द्र किसके द्वारा खोला गया – विलियम हिली
- किसकी क्रियाशीलता का संबंध मनुष्य की पाचन क्रिया से भी होता है –
अभिवृक्क ग्रंथि
- शब्द INDENTICAL ELEMENTS (समान तत्व) निम्न से संबंध रखता है – अधिगम स्थानान्तरण
- बालक द्वारा पूछे गए एक प्रश्न का उत्तर शिक्षक तत्काल नहीं दे सकता है, शिक्षक की प्रतिक्रिया क्या होनी चाहिए – शिक्षक द्वारा इस प्रश्न का सही उत्तर बाद में समझकर देना चाहिए।
- छोटा शिशु खिलौनों तथा अन्य वस्तुओं को फेंककर उसके भागों को अलग-अलग करके किस भाव को दर्शाता है – जिज्ञासा प्रवृत्ति
- 'स्फूर्ति अवस्था' कहा जाता है – बाल्यावस्था को
- प्रतिबिम्ब, अवधारणा, प्रतीक एवं संकेत, भाषा, शारीरिक क्रिया और मानसिक क्रिया अंतर्निहित है – विचारात्मक प्रक्रिया
- संरचनात्मक अधिगम सिद्धान्त जोर देता है – विद्यार्थियों के द्वारा नवीन ज्ञान की संरचना पर
- "वातावरण वह बाहरी शक्ति है, जो हमें प्रभावित करती है" किसने कहा था –
रॉस
- बुद्धि परीक्षण निर्माण के जन्मदाता है – अल्फ्रेड बिनै
- 'संवेदना ज्ञान की पहली सीढ़ी है।' यह कथन – मानसिक विकास है।
- ब्रिजेज के अनुसार उत्तेजना भाग है – संवेगात्मक विकास का
- मानव विकास के सम्बन्ध में कौन-सा कथन गलत है – विकास रेखीय होता है।
- तर्क, जिज्ञासा तथा निरीक्षण शक्ति का विकास होता है की आयु पर – 11 वर्ष

- शारीरिक विकास का क्षेत्र है – स्नायुमण्डल, मांसपेशियों की वृद्धि, एंडोक्राइन ग्लैण्ड्स
- इस अवस्था में बालकों में नयी खोज करने की और घूमने की प्रवृत्ति बहुत अधिक बढ़ जाती है – उत्तर बाल्यकाल
- निम्न में से कौन सा वंशानुक्रम का नियम नहीं है – अभिप्रेरणा
- की अवस्था तक बालक की दृष्टि एवं श्रवण इन्द्रियाँ पूर्ण विकसित हो चुकती है – 8 अथवा 9 वर्ष
- '20वीं शताब्दी को बालक की शताब्दी कहा जाता है।' यह परिभाषा दी है – क्रोवक्रो
- गामक विकास से हमारा तात्पर्य मांसपेशियों के विकास से तथा पैरों के उचित उपयोग – शक्ति और गति
- इस अवस्था को मिथ्या-पक्वता का समय भी कहा जाता है – बाल्यावस्था
- मनुष्य जीवन का आरम्भ मूलतः घटित है – केवल एक कोष
- शैशवावस्था की विशेषता नहीं है – नैतिकता का होना
- एक अध्यापक की दृष्टि में कौन सा कथन सर्वोत्तम है – प्रत्येक बच्चा सीख सकता है।
- मैक्डूगल के अनुसार, मूल प्रवृत्ति जिज्ञासा का सम्बन्ध संवेग कौन सा है – आश्चर्य
- शैशवावस्था की मुख्य विशेषता क्या नहीं है – चिंतन प्रक्रिया
- किस मनोवैज्ञानिक के अनुसार, "विकास एक सतत् और धीमी-धीमी प्रक्रिया है।" – हरलॉक
- लारेंस कोहलबर्ग विकास के क्षेत्र में शोध के लिए जाने जाते हैं – नैतिक
- बालक के शारीरिक व क्रियात्मक विकास की दिशा होती है – सिर से पैर तथा शरीर के मध्य से बाहर की ओर

- बिग व हेट की विशेषताओं को सर्वोत्तम रूप से व्यक्त करने वाला एक शब्द है 'परिवर्तन'। परिवर्तन शारीरिक, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक होता है –
किशोरावस्था
- व्यक्तिगत शिक्षार्थी एक दूसरे से में भिन्न होते हैं – **विकास की दर**
- मानव विकास कुछ विशेष सिद्धान्तों पर आधारित है, निम्नलिखित में से कौन सा मानव विकास का सिद्धान्त नहीं है – **प्रतिवर्ती**
- विकास कभी न समाप्त होने वाली प्रक्रिया है, यह विचार किससे सम्बन्धित है –
निरंतरता का सिद्धान्त
- निचली कक्षाओं में शिक्षण की खेल पद्धति मूल रूप से आधारित है – **विकास एवं वृद्धि के मनोवैज्ञानिक सिद्धान्तों पर**
- निम्नलिखित में से कौन सा कथन विकास के बारे में सत्य नहीं है – **विकास विशिष्ट से सामान्य की ओर होता है।**
- बालक ाक विकास परिणाम है – **वंशानुक्रम तथा वातावरण की अंतःप्रक्रिया का**
- विद्यार्थियों में सामाजिक विकास विकसित करने हेतु, एक अध्यापक को चाहिए कि वह जाने – **विद्यार्थियों के सभी पक्षों का**
- शरीर के आकार में वृद्धि होती है, क्योंकि – **शारीरिक और गत्यात्मक विकास**
- मानसिकविकास को प्रभावित करने वाले कारक हैं – **वंशानुक्रम, परिवार का वातावरण तथा परिवार की सामाजिक स्थिति**
- सीखने की प्रोजेक्ट विधि किस अवस्था के लिए उपयोगी है – **बाल्यावस्था, पूर्व बाल्यावस्था, किशोरावस्था**
- शारीरिक विकास का क्षेत्र है– **स्नायुमण्डल**
- बाल्य अवस्था होती है – **बारह वर्ष तक**
- विकास में वृद्धि से तात्पर्य है – **आकार, सोच, समझ, कौशलों में वृद्धि**

- निम्नलिखित में से कौन सी किशोरावस्था की मुख्य समस्याएँ हैं – संवेगात्मक समस्याएँ, शारीरिक परिवर्तनों की समस्याएँ, समायोजन की समस्याएँ
- विकास का एक अधिनियम है, कि विकास प्रतिमान के विभिन्न काल में खुशी भिन्न भिन्न होती है। इस अधिनियम के अनुसार – जीवन का प्रथम वर्ष सबसे अधिक खुशी एवं वय संधि काल सबसे अधिक दुःखी काल होता है।
- बाल विकास का सही क्रम है – बाल्यावस्था-किशोरावस्था-प्रौढ़ावस्था
- विकास शुरू होता है – पूर्व-बाल्यावस्था से
- बाल्यावस्था में सामाजिक विकास के रूप में मुख्य है – बालक व बालिकाओं में एक साथ रहनेकी प्रवृत्ति
- वृद्धि एवं विकास में क्या सम्बन्ध है – एक-दूसरे के पूरक हैं।
- परिपक्वता का सम्बन्ध है – विकास
- निम्नलिखित में से वंशक्रम सम्बन्धी नियम है – समानता का नियम
- वृद्धि एवं विकास का मुख्य सिद्धान्त है – वैयक्तिक अन्तर का सिद्धान्त
- किशोरावस्था की अवधि है – 12 से 19 वर्ष
- विकास कैसा परिवर्तन है – गुणात्मक
- वृद्धि का सम्बन्ध किससे है – आकार व भार से
- निम्नलिखित में से कौन सा विकास का सिद्धान्त है – सभी की विकास दर समान नहीं होती है।
- मानव विकास को क्षेत्रों में विभाजित किया जाता है, जो है – शारीरिक, संज्ञानात्मक, संवेगात्मक और सामाजिक
- कोह्लबर्ग के अनुसार शिक्षक बच्चों में नैतिक मूल्यों का विकास कर सकता है – नैतिक मुद्दों पर आधारित चर्चाओं में उन्हें शामिल करके।

- शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में व्यक्तिगत रूप से ध्यान देना महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि – बच्चों की विकास दर भिन्न होती है और वह भिन्न तरीकों से सीख सकते हैं।
- निम्नलिखित में से कौन सी समस्या समाधान की वैज्ञानिक पद्धति का पहला चरण है – **समस्या के प्रति जागरूकता**
- किस आयुकाल में मानसिक विकास अपनी उच्चतम सीमा पर पहुँच जाता है – **15-20 वर्ष**
- किशोरावस्था में सामाजिकविकासपर जिसका प्रभाव नहीं पड़ता है, वह निम्न में से कौन-सी है – **असुरक्षा**
- किशोरों में संवेग के नियंत्रण का सबसे अच्छा उपाय निम्नलिखित में से कौन-सा है – **प्रक्षेपण**
- किशोर अवस्था में चरित्र निर्माण से जो अवस्था संबंधित है, वह निम्न में से है – **आधारहीन आत्म चेतना अवस्था**
- किशोर अवस्था की मुख्य विशेषता निम्न में से है – **आत्म गौरव**
- विकास व्यक्ति में नवीन विशेषताएँ और योग्यताएँ प्रस्फुटित करता है, यह कथन है – **हरलॉक**
- जिस प्रक्रिया से व्यक्ति मानव के लिए परस्पर निर्भर होकर व्यवहार करना सीखता है, वह प्रक्रिया है – **समाजीकरण**
- किशोरावस्था एक नया जन्म है, इसमें उच्चतर और श्रेष्ठतर मानव विशेषताओं का जन्म होता है, यह कथन देने वाले हैं – **स्टेनली हॉल**
- किशोरों की जटिल अवस्था के कारण किशोरों के अध्ययन का विषय होना चाहिए – **शरीर तथा मन संबंधी**
- "किशोरावस्था आदर्शों की अवस्था है, सिद्धान्तों के निर्माण की अवस्था है, साथ ही जीवन का सामान्य समायोजन है", यह परिभाषा देने वाले हैं – **जीन पियाजे**

- एक शिक्षक शिक्षार्थी के मानसिक विकास का ज्ञान प्राप्त करके जिसकी योजना नहीं बना सकता, वह है – शारीरिक विकास
- मानसिक विकास का संबंध नहीं है – शिक्षार्थी का वजन एवं ऊँचाई
- किशोरों को नहीं दिया जाना चाहिए – लालच
- मनुष्य के शरीर में हड्डियों की संख्या कम होती है – प्रौढ़ावस्था में
- किसको प्रशिक्षण द्वारा व्यवहार में संशोधन की प्रक्रिया माना गया है – अधिगम
- एक बालक सामाजिक रूप से पूर्णतः विकसित माना जायेगा यदि वह – विभिन्न प्रकार के व्यक्तियों के साथ व्यवहार करना जानता है।
- किशोरावस्था की प्रमुख समस्या है – समायोजन की
- 'संवेदना ज्ञान की पहली सीढ़ी है।' यह – मानसिक विकास है।
- 'किशोरावस्था बड़े संघर्ष, तनाव, तूफान और विरोध की अवस्था है' यह कथन है – ई. ए. किलपैट्रिक का
- निम्न में से शैशवावस्था की विशेषता नहीं है – नैतिकता का होना।
- निम्नलिखित में से कौन सा विकास का एक सामान्य नियम नहीं है – विकास एक निश्चित उम्र के बाद रुक जाता है।
- जीन पियाजे के अनुसार संज्ञानात्मक विकास की अवस्थाएँ हैं – 4
- कौन से आयु समूह के लिए एरिकसन ने विकास की आठ अवस्थाएँ प्रस्तावित की – जन्म से मृत्यु तक
- एरिकसन के अनुसार कौन सी अवस्था में बालक अधिक पहल करता है, लेकिन बहुत सशक्त भी हो सकता है, जो दोष भावनाओं की ओर ले जा सकता है – 3 से 6 वर्ष तक पहल बनाम दोष अवस्था
- निम्नलिखित में से कौन सी संज्ञानात्मक प्रक्रिया है – चिंतन
- मानसिक विकास को प्रभावित करने वाला कारक नहीं है – धार्मिक वातावरण
- बालक के भाषा विकास में मुख्य योगदान देने वाली संस्था है – परिवार

- नैतिक तर्क का अवस्था सिद्धान्त किसने स्पष्ट किया – **कोहलबर्ग ने**
- कोहलबर्ग के सिद्धान्त के अनुसार कौन सी अवस्था पर एक व्यक्ति का निर्णय दूसरों के अनुमोदन, पारिवारिक आकांक्षाओं, पारंपरिक मूल्यों एवं समाज के नियमों पर आधारित है – **पारम्परिक**
- वंशानुक्रम से संबंधित प्रयोग चूहों पर किसने किया – **मेण्डल ने**
- निम्नलिखित में से कौन सा भाषा के विकास को प्रभावित नहीं करता है – **लम्बाई तथा वजन**
- कौन सा ऊर्जावान मित्रवत् बालक का लक्षण नहीं है – **आसानी से चिढ़ने वाला।**
- बालक के निम्न में से कौन सा सामाजिक सम्पर्क का स्रोत सबसे प्रारम्भिक और सबसे अधिक चलने वाला है – **परिवार**
- किशोरावस्था आरम्भ होती है – **12 वर्ष की आयु से**
- एक बच्चा सदैव दूसरों के प्रति सहानुभूति दिखाता है। यह आदत कहलाती है – **भावना संबंधी आदत**
- 'पूर्णतः प्रकार्यशील व्यक्ति का सम्प्रत्यय' किसने दिया – **कार्ल रोजर्स**
- किसने 'मूलभूत विश्वास बनाम अविश्वास, को विकास की प्रथम अवस्था के रूप में प्रस्तावित किया है।' – **एरिकसन**
- निम्न में से किसने बच्चों में वस्तु स्थैतय के विकास को समझने में सहायता की है – **पियाजे**
- बच्चे का किस प्रकार का विकास विद्यालय और शिक्षक द्वारा प्रभावित होता है – **मानसिक, सामाजिक एवं संवेगात्मक**
- 'सूर्य बच्चे के साथ-साथ चलता है, उसके मुड़ने का अनुकरणकरता है और बच्चे की बात सुनता है।' यह कथन बालक की किस लक्षण की ओर इंगित करता है – **सजीव चिंतन**

- निम्न में से किसका संबंध मूल दुःचिन्ता एवं मूल शत्रुता के सम्प्रत्ययों से है –
केरेन हार्नी
- किसने यह दावा किया कि सभी भाषाओं में होने वाले कुछ सार्वभौमिक गुण जन्मजात होते हैं – **नॉम चॉम्स्की**
- कक्षा 4का एक बच्चा सदैव चिन्तित और कुण्ठित रहता है, आप – **स्वयं परामर्शदाता की भूमिका का निर्वाह करेंगे।**
- एक पूर्व विद्यालय बालक कहता है 'सूर्य आज उदास है' बालक निम्नलिखित में से किस सम्प्रत्यय की अभिव्यक्ति कर रहा है – **सजीव चिन्तन**
- फ्रॉयड के अनुसार निम्न में से कौन सी विकास अवस्था में बच्चे का ध्यान जननांगों की तरफ जाता है – **लैंगिक**
- फ्रॉयड के अनुसार किस अवस्था में कामेच्छाएँ सापेक्ष रूप से निष्क्रिय रहती है –
प्रसृप्ति
- किसने यह मत दिया कि भाषा विचार की अंतःवस्तु का निर्धारण करती है –
व्हार्फ
- जब बच्चे के पैर के तलवे को ठोका जाता है, तो पैर की अंगुलियाँ ऊपर की ओर जाती है और फिर आगे की ओर मुड़ जाती है। यह नवजात में हो रही किस प्रकार की प्रतिवर्त का उदाहरण है – **बेबीन्स्की**
- निम्न में से कौन सा बच्चों हेतुवैश्लर बुद्धि मापनी की एक निष्पादन मापनी है –
चित्रपूर्ति
- मूर्त संक्रियात्मक अवस्था है – **2 से 7 वर्ष**
- बाल मनोविज्ञान का सिद्धान्त प्रारम्भ के 4-5 वर्षों के अनुभवों पर आधारित होता है – **मनोविश्लेषणात्मक**
- 'भाषा की सापेक्षता प्राकल्पना' किसने प्रतिपादित की – **व्हार्फ**
- 'ए बायोग्राफीकल स्केच ऑफ इन्फेन्ट' किसने लिखी है – **डार्विन**

- किसे 'किशोर मनोविज्ञान के पिता' के नाम से जाना जाता है – स्टेनली हॉल
- मानकीकृत परीक्षण का अर्थ – विश्वसनीयता, वैधता, मानक
- प्राक्-संक्रियात्मक अवस्था है – 2 से 7 वर्ष
- निम्नलिखित में से कौन सा आलोचनात्मक दृष्टिकोण 'बहु-बुद्धि सिद्धान्त' (Theory of Multiple Intelligences) से संबद्ध नहीं है – प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रायः एक क्षेत्र में ही अपनी विशिष्टता प्रदर्शित करते हैं।
- औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था है – 11 वर्ष के बाद
- प्रत्याक्षात्मक व संवैंगीक गतिक गामक दक्षता परीक्षण हेतु आरम्भ में किसने विधि का निर्माण किया – मोन्टेसरी
- भाषा-अवबोधन से संबद्ध विकार है – भाषाघात (aspeechxia)
- हॉर्नी के अनुसार मौलिक दुश्चिन्ता के संप्रत्यय का विकास होता है – बाल्यावस्था में
- बालक विकास का जीन पियाजे के सिद्धान्त का आधार है – संज्ञानात्मक विकास
- 'जीव में विकास तथा वर्धन का पूराहोना परिपक्वता कहलाता है' परिभाषित किया – सारटेन ने
- ने बाल के प्राकृतिक विकास पर बल दिया – मान्टेसरी
- माता की आवाज का नवजात के व्यवहार पर प्रभाव का प्रयोग किसने किया – टरमन
- पियाजे के अनुसार 4 से 8 माह में कौन सा संज्ञानात्मक विकास होता है – आँख-हाथ संबंधन
- प्राथमिक आवश्यकताओं को आवश्यकता से भी जाना जाता है – दैहिक
- 'बाल अध्ययन के पिता' किसे कहा जाता है – स्टेनले हॉल को

- कौन से सिद्धान्त में बाल्यकाल के अनुभव के विकासात्मक आयाम पर बल दिया गया है – **मनोविश्लेषणवाद**
- नवजात के स्वास्थ्य को जाँचने के लिए प्रयोग में ली जाने वाली मापनी स्केल है – **डब्ल्यू. आई. एस. सी. स्केल**
- पियाजे के अनुसार एक आठ वर्ष का बालक कर सकता है – **संरक्षणात्मक समस्यायें सीखना।**
- शरीर के शीर्ष भाग से प्रारम्भ होकर नीचे की दिशा में होने वाली शारीरिक वृद्धि को जाना जाता है – **सिर-पदाभिमुख अनुक्रम**
- कौन सी विधि उपागम में समान प्रयोज्यों का मापन उनके विकास की विभिन्न अवस्थाओं पर लिया जाता है – **दीर्घकालीन अध्ययन विधि**
- पियाजे के सिद्धान्त के अनुसार कौन सी अवस्था में बच्चों में उस चिंतन का विकास होता है, जिसमें अनुत्क्रमणीयता होती है – **प्राक संक्रियात्मक**
- निम्न में से किसने बच्चों में वस्तु स्थैतय के विकास को समझने में सहायता की – **पियाजे**
- निर्जीव वस्तुओं को सजीव गुण देने वाली प्रकृति को पियाजे ने क्या नाम दिया है – **सजीव चिंतन**
- इनमें से कौन सा तथ्य मानसिक विकास को सबसे अधिक मनोवैज्ञानिक रूप से व्यक्त करता है – **यह शक्ति बालक का नवीन परिस्थितियों से समाधान करती है।**
- बालकों का सर्वाधिक उचित काल कौन सा होता है जब वे 'विस्फोट और तनाव' में होते हैं – **किशोरावस्था**
- बालकों के सर्वतोन्मुखी विकास हेतु सर्वाधिक उचित विद्यालय है – **खेल का मैदान**

- प्रगतिशील शिक्षा के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा कथन जॉन ड्यूबी के अनुसार समुचित है – विद्यार्थियों को स्वयं ही सामाजिक समस्याओं को सुलझाने में सक्षम होना चाहिए।
- छात्र का वह सोपान जबकि यह सर्वाधिक रूप से संवेगों से घिरा रहता है – किशोरावस्था
- बालक के विकास में ज्यादा महत्वपूर्ण क्या है – वंशाक्रम और वातावरण दोनों
- मनोविज्ञान में सामाजिक विकास से क्या अभिप्राय है – दूसरों के साथ अच्छे संबंधों का विकास।
- विकास की दृष्टि से सही क्रम है – आत्मीकरण,समायोजन, अनुकूलन
- बालकों में संज्ञान विकास की भिन्नता होती है, क्योंकि – उनमें अंतरंग योग्यताएँ भिन्न-भिन्न होती है।
- पियाजे के संज्ञानात्मक विकास चरणों में से कौन एक सही नहीं है – पूर्वज्ञान
- बालक में तर्क की क्षमता विकसित करने के लिए आप क्या करेंगे – संदर्भ बदलते हुए प्रश्न पूछेंगे।
- मैडम मोन्टेसरीने अधिगम परिवेश में सर्वाधिक बल किस पर दिया है – ज्ञानेन्द्रियों के उपयोग पर
- मानव बुद्धि एवं विकास की समझ शिक्षक को के योग्य बनाती है – विविध शिक्षार्थियों के शिक्षण के बारे में स्पष्टता
- निम्नलिखित में से कौन सा सत्य है – खेलना संज्ञान और सामाजिक दक्षता के लिए सार्थक है।
- 14 वर्षीयदेविका अपने आप में पृथक, स्वनियंत्रित व्यक्ति की भावना को विकसित करने का प्रयास कर रही है, वह विकसित कर रही है –स्वायत्तता
- समाजीकरण है – समाज के मानदण्डों के साथ अनुकूलन

- शिक्षा के सन्दर्भ में, समाजीकरण से तात्पर्य है – सामाजिक वातावरण में अनुकूल और समायोजन
- राज्य स्तर की एकल-गायन प्रतियोगिता के लिए विद्यार्थियों को तैयार करते समय एक विद्यालय लड़कियों की वरीयता देता है, यह दर्शाता है – लैंगिक पूर्वाग्रह
- बाइगोत्स्की बच्चों के सीखने में निम्नलिखित में से किस कारक की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल देते हैं – सामाजिक
- विकास के किस काल को 'अत्यधिक दबाव और तनाव का काल' कहा गया है – किशोरावस्था
- इनमें से कौन सा सिद्धान्त यह मत स्पष्ट करता है बच्चे अपनी वृद्धि विकास हेतु कठोर अध्ययन करते हैं– मैस्लो
- मानव विकास के सम्बन्ध में कौन सा कथन गलत है – यह परिपक्वता तक चलता है।
- प्याजे के अधिगम के संज्ञानात्मक सिद्धान्त के अनुसार वह प्रक्रिया जिसके द्वारा संज्ञानात्मक संरचना को संशोधित किया जाता है, कहलाती है – स्कीमा
- एक किशोर के शारीरिक विकास का मूल्यांकन किया जाता है – उसके द्वारा किये गये शारीरिक कार्यों के द्वारा
- किशोरावस्था में संज्ञानात्मक विकास की विशेषता है – तर्क के साथ समस्याओं के समाधान की योग्यता में वृद्धि
- एक किशोर की अभिरुचि को प्रभावित करने वाला कारक है – आनुवांशिकी एवं वातावरण दोनों
- किसी व्यक्ति में विकासका प्रतिमान निम्नलिखित में से किस क्रम का अनुसरण करता है – शीर्षपदीय (आपादीय)

- बालक के शारीरिक वृद्धि व विकास को प्रभावित करते हैं – वंशानुक्रम व वातावरण दोनों
- आत्म सम्मान की भावना का लक्षण प्रकट करती है – किशोरावस्था
- 'Adolescence' पुस्तक के लेखक है – स्टेनले हॉल
- निम्न में से कौन सा कथन सही नहीं है – वृद्धि के साथ विकास भी होता है।
- एक दिग भ्रमित का पथ-प्रदर्शन किया जा सकता है – उसके अच्छे व्यवहार की प्रशंसा करके
- किस आयुकाल में मानसिक विकास अपनी उच्चतम सीमा पर पहुँच जाता है – 15-20 वर्ष
- 'दो बालकों में समान मानसिक योग्यताएं नहीं होती है' उक्त कथन किस मनोवैज्ञानिक का है – हॉरलॉक
- किशोर अवस्था में सामाजिक विकास पर जिसका प्रभाव नहीं पड़ता, वह निम्न में से कौन सी है – असुरक्षा
- किशोर अवस्था में चरित्र निर्माण प्रक्रियासे जो अवस्था संबंधित है, वह निम्न में से है – आधारहीन आत्मचेतना अवस्था
- किशोर अवस्था की मुख्य विशेषता निम्न में से है – आत्म गौरव
- किशोरावस्था के आकस्मिक विकास का सिद्धान्त कब किसने किया – 1904 में स्टेनले हॉल ने
- 'सामाजिक एवं संवेगात्मक विकास साथ-साथ चलते हैं। यह कथन है – हॉल का
- 'किशोर प्रौढ़ों को मार्ग में बाधा समझता है, जो उसे अपनी स्वतंत्रता का लक्ष्य प्राप्त करने से रोकते हैं।' यह कथन किसका है – कॉलसनिक
- 'मैं किसी की परवाह नहीं करता' ऐसी अभिवृत्ति वाले बच्चों के व्यवहार को क्या कहते हैं – अस्वीकरण

- नैतिक मूल्यों का विकास किया जा सकता है, यदि अध्यापक – स्वयं उन पर आचरण करें।
- बी. एफ. स्कीनर के अनुसार बच्चों में भाषा का विकास निम्नलिखित का परिणाम है – अनुकरण तथा पुनर्बलन
- बच्चों की शारीरिक वृद्धि की दर अधिकतम होती है – पूर्व बचपन में उत्तर बचपन की बजाय
- कौन-सा अवसर किशोरों की आवश्यकता है – वाद-विवाद, तर्क तथा चर्चा
- किस अवस्था में स्व-सम्मान की भावना सबसे अधिक पायी जाती है – किशोरावस्था
- अभिवृद्धि शब्द का प्रयोग किया जाता है – बालक के सामाजिक विकास के लिए
- व्यक्तिगत शिक्षण में निम्नलिखित विधि नहीं आती है – सामूहिक शिक्षण
- निम्न में से व्यक्तिगत विभिन्नता के प्रकार है – शारीरिक विभिन्नता, मानसिक विभिन्नता एवं संवेगात्मक विभिन्नता
- व्यक्तिगत विभिन्नता का आधारभूत कारण है – बंशानुक्रम
- "ए सर्वे ऑफ दी एजुकेशन ऑफ गिफ्टेड चिल्ड्रन" पुस्तक के लेखक है – हैविगहर्स्ट
- मनोशारीरिक असमानताओं को कहा जाता है – व्यक्तिगत विभिन्नता
- "मापन किया जाने वाला व्यक्तित्व का प्रत्येक पहलू वैयक्तिक भिन्नता का अंश है।" उपर्युक्त परिभाषा दी है – स्किनर ने
- शारीरिक रूप से व्यक्ति के मध्य जो भिन्नता दिखाई देती है, वह कहलाती है – बाहरी भिन्नता
- बाह्य रूप से दो व्यक्ति एक समान हैं लेकिन वे अन्य योग्यताओं की दृष्टि से समरूप नहीं है, ऐसी व्यक्तिगत विभिन्नता कहलाती है – आन्तरिक विभिन्नता

- निम्नलिखित में से कथन सही है – दो व्यक्ति समान नहीं होते हैं। वैयक्तिक भिन्नताओं का मापन सम्भव है। बैयक्तिक भिन्नता सार्वभौमिक होती है।
- लड़के मारपीट, झगड़ा, खेलकूद अधिक पसन्द करते हैं, जबकि लड़कियां वस्त्र पहनने, गुडिया खेलने तथा घरों में काम में ध्यान लगाती है, यह विभेद कहलाता है – रुचि सम्बन्धी भेद
- एक बहु-सांस्कृतिक कक्षा-कक्ष में एक अध्यापिका सुनिश्चित करेगी कि आकलन में निम्नलिखित में सम्मिलित हो – अपने विद्यार्थियों की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
- व्यक्तिगत भिन्नता होती है – बौद्धिक, शारीरिक, चारित्रिक
- व्यक्तिगत विभिन्नताओं के आधार पर शिक्षक को सहायता मिलती है – शैक्षिक व व्यावसायिक निर्देशन में, छात्रों के वर्गीकरण में, शिक्षण विधि के चयन में
- कक्षा में ऊँचा सुनने वाले तथा कमजोर नजर के छात्रों को बैठाना चाहिए – आगे की पंक्ति में
- आप कक्षा-8 के गणित विषय के अध्यापक हो। एक बालक आपके विषय में अनुत्तीर्ण हो जाता है, आप उसे उत्तीर्ण करवाने हेतु क्या करोगे – व्यक्तिगत निर्देशन एवं परामर्श
- समावेशी शिक्षा के पीछे मूलाधार यह है कि – समाज में विभिन्नता है और विद्यालयों को विभिन्नता के प्रतिसंवेदनशील होने के लिए समावेशी होने की आवश्यकता है।
- एक बालक अपने विचारों एवं भावनाओं को प्रकट नहीं करता है, वह किस श्रेणी में रखा जाएगा – दमित
- "स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निर्माण ही शिक्षा है" कथन है – अरस्तु
- आक्रामक बालकों की आक्रामकता को कम करने हेतु आप विद्यालय स्तर पर सर्वोच्चित उपाय करेंगे – शक्ति का सदुपयोग

- निम्नांकित पद्धति व्यक्तिगत भेद को ध्यान में नहीं रखकर शिक्षण में प्रयुक्त की जाती है – **व्याख्यान पद्धति**
- इस पर अत्यधिक वाद-विवाद होता है कि क्या लड़कों एवं लड़कियों में योग्यताओं का विशिष्ट समूह उनके आनुवंशिक घटकों के कारण होता है। इस संदर्भ में निम्नलिखित में से आप सबसे अधिक किससे सहमत हैं – **लड़कियों को सेवाभाव के लिए सामाजिक रूप से तैयार किया जाता है जबकि लड़कों को रोने जैसा संवेग प्रदर्शित करने के लिए हतोत्साहित किया जाता है।**
- एक उच्च प्राथमिक विद्यालय के संरचनात्मक कक्षा-कक्ष में अपने स्वयं के आंकलन में विद्यार्थियों की भूमिका निम्नलिखित में से क्या देखा जाएगा – **विद्यार्थी अध्यापक के साथ आंकलन के लिए योजना बनाएँगे।**
- व्यक्तिगत भेद पाये जाते हैं – **बुद्धि स्तर में, अभिवृत्ति में, गतिवाही योग्यता में**
- व्यक्तिगत भेद में हम पाते हैं – **विचलनशीलता, प्रतिमानता**
- कौन सा व्यक्तिगत भिन्नताओं का कारण नहीं है – **निर्देशन**
- बालकों में प्रभावी अधिगम हेतु निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प सबसे कम महत्त्व रखता है – **अधिगम का दार्शनिक आधार**
- निःशक्त बच्चों के लिए समेकित शिक्षा की केन्द्रीय प्रायोजित योजना का उद्देश्य में निःशक्त बच्चों को शैक्षिक अवसर कराना – **नियमित विद्यालयों**
- विशेष रूप से जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा का प्रबंध होना चाहिए – **दूसरे सामान्य बच्चों के साथ।**
- निम्न में से कौन सा विकल्प उपलब्धि में व्यक्तिगत भिन्नता का प्रतीक नहीं है – **लिंग में विभिन्नता**
- शिक्षा मनोविज्ञान में जिन बालकों के व्यवहार का अध्ययन किया जाता है, वे हैं – **समस्यात्मक बालक, कम गति से सीखने वाले बालक, मंद बुद्धि बालक**

- गिलफोर्ड ने अभिसारी चिन्तन (Convergent Thinking) पद का प्रयोग किससे समान अर्थ में किया है- बुद्धि
- निःशक्त बालकों (Disabilities) की शिक्षा के लिए प्रावधान किया जा सकता है - समावेशित शिक्षा द्वारा
- व्यक्तिगत विभिन्नताओं को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों के शिक्षण के लिये प्रायोजना पद्धति के निर्माता थे - किलपैट्रिक
- वैयक्तिक विभिन्नताओं के आधारपर पार्कहर्स्ट ने बालकों के लिए शिक्षा पद्धति दी - डाल्टन प्लान
- सीमा हर पाठ को बहुत जल्दी सीख लेती है, जबकि लीना उसे सीखने में ज्यादा समय लेती है, यह विकास सिद्धान्त को दर्शाता है - वैयक्तिक भिन्नता
- एक अध्यापक किसी भी समूह में समुदाय आधारित व्यक्तिगत विभिन्नताओं को समझ सकता है - भाषा एवं अभिव्यक्ति के आधार पर
- ADHD है - अवधान विकृति
- निम्न में से कौन सा कारक समस्या समाधान में बाधक हो सकता है - मानसिक वृत्ति
- आधुनिक शिक्षा में मनोविज्ञान का अनुप्रयोग आधारित है - व्यक्तिगत विभिन्नताओं पर
- वह प्रक्रिया जिसके द्वारा वस्तुओं तथा वस्तुनिष्ठ तथ्यों को ज्ञानेन्द्रियों द्वारा जाना जाता है - प्रत्यक्षीकरण
- व्यक्तिगत भिन्नता पर सर्वप्रथम महत्त्वपूर्ण कार्य करने वाले व्यक्ति - फ्रांसीसी गाल्टन
- छात्रों में सीखने की योग्यता निर्भर करती है - व्यक्तिगत भिन्नता पर
- निम्नलिखित में से कौन सी विशेषता बालकों के संवेगों की विशेषता है - ये क्षणिक होते हैं।

- निम्नलिखित में से कौन सा चोरी का कारण नहीं हो सकता – अभिभावकों का नियंत्रण व अनुशासन
- थर्स्टन की अभिवृत्ति मापनी कहलाती है – सम अंतराल मापनी
- आदतों, ज्ञानतथा अभिवृत्तियों का अर्जन है – अधिगम
- सामूहिक अचेतन का सम्प्रत्यय किसने प्रतिपादित किया – युंग
- व्यक्तिगत विभिन्नता के आधार पर शिक्षा देने हेतु निम्न में से कौन सा विकल्प उपयुक्त है – बुद्धि के स्तर पर आधार पर बालकों का कक्षा विभाजन
- बालकों में व्यक्तिगत विभेद के मुख्य कारण है – मानसिक गुण
- शाब्दिक व्यवहार-कौशल का महत्त्व है – सम्प्रत्यय निर्माण में
- विद्यालयों को किसके लिए वैयक्तिक भिन्नताओं को पूरा करना चाहिए – यह समझने के लिए कि क्यों शिक्षार्थी सीखने के योग्य या अयोग्य है।
- शिक्षार्थियों में वैयक्तिक भिन्नताओं को सम्बोधित किरने के लिए विद्यालय किस प्रकार का सहयोग उपलब्ध करवा सकता है – बाल-केन्द्रित पाठ्यचर्चा का पालन करना और शिक्षार्थियों को सीखने के अनेक अवसर उपलब्ध करना।
- बच्चों में सीखने और सुनने के लिए अधिगमयोग्य वातावरण के लिए निम्नलिखित में से कौन उपयुक्त है – शिक्षार्थियों को कुद यह छूट देना कि क्या सीखना है और कैसेसीखना है।
- शिक्षार्थी वैयक्तिक भिन्नता प्रदर्शित करते हैं, अत- शिक्षक को – सीखने के विविध अनुभवों को उपलब्ध कराना चाहिए।
- 'प्रतिभाशाली बालक वह है, जो अपने उत्पादन की मात्रा, दर तथा गुणवत्ता में विशिष्ट होता है।' यह कथन दिया गया है – आर डब्ल्यू टेलर द्वारा
- अध्यापन के समय अध्यापक को निम्नलिखित में से किसका सर्वाधिक ध्यान रखना चाहिए – वैयक्तिक भिन्नता
- निष्पत्ति परीक्षणों का सबसे अधिक उपयोग है – छात्र वर्गीकरण में

- कक्षा में भावी अनुशासन के लिए अध्यापक को चाहिए – छात्रों को कुछ समस्याएँ हल करने को दें।
- व्यक्तिगत भिन्नता का ज्ञान अध्यापक को मदद करता है – शिक्षण अधिगम क्रियाओं की योजना बनाने में
- कक्षामें विद्यार्थियों के वैयक्तिक विभेद – लाभकारी हैं, क्योंकि ये विद्यार्थियों की संज्ञानात्मक संरचनाओं को खोजने में अध्यापकों को प्रवृत्त करते हैं।
- व्यक्तिगत विभिन्नताओं का क्षेत्र है – लिंग भेद, शारीरिक संरचना, मानसिक योग्यताएँ
- अच्छे मानसिक स्वास्थ्य का संकेतक है – संवेगों पर नियंत्रण रखना।
- मानसिक स्वास्थ्य के सम्प्रत्यय की पूर्ण जानकारी एक शिक्षक को योग्य बनाती है – विद्यार्थियोंके अवांछित व्यवहार में गहन सूझ विकसित करने में।
- व्यक्तिगत भिन्नता के कारक होते हैं – वंशानुगत एवं वातावरणीय
- कुसमायोजित व्यक्ति कहलाते हैं, जो – अधिकतर अनुचित ढंग से द्वंद्वात्मक स्थिति का सामना करते हैं। समाज विरोधी गतिविधि में सहभागिता रखते हैं। द्वन्द्व को दूर करने में असमर्थ होते हैं।
- छात्रों को मानसिक रूप से स्वस्थ एवं स्वच्छ बने रहने के लिए विद्यालय प्रशासन को कौन सा तरीका अपनाना चाहिए – नियमित स्वास्थ्य परीक्षण
- एक बच्चा सदैव दूसरों के प्रति सहानुभूति दिखाता है। यह आदत कहलाती है – भावना संबंधी आदत
- अच्छी स्मृति की विशेषताएं है – शीघ्र पुनःस्मरण, शीघ्र पहचान, अच्छी धारणा
- अध्ययन की दृष्टि से व्यक्तिगत विभिन्नताओं का महत्व है – विद्यार्थियों का समरूप समूहों में वर्गीकरण।
- विभेदकारी परीक्षण अंतर करता है – कमजोर विद्यार्थियों में, सामान्य विद्यार्थियों में, प्रतिभाशाली विद्यार्थियों में।

- प्रतिभाशाली शिक्षार्थियों के लिए – शिक्षक को अनुकूलन करना चाहिए, जैसे शिक्षार्थी में बदलाव आता है।
- वंचित समूहों के विद्यार्थियों को सामान्य विद्यार्थियों के साथ-साथ पढ़ाना चाहिए, इसका अभिप्राय है – समावेशी शिक्षा
- एक बच्चे को अकेलापन और एकांत पसंद है। यह स्वभाव जिससे संबंधित है – सामाजिक भिन्नता
- एक बच्चे में बेईमानी और चोरी की आदत विकसित हो जाती है, बच्चा अन्य बच्चों से जिस दृष्टिकोण से भिन्न है, वह है – नैतिकता
- अन्तर्मुखी व्यक्तित्व वाले व्यक्ति रुचि रखते हैं – स्वयं अपने में
- व्यक्तित्व एवं व्यक्तिगत विभिन्नताओं को प्रभावित करने वाले तत्व हैं – वंशानुक्रम तथा वातावरण
- फ्रायड ने व्यक्तित्व का वर्गीकरण किस आधार पर किया है – काम प्रवृत्ति के आधार पर
- बहिर्मुखी बालक की विशेषता है – कार्य करने की दृढ़ इच्छा
- जो व्यक्ति भोजन प्रिय, आराम पसंद एवं सामाजिक होते हैं – गोलाकृति
- वर्तमान में सर्वोत्तम माना जाने वाला व्यक्तित्व के प्रकारों का वर्गीकरण किसकी देन है – जुंग की
- व्यक्तित्व मापन के लिए व्यक्ति की सम्पूर्ण सूचनाएँ प्राप्त करने की विधि है – व्यक्ति इतिहास विधि
- निम्न में से शेल्डन ने व्यक्तित्व का प्रकार नहीं बताया है – Pimpy
- व्यक्तित्व शब्द का अंग्रेजी रूपान्तरण पर्सनेलिटी शब्द मूलतः किस भाषा के शब्द से बना है – लैटिन
- परसोना शब्द का लैटिन भाषा में अर्थ होता है – बाहरी रूपरंग या नकली चेहरा
- व्यक्तित्व के निर्माण का महत्वपूर्ण साधन है – अनुकरण

- 'संगठित व्यक्तित्व' कहते हैं जिसमें निम्नांकित पक्षों का विकास हुआ हो –
सामाजिक पक्ष, मानसिक पक्ष, संवेगात्मक पक्ष
- संगठित व्यक्तित्व की विशेषता नहीं है – **असामाजिकता**
- सामाजिक आधार पर व्यक्तित्व का वर्गीकरण किस मनोवैज्ञानिक ने तैयार किया – **स्प्रेन्गर**
- यह वह शक्ति है, जिसके द्वारा व्यक्ति अपने बारे में जानता है कि वह क्या है तथा दूसरे व्यक्ति उसके बारे में क्या सोचते हैं – इस शक्ति का नाम क्या है – **आत्म चेतना**
- अंतर्मुखी बालक होता है – **एकान्त में विश्वास रखने वाला**
- व्यक्तित्व को मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से किस मनोवैज्ञानिक ने वर्गीकृत किया –
युंग
- निम्न में से जो घटक व्यक्तित्व के विकास को प्रभावित करने वाला है – **बुद्धि, स्वास्थ्य, लैंगिक भिन्नता**
- जब किसी व्यक्ति का अवलोकन निश्चित परिस्थितियों में किया जाता है तो वह कहलाता है – **नियंत्रित अवलोकन**
- युंग ने व्यक्तित्व का सिद्धांत दिया है – **विश्लेषात्मक सिद्धांत**
- वे बालक / बालिकाएँ जो परिस्थिति के आधार पर व्यवहार प्रकट करते हैं –
उभयमुखी
- युंग ने व्यक्तित्व का विभाजन जिस पुस्तक में किया वह है – **Type of men**
- अत्यधिक वाचाल, प्रसन्नचित रहने वाले तथा सामाजिक प्रवृत्ति के धनी व्यक्ति का व्यक्तित्व होता है – **बहिर्मुखी**
- भारतीय दृष्टिकोण से जो बालक काम प्रवृत्ति के तथा दूसरों का अहित करने वाले होते हैं, उन्हें किस वर्ग में रखा गया है – **तामसिक**
- अचेतन मन का अध्ययन किया जाता है – **मनोविश्लेषण विधियों द्वारा**

- निम्न में से व्यक्तित्व मापन की विधि नहीं है – एक तत्व परीक्षण
- समाजमिति द्वारा अध्ययन करने से बालक के किस गुण का पता चलता है – सामाजिकता का
- समाजमिति से सामान्यतः जिन तथ्यों का पता चलता है, वह है – तटस्थता, नायकगुण, तिरस्कृत
- निम्न में से व्यक्तित्व परीक्षण मापन की प्रक्षेपी विधि नहीं है – मनोविश्लेषण विधि
- निम्न में से जो व्यक्तित्व परीक्षण की विधि नहीं है, वह है – भ्रमण
- न्यूमैन तथा स्टर्न ने व्यक्तित्व को किन भागों में वर्गीकृत किया है – विश्लेषणात्मक व संश्लेषणात्मक
- एक संगठित व्यक्तित्व में जो विशेषता नहीं पाई जाती है, वह है – झगड़ना
- पर्सनेलिटी शब्द की व्युत्पत्ति लैटिन भाषा के किस शब्द से हुई – परसोना
- "व्यक्तित्व, व्यक्ति में उन मनोशारीरिक अवस्थाओं का गतिशील संगठन है, जो उसके पर्यावरण के साथ उनका अद्वितीय सामंजस्य निर्धारित करता है।" कथन है – आलपोर्ट का
- नार्सिसिज्म का सम्बन्ध है – आत्म प्रेम से
- निम्न में से कौनसी व्यक्तित्व मापन प्रक्षेपी विधियाँ हैं – रोर्शा स्याही घब्बा परीक्षण, प्रासंगिक अंतर्बोध परीक्षण, बाल संप्रत्यन परीक्षण
- चोरी करना पाप है, अनैतिक है, यह कौन कहता है – सुपर ईगो (परम अहम)
- शरीर रचना पर आधारित व्यक्तित्व के प्रकार किसने बताए – क्रेचमर व शैल्डन ने
- युँग या जुँग ने व्यक्तित्व के कौन से प्रकार बताए – अंतर्मुखी, बहिर्मुखी व उभयमुखी
- फ्रॉयड ने सबसे अधिक बल किस प्रवृत्ति पर दिया है – काम प्रवृत्ति

- व्यक्तित्व को समझने के लिए व्यक्तित्व के शील गुणों का अध्ययन किस मनोवैज्ञानिक ने किया – **आलपोर्ट**
- हिप्पोक्रेट्स ने किस आधार पर व्यक्तित्व का वर्गीकरण किया – **कफ, पित्त पर आधारित**
- डिफेन्स मैकेनिज्म (रक्षात्मक तन्त्र) का सम्बन्ध किससे होता है – **अहम्**
- वंशानुक्रम से प्राप्त निम्नलिखित कारक व्यक्तित्व पर प्रभाव डालते हैं – **गल ग्रंथि, पियूष ग्रंथि, यौन ग्रंथि**
- व्यक्तित्व मापन की निरप्रक्षेपण विधियाँ बताइए – **आत्मकथा लेखन, प्रश्नावली, जीवन वृत्त विधि**
- उभयमुखी व्यक्तित्व वाले व्यक्ति होते हैं – **अंतर्मुखी, व बहिर्मुखी**
- व्यक्तित्व मापन की किस विधि में किसी समूह के व्यक्तियों में से पहली पसंद का व्यक्ति चुनने के लिए कहा जाता है – **समाजमिती**
- व्यक्ति के अंतर्द्वंद्व के समाधान में प्रमुख स्थान है – **उदात्तीकरण**
- हमारे मस्तिष्क का चेतन भाग होता है – **1/10**
- औपचारिक व अनौपचारिक किसकी विधियाँ हैं – **साक्षात्कार**
- जिस साक्षात्कार के माध्यम से छात्रसे घर तथा आसपास के वातावरण से सम्बन्धित सूचनाएँ प्राप्त की जाती है, वह है – **निदानात्मक साक्षात्कार**
- व्यक्तित्व का निर्माण प्रारंभ हो जाता है – **0-5 वर्ष में**
- निम्नलिखित में से कौन सा स्प्रेन्जर के द्वारा किया गया व्यक्तित्व का वर्गीकरण नहीं है – **सुडौलकाय**
- प्रासंगिक अन्तर्बोध परीक्षण किसके द्वारा दिया गया – **मॉर्गन एवं मुर्रे**
- व्यक्तित्व का अन्तर्मुखता तथा बहिर्मुखता के रूप में वर्गीकरण दिया गया – **युंग**
- निम्न में से कौन-सा व्यक्तित्व का जैविक निर्धारक है – **आनुवांशिक प्रभाव**
- व्यक्तित्व का पहला प्रकारात्मक वर्गीकरण प्रस्तुत किया – **हिप्पोक्रेट्स ने**

- कैटल द्वारा विश्लेषित किये गये व्यक्तित्व शीलगुणों की संख्या कितनी हैं – 16
- मुर्रे ने एक परीक्षण की रचना करके इतिहास रच दिया, वह क्या है – **विषय आत्मबोधन परीक्षण**
- निम्न में से प्रश्नावली व्यक्तित्व परीक्षण की कौन सी विधि है – **व्यक्तिनिष्ठ**
- निम्न में से किस मनोवैज्ञानिक का कथन है कि सम्पूर्ण व्यक्तियों को उनके व्यक्तित्व के आधार पर दो में से श्रेणी अन्तर्मुखी अथवा बहिर्मुखी में रख सकते हैं – **युंग**
- व्यक्ति मापन की वस्तुनिष्ठ विधियों में से कौन सी विधि नहीं मानी जाती है – **अभिज्ञपक प्रश्नावली**
- अन्तर्मुखी व्यक्तित्व की विशेषता है – **इसमें सामाजिक के गुण कम पाए जाते हैं।**
- व्यक्तित्व शब्द की उत्पत्ति लेटिन भाषा के किस शब्द से हुई है – **परसोना**
- किशोरावस्था की अवधि है – **12 से 19 वर्ष**
- 'पर्सनेलिटी' शब्द किस भाषा के मूल से लिया गया है – **लैटिन**
- 'रोर्शा स्याही घब्बा परीक्षण' का कौन सा प्रकार है – **प्रक्षेपी**
- अन्तर्मुखी व्यक्तित्व की विशेषताएँ हैं – **संदेही, शंकालू तथा एकान्तप्रिय रहने वाले**
- 'किशोरावस्था बड़े संघर्ष, तनाव व तूफान की अवस्था है।' यह कथन किसने कहा है – **स्टेनली हॉल**
- लेटिन भाषा में 'परसोना' का अर्थ है – **मुखौटा**
- टी.ए.टी. (व्यक्तित्व) परीक्षण की कौन सी विधि का प्रकार है – **प्रक्षेपी**
- 'ब्रेल लिपि' से किसको पढ़ाना चाहिए – **अंधे**
- सी.ए.टी. व्यक्तित्व परीक्षण की कौन सी विधि है – **प्रक्षेपी**
- अधिगम को प्रभावित करने वाला व्यक्तिगत कारक है – **परिपक्वता एवं आयु**
- व्यक्तित्व एवं बुद्धि में वंशानुक्रम की – **महत्वपूर्ण भूमिका है।**

- बालक प्रसंग बोध परीक्षण 3 वर्ष से 10 वर्ष की आयु के बालकों के लिए बनाया गया है। इस परीक्षण में कार्ड में प्रतिस्थापित किये गये हैं – **लोगों के स्थान पर जानवरों का**
- किस मनोवैज्ञानिक ने व्यक्तित्व की संरचना के अन्तर्गत गत्यात्मकता एवं स्थलाकृति पक्ष का अध्ययन किया – **लेविन व फ्रायड**
- व्यक्तित्व स्थायी समायोजन है – **पर्यावरण के साथ, जीवन के साथ, प्रकृति के साथ**
- वांछित व्यक्तित्व होता है – **संवेगीय स्थिर**
- बालक के व्यक्तित्व को प्रभावित करने वाला कारक है – **वंशानुक्रम तथा वातावरण**
- निम्न में से कौन सा कारण बालक के स्वस्थ भावात्मक विकास में सहायक नहीं है – **परिवार एवं विद्यालय में संवेगों का दमन**
- "व्यक्तित्व मनोदैहिक व्यवस्थाओं का वह गत्यात्मक संगठन है जो वातावरण के साथ अपूर्व समायोजन का निर्धारण करता है।" इन शब्दों में व्यक्तित्व की परिभाषा दी है – **आलपोर्ट**
- छात्र के असामान्य व्यवहारों के अध्ययन के लिए निम्नांकित में से किस प्रणाली का उपयोग सही है – **व्यक्ति इतिहास प्रणाली**
- व्यक्तित्व के मापन के लिए निम्न में से कौन सा व्यक्ति निष्ठ परीक्षण है – **जीवन कथा परीक्षण**
- बच्चों का विकासशील व्यक्तित्व किसके द्वारा प्रभावित होता है – **ग्रंथियों, परिवार और विद्यालय में प्राप्त अनुभवों द्वारा**
- बहिमुखी व्यक्तित्व होता है – **प्रबल व्यक्ति जो सरलता से परेशान हो जाने वाला नहीं हो।**

- किसी व्यक्तित्व के व्यक्तित्व के मापन के लिए व्यक्तित्व विधि है – जीवन कथा या व्यक्तित्व विधि या आत्मकथा विधि
- रक्षात्र बहुत सहायता करता है – दबाव से निपटने में
- बहिर्मुखी विद्यार्थी, अन्तर्मुखी विद्यार्थी से किस विशेषता के आधार पर भिन्न होता है – मन ही मन परेशान होने की अपेक्षा अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त करता है।
- व्यक्तित्व को अन्तर्मुखी एवं बहिर्मुखी वर्गों में सबसे पहले वर्गीकरण किसने किया – युंग
- एकान्त में विश्वास रखने वाला व्यक्ति कहलाता है – अन्तर्मुखी
- निम्न में से कौन सी तकनीक प्रक्षेपण तकनीक नहीं है – व्यक्तिगत अध्ययन
- व्यक्तित्व मापन की एक 'प्रक्षेपी' परीक्षण विधि नीचे दी गई है, पहचानिये – शब्द साहचर्य परीक्षण
- एक संतुलित व्यक्तित्व वह है जिसमें – इदम् एवं परम् अहम् के बीच संतुलन स्थापित किया जाता है।
- अन्तर्मुखी बालक की मुख्य विशेषता होती है – एकान्त में रहकर कम बातचीत करने वाला होता है।
- मानव व्यक्तित्व परिणाम है – आनुवंशिकता और वातावरण की अंतर्क्रिया का
- कुछ मनोवैज्ञानिकों के अनुसार व्यक्ति जिस रूप में व्यवहार करता है, वही उसका – व्यक्तित्व है।
- व्यक्तित्व मापन की व्यक्तिनिष्ठ विधि है – व्यक्ति इतिहास
- CAT मापता है – व्यक्तित्व
- फ्रॉयड ने व्यक्तित्व को बाँटा है – इदम्, अहम् तथा परम् अहम् के रूप में।
- मानसिक आरोग्य-विज्ञान से तात्पर्य है – संतुलित एवं व्यवस्थापित व्यक्तित्व का निर्माण करना।

- ईमानदारी के मूल्यांकन के लिए एक अध्यापक कृत्रिमवातावरण सृजित करता है, जहाँ बालक पैसा चुरा सकता है। यह एक उदाहरण है – **परिस्थिति परीक्षण का**
- भगनाशा एवं मानसिक द्वन्द्व के कारण है – **जैविकीय एवं भौतिक कारक, संवेगात्मक कारक, सामाजिक कारक**
- विचारों, भावनाओं तथा अभिवृत्तियों का संयुक्त जो व्यक्ति उनके स्वयं के बारे में रखते हैं, कहलाता है – **स्व-प्रत्यय**
- अवचेतन से प्रयुक्त व्यूह रचना जो अहम को दुःचिन्ता से बचाती है, कहलाती है – **रक्षा युक्ति**
- अंतःस्त्रावी ग्रंथियाँ व्यक्तित्व को प्रभावित करने वाली कैसी कारक है – **आनुवांशिक**
- मनो-विश्लेषणवाद के सिद्धान्त का प्रतिपादन किसने किया – **सिग्मण्ड फ्रॉयड**
- निम्नलिखित में से किसने व्यक्तित्व विकास में सामाजिक अधिगम पर बल दिया है – **बण्डुरा ने**
- रोर्शा स्याही घब्बा परीक्षण का प्रयोग किया जाता है – **व्यक्तित्व मापन के लिए**
- मनोविश्लेषणवादियों के अनुसार मानव व्यवहार का संचालन होता है – **अचेतन मन द्वारा**
- लियोपोल्ड बैलक ने निम्न में से किस परीक्षण को विकसित किया है – **CAT**
- प्रक्षेपण विधि द्वारा किसका अध्ययन किया जाता है – **अचेतन मन का**
- व्यक्तित्व को उसको सामाजिक व्यवहार के आधार पर अंतर्मुखी, बहिर्मुखी वर्गों में विभाजित करने वाला मनोवैज्ञानिक है – **युंग**
- अचेतन मन का अध्ययन किया जाता है – **प्रक्षेपी विधियों द्वारा**
- टी.ए.टी. परीक्षण में कार्ड की संख्या है – **30**
- मानव में गुणसूत्र के कितने युग्म होते हैं – **23**

- निम्न में से किस विकास को ट्राइसोम-21 के नाम से जाना जाता है – डाउन सिन्ड्रोम
- 'सामूहिक अचेतन का सम्प्रत्यय' किसने प्रतिपादित किया – युंग
- निम्न में से कौनसी विधि प्रक्षेपी परीक्षण है – टी.ए.टी.
- अंतर्मुखी व्यक्तित्व के लोग रुचि रखते हैं – स्वयं में
- एक बालक प्रतिदिन कक्षा से भाग जाता है, वह बालक है – कुसमायोजित
- CAT किसके लिये तैयार किया गया है – 3-11 वर्ष की आयु वर्ग के लिए
- मानसिक स्वास्थ्य को अच्छा रखने के लिये निम्न में से कौन सा तरीका सही नहीं है – अपनी समस्याएं अपने तक रखें।
- पलायन की मूल प्रवृत्ति से निम्नलिखित में से कौन सा संवेग संबंधित है – भय
- प्रासंगिक अंतर्बोध परीक्षण में निम्नलिखित में से कौन सी सामग्री का उपयोग किया जाता है – चित्र
- निम्नलिखित में से कौन सा हमारे इन्द्रिय सुख की इच्छाओं का भण्डार गृह है – इदम्
- अहम का कार्य है – इदम् व वास्तविकता के बीच समन्वय की भूमिका निभाना।
- मनोविश्लेषणवादी सिद्धान्त के जन्मदाता है – फ्रॉयड
- 16 पी.एफ.प्रश्नावली द्वारा बनाई गई – कैटल
- अत्यधिक वाचाल, प्रसन्नचित और सामाजिकप्रवृत्ति के व्यक्ति के व्यक्तित्व को युंग ने नाम दिया – बर्हिमुखी
- व्यक्तित्व की प्रक्षेपण विधि कौन सी है – रोर्शा स्याही घब्बा परीक्षण
- आलपोर्ट के अनुसार, व्यक्तित्व है – अपूर्व समायोजन, गत्यात्मक संगठन, संगठित मनो-दैहिक तंत्र
- बाल अंतर्बोध (एपरसेप्शन) परीक्षण का निर्माण किसने किया – बेलोक

- मादायुग्मक या अण्डाणु में निम्नांकित में से क्या पाया जाता है –
केवल X गुणसूत्र
- शैल्डन ने व्यक्तित्व को किस आधार पर वर्गीकृत किया – **शारीरिक संरचना**
- क्रेचमर के अनुसार स्थूलकाय प्रकार के व्यक्ति स्वभाव से होते हैं – **प्रसन्नचित्त**
- निम्नलिखित में से कौन सा बच्चे के सामाजिक विकास में सबसे महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है – **खेल**
- परामर्श साक्षात्कार में सबसे प्रमुख अमौखिक संचार माध्यम है – **हावभाव**
- सामाजिक दूरी मापनी किसने बनायी – **बोगार्डस ने**
- निम्नलिखित में से कौन सा व्यक्तित्व आकलन की प्रक्षेपण विधि से संबंधित है – **कहानी रचना**
- बच्चे के व्यक्तित्व के एक सूत्रीय विकास के लिए माँ-बाप को चाहिए कि वे –
घर में अनुकूल वातावरण प्राप्त करवायें।
- व्यक्तित्व का कौन सा भाग समाज के नैतिक मूल्यों और आदर्शों के आधार पर विकसित होता है – **परमअहम्**
- निम्न में से कौन व्यवहारवादी नहीं है – **सिगमण्ड फ्रॉयड**
- निम्न में से किसका कोई जैविकीय आधार नहीं है – **संबंधन**
- निम्न में से कौन सा व्यक्तित्व का भाग तार्किक रूप से नियंत्रित है, जो कि वास्तविकता के अनयम पर आधारित है – **अहम्**
- फ्रॉयड ने ऊर्जा का वितरण व्यक्तित्व विकास के जिन स्थलों पर किया है, उनके नाम हैं – **इदम्, अहम् व पराहम्**
- किसी छात्र के व्यक्तित्व के मूल्यांकन में आप किसको आधार बनायेंगे – **उसके शारीरिक गठन को, उसके मानसिक स्तर को एवं उसके भावात्मक विकास को**
- बालक के व्यक्तित्व विकास में विद्यालय कब बाधक बन सकता है – **जब विद्यालय प्रशासन आधिकारिक हो।**

- **16-PF** का प्रयोग किसके मान हेतु किया जाता है – **व्यक्तित्व**
- थॉर्नडाइक के व्यक्तित्व के वर्गीकरण का आधार है – **चिंतन और कल्पना**
- व्यक्ति जब दूसरे व्यक्ति को कुछ कार्य करते देखकर वह कार्य करना सीखता है, तो यह कहलाता है – **अवलोकन द्वारा सीखना**
- भाषा विकास में सहयोग करने का कौन सा तरीका गलत है – **उसकी अपनी भाषा के प्रयोग को अमान्य करना।**
- अंतर्मुखी व्यक्तित्व का प्रकार है – **मनोवैज्ञानिक प्रकार**
- निम्न में से कौन सी विशेषता व्यक्तित्व को सीधे प्रभावित करती है – **शारीरिक गठन एवं सामाजिक व्यवहार, मानसिक एवं आध्यात्मिक योग्यता, संवेगात्मक आयाम तथा अनुभव**
- निम्न में से कौन व्यक्तित्व के बुरे प्रबन्धन के लिए जिम्मेदार है – **ईड**
- निम्नलिखित में से कौन सा प्रदत्तकार्य प्रतिभाशाली विद्यार्थी के अलाए उपयुक्त है – **विभिन्न विषयों को ध्यान में रखते हुए विज्ञान की एक नई आदर्शात्मक पुस्तक का निर्माण करना।**
- निम्न में से कौन सा कथन बच्चे के विकास में परिवेश की भूमिका का समर्थन करता है – **कुद विद्यार्थी सूचनाओं का जल्दी प्रक्रमण करते हैं जबकि उसी कक्षाकेअन्य विद्यार्थी ऐसा नहीं कर पाते।**
- बाल विकास का अध्ययन क्षेत्र है – **बाल विकास की विभिन्न अवस्थाओं का अध्ययन, वातावरण का बाल विकास पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन, वैयक्तिक विभिन्नताओं का अध्ययन।**
- अपने ऊर्जाबल को बाहर की ओर अभिव्यक्त करने वाले व्यक्ति का प्रकार होता है – **बहिर्मुखी व्यक्तित्व**
- प्रभावी और स्थायी शिक्षा ग्रहण करने के लिए विद्यार्थी के पास होना चाहिए – **योग्यता और अभिप्रेरणा का वांछित स्तर**

- गार्डनर के बहु-बुद्धि के सिद्धान्त के अनुसार, वह कारक जो व्यक्ति के 'आत्म-बोध' हेतु सर्वाधिक योगदान देगा, वह हो सकता है – **अन्तःवैयक्तिक**
- आपकी कक्षा में कुछ बच्चे हैं जो गलतियाँ करते हैं। इस परिस्थिति का आपके विश्लेषण के अनुसार इनमें से कौन सा कथन सर्वाधिक उपयुक्त है – **बच्चों ने अभी तक संकल्पनात्मक स्पष्टता प्राप्त नहीं की है तथा आपको अपनी शिक्षण विधि पर चिन्तन करने की आवश्यकता है।**
- बहुतात्विक सिद्धान्त किसने दिया – **थॉर्नडाइक**
- वे बालक जो अपनी आयु से एक दर्जा नीचे के बालक के लिए बनाए गए कार्य को अच्छी तरह सम्पन्न नहीं कर पाते हैं, उन बालकों को किस श्रेणी में रखा जाएगा – **पिछड़े बालक**
- वे बालक जिन्हें अध्यापक के प्रयासों एवं अभिप्रेरणा के माध्यम से सामान्य बालक की श्रेणी में लाया जा सकता है – **पिछड़े**
- किसने कहा कि बुद्धि सीखने की योग्यता है – **बकिंघम**
- गैरेट ने बुद्धि के कितने प्रकार माने – **तीन**
- निम्न में से बुद्धि के कौन से सिद्धान्त है – **एक खण्ड का सिद्धान्त, दो खण्ड का सिद्धान्त, तीन खण्ड का सिद्धान्त**
- वस्तुओं के संग्रहण का काल है – **7-11 वर्ष**
- बालक में अमूर्त चिंतन का विकास हो जाता है – **11-15 वर्ष**
- बुद्धि के प्रतिदर्श सिद्धान्त का प्रतिपादक है – **थॉमसन**
- अशाब्दिक सामूहिक परीक्षण है – **आर्मी बीटा परीक्षण**
- एक बालक की बुद्धि लब्धि 85 है तो वह बालक है – **मंद बुद्धि**
- बुद्धि का पदानुक्रमिक सिद्धान्त का निर्माण किसने किया – **बर्ट व बर्नन**
- बुद्धि की त्रि- विमीय संरचना किस मनोवैज्ञानिक ने प्रतिपादित की – **गिल्फर्ड**
- निम्न में से गिल्फर्ड की संरचना में सम्मिलित विमा नहीं है – **मूल्यांकन**

- बुद्धि लब्धि (I.Q.) शब्द का उपयोग सर्वप्रथम किया – टरमन
- बुद्धि का बहुकारक / बहुतत्व किसने प्रतिपादित किया – थॉर्नडाइक
- अल्फ्रेड बिने किस देश के निवासी थे – फ्रांस
- बुद्धि परीक्षणों का जन्मदाता कहा जाता है – बिने
- किस मनोवैज्ञानिक ने बुद्धि को असंख्य तत्वों से निर्मित बताया है – थॉर्नडाइक
- किस मनोवैज्ञानिक ने स्पीयरमैन के सामान्य कारक का खण्डन किया है – थॉर्नडाइक
- बुद्धि के त्रितत्व सिद्धान्त में स्पीयरमैन ने तीसरा तत्व (जो उन्होंने अपने द्वितत्व सिद्धान्त में नहीं बताया था) जोड़ा – समूह तत्व
- बुद्धि का विभाजन किन वैज्ञानिकों ने किया – थॉर्नडाइक व गैरेट
- व्यक्ति अनोखे कार्य करता है, जिससे समाज में उसकी पहचान बनती है, यह बुद्धि का कौन सा कारक है – विशिष्ट
- इंजीनियर अपने कार्यालय में बैठकर किसी मकान का प्रारूप बनाता है, बुद्धि के किस प्रकार के माध्यम से – अमूर्त
- "अमूर्त विचारों के विषय में सोचने की योग्यता ही बुद्धि है", यह कथन है – टरमन
- अमूर्त बुद्धि में किनका प्रयोग अधिक किया जाता है – शब्दों का, अंकों का, प्रतीकों का
- "बुद्धि अमूर्त विचारों के बारे में सोचने की योग्यता है।" यह कथन है – टरमन
- गिलफॉर्ड का बुद्धि संबंधी सिद्धान्त है – त्रिआयामी सिद्धान्त
- "हीरों के लिए हम खुदायी करते हैं व स्वर्ण को शुद्ध करते हैं किन्तु प्रतिभा का हम नाश कर रहे हैं।" यह कथन है – के. एन. दत्त.
- एक 5 वर्षीय बालक की बुद्धि परीक्षा के आधार पर मानसिक आयु 8 वर्ष सिद्ध हुई, तो वह बालक किस वर्ग में आयेगा – अति प्रखर बुद्धि

- बालक राम को बगीचे में ले जाकर हरियाली से परिचित करवाया जाता है, राम को विद्यालय में हरियाली पर निबंध लिखने को कहा जाता है, यहाँ बुद्धि का कौन सा प्रकार कार्य करेगा – **अमूर्त**
- बुद्धि के कौन से प्रकार को मृदुल बुद्धि कहा जाता है – **शाब्दिक**
- सूक्ष्म समस्याओं को चिंतन-मनन द्वारा हल करने का कार्य किस बुद्धि का है – **अमूर्त बुद्धि**
- मूर्त बुद्धि को इस नाप से भी जानते हैं – **गत्यात्मक, यांत्रिक बुद्धि**
- व्यक्ति के निर्णय लेने, तर्क करने तथा उपयोगी-अनुपयोगी का चयन करने की योग्यता है – **बुद्धि**
- निम्न में से बुद्धि की विशेषता नहीं है – **लिंग के आधार पर बुद्धि में भेद होता है।**
- 12 वर्षीय विद्यार्थी सोहन की बुद्धि-लब्धि 75 है। उसकी मानसिक आयु वर्षों में क्या होगी – **9**
- टरमन के अनुसार अत्युत्कृष्ट रखते हैं – **120-125 बुद्धिलब्धि**
- बुद्धि कर द्विकारक सिद्धांत किसके द्वारा दिया गया – **स्पीयरमैन**
- निम्नलिखित में से कौन-सा गिलफर्ड के त्रिविमीय बुद्धि सिद्धांत के 'विषय-वस्तु आयाम' का घटक नहीं है – **प्रणाली**
- मानसिक आयु की अवधारणा को विकसित किया था – **बिने**
- निम्न में से कौन-सा संवेगात्मक बुद्धि का तत्व नहीं है – **उद्यमी सामर्थ्यता**
- बुद्धि-लब्धि सम्प्रत्यय विकसित किया – **टर्मन ने**
- सामान्य तथा विशिष्ट कारक सिद्धान्त का प्रतिपादन किया था – **स्पीयरमैन ने**
- जिन बालकों की बुद्धि-लब्धि है, साधारणतः उन्हें मानसिक न्यूनता ग्रसित की श्रेणी में रखते है – **70 से कम**
- व्यावहारिक बुद्धि को कहा जाता है – **मूर्त बुद्धि**
- बुद्धि के त्रिआयामी सिद्धांत के अनुसार बुद्धि के कारक की संख्या है – **120**

- निम्न में से गिलफोर्ड ने कौन सा बुद्धि का सिद्धांत का प्रतिपादित किया – **बुद्धि-संरचना सिद्धान्त**
- निम्न में से बुद्धि का बहुखंड सिद्धांत प्रतिपादित किया – **थार्नडाइक**
- थार्नडाइक का बुद्धि सम्बन्धी सिद्धांत है – **बहुतत्व सिद्धान्त**
- बुद्धि के समूह-कारक (तत्व) सिद्धांत के प्रणेता (प्रवर्तक) हैं – **थर्स्टन**
- 'पुरुष स्त्रियों की अपेक्षा ज्यादा बुद्धिमान होते हैं।' यह कथन – **लैंगिक पूर्वाग्रह**
- एक बालक की आयु 12 वर्ष है। बिने का बुद्धिपरीक्षण करने पर वह 15 वर्ष के सामान्य बालक के समान अंक प्राप्त कर सका, उसका सही बुद्धि लब्धि किस विकल्प में दी गई है – **125**
- एक बालक जिसकी बुद्धिलब्धि 105 है उसे वर्गीकृत किया जाएगा – **सामान्य बुद्धि**
- अशाब्दिक बुद्धि परीक्षणों का प्रयोग किया जा सकता है – **अशिक्षित के लिए**
- आप देखते हैं कि एक छात्र बुद्धिमान है, आप – **वह जैसे अधिक प्रगति कर सके उस अनुप्रेरित करेंगे।**
- सामान्य बालक का बुद्धि-लब्धि स्तर क्या होता है – **91-110**
- बुद्धिलब्धि मापन के जन्मदाता हैं – **टरमन**
- जड़ बुद्धि वाले बालक की बुद्धि लब्धि कितनी होती है – **70 से कम**
- निम्नलिखित में से कौन सा कथन सत्य है – **बुद्धि का लिंग के साथ सम्बन्ध नहीं है**
- एक 11 वर्षीय बालक, जिसकी मानसिक आयु 10 वर्ष है, किस श्रेणी में आएगा – **औसत बुद्धि**
- एक 16 वर्षीय किशोर की मानसिक आयु 15 वर्ष है, वह किस श्रेणी में आएगा – **औसत**

- अधिकांश व्यक्तियों की बुद्धि औसत होती है, बहुत कम लोग प्रतिभा सम्पन्न होते हैं और बहुत कम व्यक्ति मंद बुद्धि के होते हैं, यह कथन के प्रतिस्थापित सिद्धान्तों पर आधारित है – **बुद्धि के वितरण**
- ई.क्यू. एवं आई. क्यू. उदाहरण हैं – **मानक प्रदत्त**
- एक 12 वर्षीय बालक की मानसिक आयु 10 वर्ष है, वह किस श्रेणी में आएगा – **मंद बुद्धि**
- 0 से 25 बुद्धि लब्धि को कहते हैं – **जड़ बालक**
- गिलफोर्ड के बुद्धि सम्बन्धी मॉडल में निम्न में से कौन सा आयाम नहीं है – **विशिष्ट तत्व**
- बुद्धि के बहुकारक सिद्धान्त के प्रतिपादक हैं – **थार्नडाइक**
- पिछड़े बालकों की बुद्धि लब्धि होती है – **80 से 90 के बीच**
- जड़ बालकों की बुद्धि लब्धि होती है – **25 से कम**
- गिलफोर्ड के बुद्धि सम्बन्धी सिद्धान्त है – **त्रिआयामी सिद्धान्त**
- अवधारणाओं का विकास मुख्य रूप से सम्बन्धित है – **बौद्धिक विकास से**
- मानसिक रूप से विकलांग से निम्नलिखित में से कौन सम्बन्धित नहीं है – **असामाजिक कार्य**
- बुद्धि के द्वि-कारक सिद्धान्त का प्रतिपादन किसने किया – **स्पियरमैन**
- बुद्धिमता का सम्बन्ध किससे है – **केन्द्रीय चिन्तन से, बहुआयामी चिन्तन से, सृजनात्मकता से**
- विशिष्ट बालक का सम्बन्ध होता है – **बुद्धि से**
- निम्न में से किसका निश्चय केवल आनुवंशिकता के आधार पर होता है – **बुद्धि**
- भावात्मक बुद्धि का पारिभाषिक शब्द देने वाले विद्वान हैं – **डेनियल गोलमेन**
- भावात्मक बुद्धि का प्रमुख प्रसंग है – **अपने स्वयं की भावनाओं को जानना, अपने भावों को व्यवस्थित करना, दूसरे की भावनाओं को पहचानना।**

- एक शिक्षार्थी की बुद्धि लब्धि का ज्ञान एक शिक्षक के लिए उपयोगी है, क्योंकि – **शिक्षण कार्य को सफल एवं प्रभावी बनाने में**
- बुद्धि-लब्धांक के आधार पर विभिन्न समूहों में विद्यार्थियों का वर्गीकरण उनकी स्व-गरिमा को है और उनके शैक्षणिक निष्पादन को है – **बढ़ाता; बढ़ाता**
- शारीरिक-गतिक बुद्धि रखने वाले बच्चे की अंतिम अवस्था निम्नलिखित में से कौनसी हो सकती है – **शल्य चिकित्सक**
- बहुविध बुद्धि सिद्धांत के अनुसार सभी प्रकार के पशुओं, खनिजों और पेड़-पौधों को पहचानने और वर्गीकृत करने की योग्यता कहलाती है – **प्राकृतिक बुद्धि**
- गिलफोर्ड के बुद्धि सम्बन्धी मॉडल में कुल कोष्ठ (खाने) हैं – **120**
- के अतिरिक्त बुद्धि के निम्नलिखित पक्षों को स्टर्नबर्गके त्रितंत्र सिद्धान्त में संबोधित किया गया है – **सामाजिक**
- हावर्ड गार्डनर का बुद्धि का सिद्धान्त पर बल देता है – **प्रत्येक व्यक्ति की विलक्षण योग्यताओं**
- किसी 10 वर्षीय बालक की मानसिक आयु 14 वर्ष है, वह कहलाएगा – **प्रतिभाशाली**
- जो बुद्धि सिद्धान्त बुद्धि में सम्मिलित मानसिक प्रक्रियाओं (जैसे परा-घटक) और बुद्धि द्वारा लिए जा सकने वाले विविध रूपों (जैसे सृजनात्मक बुद्धि) को शामिल करता है, वह है – **स्टर्नबर्ग का बुद्धिमता का त्रितंत्र सिद्धान्त**
- 'बुद्धि वह तत्व है, जो सब मानसिक योग्यताओं में सामान्य रूप से सम्मिलित रहता है। परिभाषा इस शताब्दी की सबसे महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक खोज का प्रतिष्ठापन करती है।' यह कथन किसका है – **रेक्स व नाइट**
- अन्तवैयक्तिक बुद्धि से तात्पर्य है – **विभिन्न व्यक्तियों को समझने का कौशल**

- बुद्धिलब्धि के संबंध में क्या सत्य है – कालानुक्रमिक आयु से व्युत्क्रमी संबंधित
- बुद्धिका तरल मोज़ेक मॉडल किसने दिया था – कैटेल
- चेस तथा कार्ड के निम्न में से किस में वर्गीकृत किया जा सकता है – बौद्धिक खेल
- निम्नलिखित में से कौन सा क्रिया निष्पादन प्रकार के बुद्धि परीक्षण का उदाहरण नहीं है – सरल गणित समस्याएँ हल करना।
- एक बालक जिसकी बुद्धिलब्धि 125 है, किस वर्ग में आएगा – उच्च प्रखर
- एक व्यक्ति जो विभिन्न संवेगों की पहचान तथा महसूस करने और संवेगों पर नियंत्रण की उच्च योग्यता रखता है, उच्च होगा – EQ पर
- एक बालक जिसकी दृश्य संसार का शुद्धता से प्रत्यक्षीत करने की क्षमता अधिक है वह उच्च होगा – स्थानिक बुद्धि पर
- बुद्धि के क्रियात्मक परीक्षण उपयोगी है – बालकों के लिए, गूँगे और बहरों के लिए, निरक्षरों के लिए
- एक दस वर्ष के बालक जो उन पदों पर सफल रहा है जिन पर अधिकांश 6 वर्षीय बालक सफल होते हैं,की मानसिक आयु मानी जायेगी – 6
- निम्नलिखित में से कौन सा बुद्धि का सिद्धान्त संज्ञानात्मक प्रक्रिया पर आधारित है –गिल्फर्ड त्रिआयामी सिद्धान्त
- बुद्धि के सूचना प्रक्रम (प्रोसेसिंग) उपागम का वर्णन किसने किया – स्टर्नबर्ग
- स्पीयरमेन के अनुसार, सभ संज्ञानात्मक कार्यों में शामिल मानसिक ऊर्जा या क्षमता को क्या नाम दिया – जी-कारक
- गार्डनर के अनुसार, अन्य व्यक्तियों की मनोदशा, स्वभावों, अभिप्रेरणाओं और इच्छाओं को समझकर उसमें विभेदन करने की योग्यता कहलाती है – अंतर्वैयक्तिक बुद्धि
- बुद्धि का कौन सा प्रकार गार्डनर द्वारा नहीं सुझाया गया – सांस्कृतिक

- अमूर्त बुद्धि किसी व्यक्ति की मदद करती है – समस्याएँ सुलझाने में
- एक सफल इन्टिरीयर डिजाइनर में किस तरह की बुद्धि की प्रबलशीलता होती है – अमूर्त बुद्धि की
- बुद्धि का त्रिआयामी मॉडल का प्रतिपादन किसने किया है – गिलफोर्ड ने
- गार्डनर ने बुद्धि के कितने प्रकार बताये हैं – 9
- पास एलांग टेस्ट का विकास किसने किया है – डब्ल्यू पी. एलैकजेण्डर ने
- 'बुद्धि की गुणवत्ता स्नायु तंतुओं की मात्रा पर निर्भर रहती है।' बुद्धि के मात्रा सिद्धान्त से संबंधित यह कथन किसका है – थॉर्नडाइक
- बच्चों हेतु वेश्लर बुद्धि मापनी के किस परीक्षण में संख्याओं को बढ़ते क्रम में प्रस्तुत कर बालक को भी उसी क्रम में या उल्टे क्रम में संख्याओं को दोहराने हेतु कहा जाता है – अंक विस्तार
- गिलफोर्ड के अनुसारनिम्न में से बुद्धि का आयाम नहीं है – संज्ञान
- बुद्धि का वैज्ञानिक मापन सर्वप्रथम किसने प्रारंभ किया – बिनै
- गार्डनर के बहु-बुद्धि के सिद्धान्त के अनुसार, वह कारक जो व्यक्ति के 'आत्म-बोध' हेतु सर्वाधिक योगदान देगा, वह हो सकता है – अंतःवैयक्तिक
- निम्नलिखित में से कौन सा सामूहिक अशाब्दिक बुद्धि परीक्षण है – आर्मी बीटा टैस्ट
- हम सभी अपनी बुद्ध, प्रेरणा, अभिरुचि, आदि के संदर्भ भिन्न होते हैं। यह सिद्धान्त संबंधित है – वैयक्तिक भिन्नता से
- इनमें से कौन सा त्रितंत्रीय सिद्धान्त में व्यावहारिक बुद्धि का अभिप्राय नहीं है – केवल अपने विषय में व्यावहारिक रूप से विचार करना।
- निरर्थक शब्द निर्माण सर्वप्रथम किसने किया – एबिंगहास
- बुद्धिका/के स्रोत है – आनुवांशिक, अधिगम का परिणाम, स्व तथा वातावरण की अंतर्क्रिया

- स्पीयरमैन के अनुसार, बुद्धि का बढ़ना किस आयु में आकर रुक जाता है – 16 वर्ष
- बुद्धि के अंतर्गत सामान्य योग्यता का कारक कौन से मनोवैज्ञानिक ने बताया – स्पीयरमैन ने
- सामान्य व्यक्ति की बुद्धि लब्धि होती है – 100
- गोलमेन संबंधित है – सांवेगिक बुद्धि से
- 'बहु-बुद्धि सिद्धान्त' को वैध नहीं माना जा सकता, क्योंकि – विभिन्न परीक्षणों के अभाव में भिन्न बुद्धियों (different intelligences) का मापन सम्भव नहीं है।
- एक बालक की मानसिक आयु 14 व वास्तविक आयु 11 वर्ष है, तो उसकी बुद्धिलब्धि क्या होगी – 127
- कक्षा 6 के बच्चे का औसत आई क्यू होगा – 100
- बुद्धि का त्रिआयामी सिद्धान्त है – गिलफोर्ड का
- बुद्धि-स्तर के मापक को सही रूप में निर्माण किया है – टरमन
- बुद्धि के विषय में आधुनिक अवधारणा है – नवीन परिस्थितियों के प्रतिसमायोजन का गुण।
- बैटरी निष्पादन परीक्षण रचे गए है – भाटिया
- बहुवादी बुद्धि ज्ञान को अनेक पद्धतियों से प्रदान कर एक से अधिक कौशलों को प्रकट करती है। यह विचार है – गार्डनर
- आप प्रारंभिक कक्षा के विद्यार्थियों के बुद्धि परीक्षण के लिए क्या उपयुक्त समझते हैं – क्रियात्मक बुद्धि परीक्षण
- एक अध्यापक के लिए बुद्धि परीक्षण की क्या उपयोगिता है – अध्यापन एवं विषय परीक्षण में इसे आधार बनाया जा सकता है।

- बुद्धि के सम्बन्ध में निम्न में से कौन सा कथन सही नहीं है – बुद्धि की लम्बवत् बुद्धि जीवन पर्यन्त होती है।
- कल्पना का शिक्षा में क्या स्थान है – सृजनात्मकता में सहायक
- विभिन्न श्रेणीके मंदित बालकों को दर्शायी गई सही औसत बुद्धि का चयन कीजिए – पिछड़ा बालक – 80 से 99
- 'संवेगात्मक बुद्धि : बुद्धिलब्धि से अधिक महत्वपूर्ण क्यों', पुस्तक के लेखक हैं – डेनियल गोलमेन
- एक बालक जिसकी मानसिक आयु 12 वर्ष तथा कालानुक्रमिक आयु 10 वर्ष है, उसकी बुद्धिलब्धि होगी– 120
- निम्न में से किन मनोवैज्ञानिकों ने संवेगात्मक बुद्धि पर काम किया – हावर्ड गार्डनर, डेनियल गोलमेन, जॉन डी मेयर व पीटर सालवे
- 'बुद्धि इन चार शब्दों में निहित है – ज्ञान, आविष्कार, निर्देश, आलोचना।' यह कथन किस मनोवैज्ञानिक का है – अलफ्रेड बिने
- संवेगात्मक बुद्धि को लोकप्रिय बनाने का श्रेय किसको जाता है – डेनियल गोलमैन
- किसी समुदाय में आसानी से संबंध बनाने व समायोजित होने की क्षमता कहलाती है – सांवेगिक बुद्धि
- परिवार बच्चे को निम्न प्रकार से शिक्षा देता है – अनौपचारिक रूप से
- गिलफोर्ड द्वारा प्रतिपादित बौद्धिकता रचना मॉडल में कितने तत्वों को सम्मिलित किया गया है – 120
- भूख एक चालक है और भोजन एक – उद्दीपक
- अभिप्रेरणा प्रदान करने में कौन महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है – शिक्षक
- संप्रेषण से आशय है – विचारों का आदन-प्रदान

- शिक्षक बालक के व्यवहार में किस तरह परिवर्तन कर सकता है – पुरस्कार, प्रशंसा, भर्त्सना द्वारा
- शिक्षा में अभिप्रेरणा का महत्त्व दर्शाने वाला बिन्दु नहीं है – खेलकूद
- अभिप्रेरणा का निम्न में से कौनसा सिद्धान्त नहीं है – उद्दीपन अनुक्रिया का सिद्धान्त
- किसे 'ज्ञान की प्रथम सीढ़ी' माना जाता है – संवेदना
- लेविन के अनुसार व्यवहार, व्यक्ति तथा वातावरण कार्य हैं। इन्होंने किस सिद्धान्त में इस बात को महत्त्व दिया है। – क्षेत्रीय सिद्धान्त
- मैं पुस्तक पढ़ना पसंद करता हूँ क्योंकि – निम्न में से आंतरिक अभिप्रेरणा का कथन है – पुस्तक पढ़ने से मुझे आनंद मिलता है।
- प्रेरकों के वर्गीकरण में निम्नलिखित में से कौनसा सही नहीं है – व्यावहारिक
- अभिप्रेरणा से सम्बन्धित व्यवहार का लक्षण है – उत्सुकता
- स्वधारणा अभिप्रेरक है – चेतावनीपूर्ण आन्तरिक धारणा
- स्वाभाविक प्रेरक है – अनुकरण
- अभिप्रेरणा को प्रभावित करने वाले कारक है – आवश्यकताएँ, आकांक्षास्तर एवं रुचि, संवेगात्मक स्थिति
- वह कारक जो व्यक्ति को कार्य करने के लिए उत्साह बढ़ाता या घटाता है, उसे कहते हैं – अभिप्रेरणा
- ऐसे प्रेरक जो व्यक्ति जन्म के साथ ही लेकर आता है, वह है – जन्मजात प्रेरक
- अर्जित प्रेरक के अन्तर्गत आते हैं – जीवन लक्ष्य व मनोवृत्तियाँ, मद-व्यसन, आदत की विवशता
- कौन सा प्रेरक अर्जित प्रेरक नहीं है – क्रोध
- विद्यालय में पुरस्कार के लाभ है – आनन्द प्राप्ति, मनोबल की वृद्धि, उत्साहवर्द्धक

- 'अभिप्रेरणा अधिगम का सर्वोत्कृष्ट राजमार्ग है' अभिप्रेरणा के बारे में यह कथन है – **स्किनर का**
- निम्न में से जो अभिप्रेरणा का लक्षण नहीं है, वह है – **चिंता**
- प्यास एक तरह की – **चक्रीय आवश्यकता है।**
- निम्न में से कौन से प्रक्रम का उपयोग एक अच्छा अध्यापक नहीं करेगा – **प्रलोभन**
- मैक्लिन्ड का योगदान निम्नांकित में से किस क्षेत्र में सबसे प्रमुख है – **उपलब्धि अभिप्रेरक**
- 'मूल प्रवृत्ति अभिप्रेरणा सिद्धान्त' के प्रवर्तक कौन कहलाते हैं – **उपलब्धि अभिप्रेरक**
- "मोटोवेशन" शब्द की उत्पत्ति किस भाषा के शब्द से हुई है – **लेटिन**
- ऐसा कौन सा अभिप्रेरणाकासिद्धान्त है जो कि संकल्प शक्ति पर बल देता है – **ऐच्छिक सिद्धान्त**
- निम्न में से अभिप्रेरणा का कौनसा स्रोत है – **आवश्यकता, चालक, उद्दीपन**
- किस विद्वान के अनुसार प्रेरकों का वर्गीकरण "जन्मजात व अर्जित" है – **मैस्लो**
- मैस्लो के अतिरिक्त किन विद्वानों ने प्रेरकों का वर्गीकरण किया – **मैरेट व थामसन ने**
- दण्ड एवं प्रतिस्पर्धा के माध्यम से उत्पन्न अभिप्रेरणा का प्रकार है – **बाह्य**
- क्रोध एवं भय प्रेरक है – **मनोवैज्ञानिक**
- "अधिगम आधारित प्रक्रिया में अभिप्रेरणा, क्रिया तथा पुनर्बलन निहित है", कथन है – **सोरेन्सन**
- प्रेरक व्यवहार को – **दिशा प्रदान करते हैं।**
- दशाएँ जो कार्य करने को प्रेरित करती हैं, उसे कहते हैं – **अभिप्रेरणा**
- किस अभिप्रेरणा को 'बाह्य प्रेरणा' भी कहते हैं – **नकारात्मक प्रेरणा**

- प्राथमिक कक्षा के विद्यार्थियों को अभिप्रेरणा प्रदान करने हेतु उत्तम उपाय है –
पुरस्कार
- कौन सा अभिप्रेरणा का प्रभाव अधिगम को प्रभावी बनाता है – **अभिप्रेरक हमारे व्यवहार को निर्देशित करते हैं। विद्यार्थियों के सीखने में गुणात्मकता बढ़ाती है। छात्रों के सीखने की गति तीव्र होती है।**
- कौन सा अभिप्रेरणा का घटक नहीं है – **रटन्तस्मृति**
- निम्न में से कौन सा उदाहरण अर्जित प्रेरक का है – **रुचि**
- अभिप्रेरणा वर्णित होती है – **भावात्मक जागृति द्वारा**
- सशक्त अभिप्रेरणा सीखने का प्रभावशाली घटक है – **शीघ्र सीखता है।**
- कौन सा जैविक आवश्यकता कम जरूरी है – **यौन**
- अधिगम तक पहुँचाने के राजमार्ग को कहते हैं – **अभिप्रेरणा**
- 'स्नेह प्राप्त करने की इच्छा' अभिप्रेरणा संदर्भ में क्या है – **स्वाभाविक अभिप्रेरक**
- क्रिया को आरंभ करने, जारी रखने तथा नियंत्रित रखने की प्रक्रिया है –
अभिप्रेरणा
- निम्नलिखित में से अधिगम को अभिप्रेरित करने का कौन सा तरीका कम-से-कम काम में लाना चाहिए – **पुरस्कार**
- मैंने एक बच्चे को एक अवधारणा समझाने का प्रयास किया, पर वह इसे नहीं समझ पाया, परन्तु कुछ वर्षों बाद जब उसी बच्चे को इस अवधारणा को समझाने का प्रयास किया तो बच्चा तुरन्त समझ गया। ऐसा होने का कारण है –
परिपक्वता
- निम्न में से उपलब्धि अभिप्रेरणा पर किन लोगों ने काम किया – **मैक्लिन्ड एवं एटकिन्सन**

- शिक्षा की प्रक्रिया में प्रेरणा का महत्व है। इस बात को ध्यान में रखें तो अध्यापक को निम्न में से कौन सा कार्य नहीं करना चाहिए – **इनामों का प्रलोभन देकर बालाकें में प्रतिद्वंद्विता पैदा करना।**
- निम्न में से कौन सा तत्व अभिप्रेरणा के स्रोत से संबंधित नहीं है – **मूल प्रवृत्ति**
- अभिप्रेरणा के संदर्भ में 'प्यास' है – **अन्तर्नोद**
- किसको अभिप्रेरित शिक्षण का संकेतक माना जाता है – **विद्यार्थियों द्वारा प्रश्न पूछने**
- अभिप्रेरणा की व्याख्या जन्मजात मूल प्रवृत्तियों के आधार पर की जा सकती है, किसने कहा है – **मैकडूगल ने**
- निम्नलिखित में से कौन सा जन्मजात प्रेरक नहीं है – **आदत**
- बाह्य अभिप्रेरणा में समावेशित किया जाएगा – **प्रशंसा व दोषारोपण, प्रतिद्वन्द्विता, पुरस्कार एवं दण्ड, परिणाम का ज्ञान**
- निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है – **आवश्यकतावंचना की शारीरिक अवस्था नहीं है।**
- निम्नलिखित में से कौन सा प्रेरणा का स्रोत नहीं है – **तुष्टि**
- निम्नलिखित में से कौन सी विशेषता आंतरिक रूप से अभिप्रेरित बच्चों के लिए सही नहीं है – **वे हमेशा सफल होते हैं।**
- पुरस्कार एवं दण्ड है – **कृत्रिम प्रेरक**
- निम्नलिखित में से कौन सा एक अभिप्रेरित शिक्षण का संकेत होता है – **बच्चों द्वारा प्रश्न पूछना।**
- मूल प्रवृत्तियाँ कैसी होती है – **जन्मजात**
- निम्नलिखितमें से जन्मजात अभिप्रेरक कौन सा है – **निद्रा**
- निम्न में से कौन से प्रेरकों का वर्गीकरणगैरेट द्वारा किया गया – **दैहिक, मनोवैज्ञानिक एवं सामाजिक**

- अभिप्रेरणा पर किस कारकका प्रभाव नहीं पड़ता है – भौतिक संरचना
- गिलफोर्ड के अनुसार संवेगों का प्रकार नहीं है – नवीन
- निम्नलिखित में से जन्मजात अभिप्रेरक नहीं है – रुचि
- एक अध्यापिका यह सुनिश्चित करना चाहती है कि उसके विद्यार्थी आंतरिक रूप से प्रेरित है। इस संदर्भ में वह करेगी – अंतिम परिणाम पर ध्यान देने के बजाय व्यक्तिगत रूप से बच्चों की अधिगम की प्रक्रियाओं पर ध्यान देना।
- किसी व्यक्ति को सामाजिक दृष्टि से स्वीकृत कार्यकरने हेतु कौन सी प्रेरक प्रेरणा देता है – स्वीकृति प्रेरक
- प्रेरक प्राणी में विद्यमान शारीरिक एवं मनोवैज्ञानिक दशाएँ हैं जो उसे निश्चित विधियों के अनुसार कार्य करने के लिए उत्तेजित करती है। प्रेरक की इस परिभाषा को देने वाले हैं – गेट्स एवं अन्य
- निम्नलिखित में से कौन सी प्रेरणा की विधि नहीं है – व्यवहार में परिवर्तन करना।
- निम्न में से कौन सी जन्मजात या आंतरिक अभिप्रेरणा नहीं है – उपलब्धि की आवश्यकता
- अभिप्रेरणा से सम्बन्धित सही क्रम इंगित कीजिए – आवश्यकता-प्रणोद-प्रोत्साहन
- किशोरावस्था में हड्डियों में अधिक वृद्धि होती है – भुजाओं और टाँगों की
- प्रेरकों का वर्गीकरण अनेक विद्वानों ने किया मैस्लो द्वारा किया गया वर्गीकरण सही ढंग से निम्न में से किस विकल्प में दिया गया है – जन्मजात एवं अर्जित
- अभिप्रेरणा के संदर्भ में 'भूख' है – अन्तर्नोद
- सीखने की प्रक्रिया में अभिप्रेरणा – बच्चों में सीखने के प्रति रुचि का विकास करती है।

- निम्न में से कौन सा उदाहरण अभिप्रेरणा का परिणाम नहीं है – जगन ने श्वास लेने की प्रक्रिया में रुचि दिखानी प्रारम्भ कर दी।
- प्रेरणा का स्रोत निम्नलिखित में से कौन सा नहीं है – आदत
- एक अध्यापक को निम्न में से किस कथन से सहमत होना चाहिए – बाह्य अभिप्रेरणा तब होती है, जब अधिगमकर्ता बाह्य पुरस्कार प्राप्त करने के लिए कार्य करते हैं।
- निम्न में से कौन सा उदाहरण बान्डुरा के अवलोकन आधारित अधिगम का नहीं है – स्कूल की घंटीबजने पर अपने बस्ते बंद कर लेना।
- 'अभिप्रेरणा सामान्य क्रिया-कलापों का प्रभाव है, जो प्राणी के व्यवहार को इंगित और निर्देशित करता है।' यह परिभाषादी – जॉनसन
- एक विद्यार्थी मेडिकल कॉलेज में दाखिला लेने के लिए कठिन परिश्रम करता है ताकि वह प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण हो सके। यह विद्यार्थी से अभिप्रेत है – आंतरिक
- आंतरिक रूप से अभिप्रेरित विद्यार्थी – के लिए बाह्य पुरस्कार उसकी अभिप्रेरणा को बनाए रखने के लिए पर्याप्त नहीं है।
- उपलब्धि अभिप्रेरणा है – चुनौतीपूर्ण कार्य करने में डटे रहने की प्रवृत्ति
- निम्नलिखित में से कौन सा मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति का लक्षण है – सहनशीलता, आत्मविश्वास, संवेगात्मक परिपक्वता
- जब पूर्व का अधिगम नई स्थितियों के सीखने को बिल्कुल प्रभावित नहीं करता, तो यह कहलाता है – अधिगम का शून्य स्थानांतरण
- कार्यात्मक प्रतिबद्धता सिद्धांत प्रतिक्रिया में मुख्य कारक निम्न में से कौन सा है – पुनर्बलन
- प्रेरणा सीखने के लिए सर्वश्रेष्ठ है, किसने कहा – स्कीनर
- अभिप्रेरणा अधिगम का सर्वोत्कृष्ट राजमार्ग है – स्कीनर

- अभिप्रेरणा को अधिगम का आधार कहा है – सोरेन्सन
- "एक महिला ने भोजन प्राप्त करने के लिए अपने बच्चे को बेच दिया" इस खबर को के आधार पर अच्छी तरह समझा जा सकता है – पदानुक्रमिक आवश्यकताओं का सिद्धान्त
- छात्रों की निष्पत्ति निर्भर करती है – स्व-प्रत्यय, बुद्धि, अभिरुचि, अभिप्रेरणा
- निम्नलिखित में से कौन सा प्राकृतिक अभिप्रेरणा का उदाहरण नहीं है – प्रतिष्ठा
- निम्न में से किसका कोई जैविकीय आधार नहीं है – संबंधन
- निम्न के अभाव में प्रेरणा की प्रक्रिया प्रारम्भ नहीं हो सकती – आवश्यकता
- कक्षा में अभिप्रेरणात्मक सिद्धान्तों का प्रयोग किया जा सकता है – उपलब्धिप्रेरणा वृद्धि हेतु, उच्च स्तरीय स्पर्धा टालने हेतु, तनाव कम करने हेतु।
- कौन सा प्राथमिक अभिप्रेरक है – प्यास, भूख, काम
- आंतरिक अभिप्रेरण का उदाहरण है – कार्य में रुचि
- अभिप्रेरणा का मांग सिद्धांत किसने प्रस्तुत किया – मॉस्लो ने
- 'अभिप्रेरणा से तात्पर्य छात्र की आंतरिक शक्ति को जागृत करना है' यह कथन है – गिलफोर्ड
- अध्यापक की प्रभावशीलता निर्भर करती है, इस बात पर कि वह – छात्रों को मानसिक रूप से कितना सक्रिय करता है।
- अभिप्रेरणा का अधिगम में क्या महत्त्व है – इससे अधिगम अधिगमार्थी सीखने के लिए तत्पर हो जाता है।
- अंतर्नोद और अभिप्रेरणा में क्या संबंध है – अभिप्रेरणा का संबंध लक्ष्य से है। अंतर्नोद उस ओर बढ़ने से गति देता है।
- पुरस्कार और दण्ड का अनुचित प्रयोग अधिगम को बनाता है – प्रभावहीन
- 'भूख' और 'प्यास' है – जन्मजात प्रेरक
- अभिप्रेरणाके स्रोत कौन कौन से हैं – आवश्यकता, चालक, प्रेरक

- मैस्लो के अभिप्रेरणा सिद्धांत को कहा जाता है – आवश्यकता पदानुक्रम का सिद्धांत
- प्रेरणा का वही संबंध उपलब्धि से है, जो अधिगम का से है – बोध
- पुरस्कार एवं दण्ड का एक प्रकार है – बाह्य प्रेरणा
- उपलब्धि आवश्यकता किस प्रकार का अभिप्रेरक है – सामाजिक
- कक्षा में अभिप्रेरणात्मक सिद्धांतों का प्रयोग किया जा सकता है – उपलब्धि प्रेरणा वृद्धि हेतु, उच्च स्तरीय स्पर्धा टालने हेतु, तनाव कम करने हेतु।
- विद्यार्थियों में अभिप्रेरणा विकसित करने के लिए एक शिक्षक को क्या करना चाहिए – नई तकनीक व नई विधियों का प्रयोग करना।
- राजेश गणित की समस्या को हल करने के लिए पूरी तरह से संघर्ष कर रहा है। उसका आंतरिक बल जो, उसे उस समस्या को पूरी तरह से हल करने के लिए विवश करता है, के रूप में जाना जाता है– प्रेरक
- प्राथमिक आवश्यकताओं को आवश्यकता से भी जाना जाता है – दैहिक
- प्रक्षेपण विधि द्वारा किसका अध्ययन किया जाता है – अचेतन मन का
- 'मूल प्रवृत्तियाँ सम्पूर्ण मानव व्यवहार की चालक है।' यह कथन किस मनोवैज्ञानिक का है – मैक्डगल
- एक छात्र बोर्ड परीक्षा के लिए कठिन परिश्रम कर रहा है। उसके पिता ने उसे अच्छे अंक आने पर मोटर साइकल देने का वादा किया है। इसका अर्थ है – बाह्य प्रेरणा
- किशोरावस्था में बालकों को सहयोग देने के लिए आवश्यक है – अभिप्रेरणा
- एक आन्तरिक मानसिक दशा जो किसी व्यवहार को आरम्भ करने तथा बनाए रखने को प्रवृत्त करती है, कहलाती है – अभिप्रेरणा

- संवेगों पर नियंत्रण पाने के लिए बालकों को अभ्यास कराना चाहिए – आत्म नियंत्रण का
- निम्न में से कौन अभिप्रेरणा का पक्ष नहीं है – दबाव
- निम्न में से कौनसा कार्य बाह्य प्रेरक है – कवितापाठ एवं दौड़ में भाग लेना।
- सीखने के लिए आकलन – अभिप्रेरणा को बढ़ावा देता है।
- निम्न में से कौन सी शब्दावली प्रायः अभिप्रेरणा के साथ अंतः बदलाव के साथ इस्तेमाल की जाती है – आवश्यकता
- अभिप्रेरणा का वर्गीकरण होता है – जन्मजात तथा अर्जित
- निम्नलिखित कथनों में से आप किससे सहमत है – अधिगम एक सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश में घटित होता है।
- जीन पियाजे का बाल विकास वर्गीकरण किस सिद्धान्त पर आधारित है – संज्ञानात्मक विकास सिद्धान्त
- एक शिक्षार्थी-केन्द्रित कक्षा-कक्ष में अध्यापिका करेगी – इस प्रकार की पद्धतियों को नियोजित करना जिसमें शिक्षार्थी अपने स्वयं के अधिगम के लिए पहल करने में प्रोत्साहित हों।
- सीखी गई क्रिया का अन्य परिस्थितियों में उपयोग किया जाना कहलाता है – अधिगम स्थानान्तरण
- वाइगोत्स्की तथा पियाजे के परिप्रेक्ष्यों में एक प्रमुख विभिन्नता है – भाषा एवं चिन्तन के बारे में उनके दृष्टिकोण।
- “*an introduction to Social Psychology*” के रचयिता थे – विलियम पुनर्बलन के सिद्धान्त का प्रतिपादन किया – हल
- व्यक्ति द्वारा जब किसी वस्तु को देखकर या स्पर्श कर ज्ञान प्राप्त किया जाता है, तो वह सीखना कहलाता है – प्रत्यक्षात्मक सीखना।

- "सीखने की प्रक्रिया की एक प्रमुख विशेषता पठार है ये उस अवधि को व्यक्त करते हैं जब सीखने की क्रिया में कोई उन्नति नहीं होती है" यह कथन है – रॉस
- अनुबंध के गोचर की शुरुआत के द्वारा की गई थी – पावलाव
- लघु पदों के सिद्धान्त का संबंध है – रेखीय अभिक्रमित
- कार्यात्मक प्रतिबद्धता सिद्धान्त प्रक्रिया में मुख्य कारक कौन सा है – पुनर्बलन
- मोहन 7A में पढ़ता है, उसे 7B में बिठाकर पढ़ाया जाता है – अधिगम का कौन सा अंतरण है – क्षैतिज
- समाजीकरण एक प्रक्रिया है – मूल्यों, विश्वासों तथा अपेक्षाओं को अर्जित करने की।
- पियाजे अनुमोदन करते हैं कि पूर्व-संक्रियात्मक बच्चे याद रखने में असमर्थ होते हैं। निम्नलिखित कारकों में से किसको उन्होंने इस असमर्थता के लिए जिम्मेदार ठहराया है – विचार की अनुत्क्रमणीयता (पलट न सके)
- पियाजे के सिद्धान्त के अनुसार, बच्चे निम्न में से किसके द्वारा सीखते हैं – उपयुक्त पुरस्कार दिए जाने पर अपने व्यवहार में परिवर्तन करना।
- जब पूर्व प्राप्त अनुभव नवीन समस्या को हल करने में सहायक होता है, वह है – धनात्मक स्थानान्तरण
- विद्यार्थियों को REET की तैयारी करवाकर NET की परीक्षा ली जाती है – ऊर्ध्वअन्तरण
- कक्षा-कक्ष अधिगम के लिए कौन-सी विधि का प्रयोग किया जा सकता है – वाद-विवादविधि, प्रयत्न व त्रुटि विधि, अवलोकन विधि
- कोहलर का अधिगम-सिद्धान्त निम्नलिखित नाम से जाना जाता है – अन्तर्दृष्टि का सिद्धान्त
- थार्नडाइक मनोवैज्ञानिक थे – अमेरिका के

- रीना कक्षा 2 की छात्रा है, उसे अध्यापिका ने डण्डे से पीटा। अगले दिन वह अध्यापिका के हाथ में डण्डा देखकर रोना प्रारम्भ कर देती है, अधिगम का अंतरण है – **द्वि-पार्श्विक**
- निम्न में से जो सीखने अथवा अधिगम का नियम नहीं है – **पढ़ने का**
- 'अनुभव के द्वारा व्यवहारगत परिवर्तन' है – **अधिगम**
- तत्परता के नियम का सम्बन्ध है – **अधिगम से**
- पूर्णाकारवाद के नियम है – **समरूपता, समीपता, संरचनात्मक**
- सुरेश को अंग्रेजी भाषा बोलना सिखाया जाता है, वह अंग्रेजी तो अच्छी बोल लेता है, परंतु अब हिन्दी शुद्ध नहीं बोल पाता है, अधिगम का स्थानांतरण है – **नकारात्मक**
- अधिगम को प्रभावित करने वाले घटक है – **उचित वातावरण, प्रेरणा, परिपक्वता**
- पावलाँव था – **शरीर क्रिया वैज्ञानिक**
- अनुबन्ध प्रयोगों में अनुबंधित अनुक्रियाओं का विलोपन किस कारण होता है – **पुनर्बलन की अनुपस्थिति**
- 'अनुभव एवं प्रशिक्षण द्वारा व्यवहार परिवर्तन को अधिगम कहते हैं।' अधिगम की यह परिभाषा दी गई – **गेट्स ने**
- एक बालक का हाथ आग से जल जाता है, भविष्य में वह आग को देखकर ही जलन महसूस कर लेता है, अधिगम का स्थानांतरण है – **द्वि-पार्श्विक**
- प्रयासों के आधार पर अधिगम की मात्रा में समान रूप से वृद्धि होती है – **रेखीय त्वरण वक्र**
- निम्नांकित में से किस परिस्थिति में प्राणी में निष्क्रियता सबसे अधिक पायी जाती है – **अर्जित निःसहायता**
- गेस्टाल्ट का अर्थ है – **समग्र के रूप में**
- धनात्मक अंतरण का तत्व निम्नांकित में कौन-सा है – **सीखने का अधिगम**

- क्रियात्मक अनुबन्धन का सिद्धान्त किसकी देन माना जाता है – **स्किनर की**
- कक्षा-7 का रोहन प्रारम्भिक पाठों को तो तीव्र गति से सीखता है परन्तु धीरे-धीरे उसके सीखने की गति कम हो जाती है, एक समय ऐसा आता है कि कितने भी प्रयास करने पर भी वह अधिक नहीं सीख पाता है, यह प्रक्रिया है – **अधिगम पठार**
- सीखने के मुख्य नियमों के अतिरिक्त एक अन्य नियम भी है, जो मुख्य नियमों को विस्तार देते हैं। यह अन्य नियम है – **निकटता का नियम**
- पावलव ने अधिगम का जो सिद्धान्त प्रतिपादित किया था, वह है – **अनुकूलित अनुक्रिया**
- नियमैतिक अनुबंध के सिद्धान्त का प्रतिपादक है – **स्कीनर**
- निम्न में से पूर्ण कारक वाद के नियमों से जो संबंधित नहीं है, वह है – **विरूपता**
- यदि गणित का अधिगम भौतिकी के अधिगम में सहायक हो, तो यह – **सकारात्मक स्थानान्तरण**
- विद्यार्थियों को अगले कार्य के लिए तैयार करने हेतु प्रथम परिस्थिति में प्रदान किया पुनर्बलन अभिप्रेरण का कार्य करता है, यह अधिगम का सिद्धान्त है – **क्रिया प्रसूत अनुबंध**
- अन्तर्दृष्टि की पुष्टि करने के लिए कोहलर ने जिस चिंपांजी पर प्रयोग किया, उसका नाम था – **सुल्तान**
- उत्तेजना व्यक्ति को सहायता प्रदान करती है – **उद्देश्य प्राप्ति में**
- एक विकलांग बालक अत्यधिक परिश्रम करके कक्षा में प्रथम आने का प्रयास करता है। इसे किस प्रतिरक्षक प्रणाली में रखेंगे – **क्षतिपूर्ति**
- एक छात्र का अधिगम निम्न में से किस पर निर्भर नहीं करता – **आर्थिक स्थिति**
- बालक शरीर के अंगों का संचालन करना सीखता है – किस प्रकार के अधिगम के माध्यम से – **गत्यात्मक**

- एक बालिका को साईकिल चलाना आता है, वह स्कूटी खरीदती है, तो आसानी से स्कूटी चलाना सीख जाती है, यहाँ अधिगम का कौन सा स्थानांतरण है – **सकारात्मक**
- चंचल प्रातः जल्दी उठने के लिए सुबह 4 बजे का अलार्म भरती है, बजने पर उठ जाती है, 3-4 दिन करने पर अलार्म बजने से पहले ही उसकी नींद खुल जाती है, यहाँ अधिगम का कौन सा सिद्धान्त है – **शास्त्रीय अनुबंधन**
- सीखना – सम्पूर्ण जीवन चलता है। नया कार्य करना। और व्यक्तिगत व सामाजिक दोनों।
- व्यवहार के S-R सम्प्रत्ययन को अस्वीकार कर S-O-R सम्प्रत्यय किसने प्रस्तावित किया – **वुडवर्थ**
- पूजा II Grade की तैयारी कर रही है, उसी दौरान उसके REET का परिणाम आ जाता है तथा वह असफल हो जाती है, वह दुःखी होकर तैयारी बंद कर देती है, **क्लार्क हल** के अनुसार उसे आवश्यकता है – **पुनर्बलन की**
- पुनर्बलन के सिद्धान्त का प्रतिपादन किया – **हल ने**
- 3H (हेड-हर्ट-हैण्ड) का सम्प्रदाय चलाया – **पेस्टालॉजी**
- थॉर्नडाइक के सीखने का मुख्य नियम है – **प्रभाव का नियम**
- इमली का नाम लेने से मुँह में पानी आ जाने के कारण को निम्नलिखित में से कौन-से सिद्धान्त से जानेंगे– **उद्दीपक प्रतिक्रिया**
- अधिगम का मुख्य चालक कहलाता है – **अभिप्रेरणा**
- व्यवस्थित व्यवहार के सिद्धान्त के प्रवर्तक है – **हल**
- एक विद्यार्थी दो वस्तुओं के मध्य भेद समझ चुका है, वह किस शैक्षिक उद्देश्य की प्राप्ति तक पहुँच चुका है – **अवबोध**
- अधिगम क्या नहीं है – **केवल पढ़ाई**

- शृंखला अभिक्रमित अनुदेशन सीखने के जिस सिद्धान्त पर आधारित है – क्रिया प्रसूतन सिद्धान्त
- विषय-वस्तु अधिक होने पर शिक्षण प्रभावी होगा – अंशो में शिक्षण के माध्यम से
- पुनरावृत्ति का सिद्धान्त दिया – पावलाव ने
- एक बालक एक बार में आग में जलने के बाद अग्नि से दूर रहता है – शास्त्रीय अनुबंधन का सिद्धान्त
- "सीखना आदतों, ज्ञान व अभिवृत्तियों का अर्जन है।" कथन है – क्रो एण्ड क्रो
- अधिगम की सफलता का मुख्य आधार माना जाता है – लक्ष्य प्राप्ति की उत्कृष्ट इच्छा
- शिक्षक द्वारा बालकों में किस प्रकार पाठ्य विषय के प्रति आकर्षण उत्पन्न किया जाए – ध्यान केन्द्रित करके
- उद्दीपन तथा अनुक्रिया के मध्य संबंध स्थापना का कार्य पुनर्बलन नहीं करता है संबंध स्थापनाका कार्य उद्दीपक व उसके द्वारा की गई अनुक्रिया के माध्य समीपता करती है यह किस मनोवैज्ञानिक का विचार है– गुथरी
- अधिगम के मानवतावादी सिद्धान्त के प्रतिपादक है – कार्लरोजर्स
- अधिगम स्थानान्तरण का सबसे पुराना सिद्धान्त है – मानसिक शक्ति का सिद्धान्त
- लेविन के अनुसार व्यवहार, व्यक्ति तथा वातावरण कार्य हैं। इन्होंने किस सिद्धान्त में इस बात को महत्व दिया है – क्षेत्रीय सिद्धान्त
- संप्रेषण से आशय है – विचारों का आदान-प्रदान
- बालक को सीखने के लिए सर्वाधिक उत्तम मनोविज्ञान अध्ययन विधि – निरीक्षण
- स्वामित्व अधिगम विधि का प्रतिपादन किया – ब्लूम

- बालक के चारित्रिक विकास के स्तर है – **पुरस्कार व दण्ड, सामाजिकता एवं मूल प्रवृत्ति**
- निम्न में से अधिगम को प्रभावित करने वाला कारक नहीं है – **लिंग**
- शिक्षा में शिक्षण मशीनों और कम्प्यूटर निर्देशित विधियों को उपयोगी बनाने में किस सिद्धान्त की देन है – **क्रिया प्रसूत अनुबंधन**
- छोटे बच्चे को खरगोश के खिलौने की चीख की आवाज के माध्यम से भय से संबंध किस मनोवैज्ञानिक ने स्थापित किया – **वॉटसन**
- "व्यवहार के कारण व्यवहार में परिवर्तन ही अधिगम है।" कथन है – **गिलफोर्ड**
- जब शरीर के एक पक्ष के अंगों को दिया गया प्रशिक्षण दूसरे अंगों में चला जाता है तो उसे कहते हैं – **द्विपक्षीय अंतरण**
- एक बालिका अपने माता-पिता को बड़ों के चरण स्पर्श करता देखकर बड़ों के चरण स्पर्श करना सीखती है, अधिगम का कौन सा सिद्धांत है – **अनुकरण**
- "शिक्षा एक त्रिमुखी प्रक्रिया है।" कथन है – **जॉन डीवी**
- मनोविज्ञान विश्वास करता है, कि बालक-बालिकाएँ सर्वाधिक सीखते हैं – **अभिप्रेरणा से**
- बिनेटिका योजना विधि है – **व्यक्तिगत शिक्षण**
- शिक्षक बालक के व्यवहार में किस सतह परिवर्तन कर सकता है – **पुरस्कार द्वारा, प्रशंसा द्वारा, भृत्सना द्वारा**
- अधिगम को अत्यन्त प्रभावशाली बनाने का उत्तम तरीका है – **स्वप्रेरणा**
- संभावना सिद्धांत के प्रतिपादक कौन हैं – **टालमैन**
- तलरूप सिद्धान्त के प्रतिपादक कौन हैं – **लेविन**
- सीखने के लिए विषय सामग्री का स्वरूप होना चाहिए – **सरल से कठिन**
- अधिगम का सूचना प्रक्रियाकरण सिद्धांत किसने दिया – **मिलर**

- प्रशिक्षण के स्थानान्तरण में समान तथ्यों के सिद्धांत के प्रतिपादक कौन हैं – थार्नडाइक
- सीखने का सूक्ष्म सिद्धांत किसने प्रतिपादक किया – कोहलर ने
- मंदबुद्धि बच्चों के लिए कौन सा अधिगम सिद्धान्त उपयोगी रहेगा – उद्दीपक अनुक्रिया
- विज्ञान व गणित के सीखने के लिए उपयोगी सिद्धांत है – गेस्टाल्ट
- कोहलर ने निम्नलिखित में से कौन सा सिद्धांत नहीं दिया – संबंधवाद
- सम्प्रेषण / सूचना प्रक्रिया करण का सही क्रम है – प्रेषक – स्रोत – माध्यम – ग्राही – पृष्ठ पोषण
- मानसिक रोगियों के निदानात्मक शिक्षण में सर्वाधिक उपयोगी सिद्धान्त किसने प्रतिपादित किया – स्किनर
- 'टाई की गांठ बांधना' किसके सिद्धान्त के अनुसार व्यक्ति सीखते हैं – कोहलर
- मस्तिष्क की संरचना तथा कृत्यों में विभेद का परिणाम होता है – डिसलेक्सिया
- परिवेश की वस्तु जिसे प्राणी प्राप्त करने का प्रयास करता है कही जाती है – उद्दीपक
- निम्न में से कौन सीखने के सही उत्तर हैं – तथ्य, सूचना, बोध, ज्ञान प्राप्त करना, बोध, प्रज्ञान
- परिपक्वता इत्यादि से व्यवहार में उत्पन्न परिवर्तन को भी अधिगम कहा जाता है – नहीं
- अल्बर्ट बन्दूरा द्वारा दिए गए अधिगम सिद्धांत को से भी जाना जाता है – अवलोकनात्मक अधिगम सिद्धांत
- 'सीखना विकास की प्रक्रिया है', कथन किसके द्वारा कहा गया – वुडवर्थ
- 'अन्तर्दृष्टि या सूझ द्वारा सीखना' सिद्धांत किसने दिया है – कोहलर

- जब पूर्व का अधिगम, नयी स्थितियों में सीखने पर किसी भी प्रकार से कोई प्रभाव नहीं डालता है, तो यह कहलाता है – **अधिगम का शून्य स्थानान्तरण**
- स्कीनर द्वारा प्रतिपादित अधिगम सिद्धांत है – **क्रियाप्रसूत अनुबन्धन**
- अधिगम अन्तरण का थॉर्नडाइक सिद्धांत कहा जाता है – **अनुरूप तत्वों का सिद्धांत**
- समस्या के अचानक समाधान की वकालत करने वाले सिद्धांत का नाम है – **सूझ का सिद्धांत**
- निम्नलिखित में से कौन S-R अधिगम सिद्धांत से संबद्ध नहीं है – **स्किनर**
- अधिगम का सम्बद्ध प्रतिक्रिया सिद्धान्त निम्न में से किसने प्रतिपादित किया – **आई.पी.पॉवलाव**
- आप अपने जूते एक रैक पर रखते हैं। उस रैक को उस स्थान से हटा दिया है फिर भी आप जूते रखने उसी स्थान पर जाते हैं जहाँ पर पहले रैक रखी थी। ऐसा होने का कारण है – **अनुबंधन**
- वाटसन के अनुसार शैशवावस्था में सीखने की सीमा और तीव्रता विकास की ओर किसी भी अवस्था की तुलना में अधिक होती है, इस कथन को ध्यान में रखकर शैशवावस्था में शिक्षा के आयोजन हेतु निम्न में कौन सी क्रिया निषेध होना चाहिए – **मूल प्रवृत्तियों का दमन**
- अधिगम सर्वोत्तम होगा जब – **अभिप्रेरणा होगी**
- निम्न में से कौन सा कथन अधिगम की प्रक्रिया को उचित ढंग से प्रस्तुत करता है – **व्यवहार में परिवर्तन**
- साइकिल चलाने वाला स्कूटर चलाना शीघ्र ही सीख लेता है, यह है – **धनात्मक स्थानान्तरण**
- हल सिद्धान्त किस प्रक्रिया से सम्बन्धित है – **सीखने की व्याख्या के सबलीकरण से**

- कोहलर ने अधिगम संबंधी प्रयोग किए – चिंपाजी पर
- गेस्टाल्ट का अर्थ है – पूर्णाकार
- सीखने का अन्तर्दृष्टि सिद्धान्त किसकी देन है – गेस्टाल्टवादियों
- गेस्टाल्टवाद के प्रतिपादक हैं – वर्दीमर
- सीखने की प्रक्रिया में विद्यार्थी द्वारा की गई त्रुटियों के सम्बन्ध में आपकी दृष्टि में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सर्वोत्तम है – त्रुटियाँ अधिगम प्रक्रिया का भाग है।
- क्रिस्टना अपनी कक्षा को क्षेत्र भ्रमण पर ले जाती है और वापस आने पर अपने विद्यार्थियों के साथ भ्रमण पर चर्चा करती है, यह की ओर संकेत करता है – सीखने का आंकलन
- कम गति से सीखने वाले बच्चों के लिए अध्यापक को क्या करना चाहिए – टोली-शिक्षण, अतिरिक्त ध्यान व शिक्षण, प्रोत्साहन
- शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को प्रारम्भ करने से पहले एक कुशल अध्यापक को क्या करना चाहिए – अधिगम परिस्थियाँ उत्पन्न करनी चाहिए।
- वैचारिक क्रिया अवस्था होती है – 7 से 12 वर्ष तक
- अधिगम के प्रक्रम में अभिप्रेरणा – नए सीखने वालों में अधिगम के लिए रुचि का सृजन करता है।
- एक शिक्षक होने के नाते आप सीखने के किस नियम को नहीं अपनायेंगे – प्रलोभन का नियम
- सीखने की प्रक्रिया में अभिप्रेरणा – शिक्षार्थियों में सीखने के प्रति रुचि का विकास करती है।
- अधिगम निर्योग्यता (Learning Disability) का लक्षण है – अवधान संबंधी बाधा/विकार

- एक क्रिकेट खिलाड़ी अपनी गेंदबाजी के कौशल को विकसित कर लेता है पर यह उसका बल्लेबाजी के कौशल को प्रभावित नहीं करता, इसे कहते हैं – **शून्य प्रशिक्षण अन्तरण**
- अधिगम में वृद्धि की जा सकती है – **प्रोत्साहन देकर**
- निम्न में से कौन से कथन को सीखने की प्रक्रिया की विशेषता नहीं मानना चाहिए – **शैक्षिक संस्थान ही एकमात्र स्थान है जहाँ अधिगम प्राप्त होता।**
- अनुबंधन के गोचर की शुरुआत के द्वारा की गई थी – **पावलाँव**
- जिस प्रक्रिया में व्यक्ति दूसरों के व्यवहार को देखकर सीखता है, न कि प्रत्यक्ष अनुभव को, कहा जाता है – **सामाजिक अधिगम**
- पाँच वर्ष का राजू अपनी खिड़की के बाहर तूफान को देखता है, बिजली चमकती है और कड़कने की आवाज आती है, राजू शोर सुनकर उछलता है बार-बार यह घटना होती है फिर कुछ देर बाद शांति के पश्चात-बिजली कड़कती है, राजू बिजली की गर्जना सुनकर उछलता है, राजू का उछलना सीखने के किस सिद्धान्त का उदाहरण है – **शास्त्रीय अनुबंधन**
- कौन सा सीखना स्थायी होता है – **समझकर**
- संकेत अधिगम के अन्तर्गत निम्नलिखित सीखा जाता है – **पारम्परिक अनुकूलन**
- कक्षा प्रथम का विद्यार्थी एक शिक्षक से मार खाने के उपरान्त सभी शिक्षकों से डरने लगता है, यह उदाहरण है – **अनुबंधित सिद्धान्त का**
- अधिगम को प्रभावित करने वाला व्यक्तिगत कारक है – **परिपक्वता एवं आयु**
- मनोवैज्ञानिक थार्नडाइक ने व्यक्तित्व को किस आधार पर बाँटा गया है – **चिन्तन व कल्पना शक्ति के आधार पर**
- 'प्रयास व त्रुटि' में सबसे महत्वपूर्ण क्या है – **अभ्यास**
- यदि आपकी कक्षा का बच्चा 'C' को 'D' व 'D' को 'C' लिखे/पढ़े तो वह कौन से रोग से पीड़ित है – **डिसलेक्सिया**

- सीखने से सम्बन्धित तथ्य निम्नलिखित में से नहीं है – **सीखना केवल विद्यालय में होता है।**
- कौन सा सिद्धान्त व्यक्त करता है कि मानव मस्तिष्क एक बर्फ की बड़ी चट्टान के समान है जो कि अधिकांशतः छिपी रहती है एवं उसमें चेतन के तीन स्तर है – **मनोविश्लेषणात्मक सिद्धान्त**
- जिन इच्छाओं की पूर्ति नहीं होती, उनका भण्डार गृह निम्नलिखित में से कौन सा है – **इदम (ID)**
- पियाजे के संज्ञानात्मक विकास सिद्धान्त के अनुसार संवेदी क्रियात्मक अवस्था होती है – **जन्म से 2 वर्ष**
- सामाजिक अधिगम आरंभ होता है – **सम्पर्क से**
- पॉवलाव के शास्त्रीय अनुबंधन में – **पहले ध्वनि, तत्पश्चात् भोजन प्रस्तुत किया गया।**
- बच्चों के संज्ञानात्मक विकास को सबसे अच्छे तरीके से कहाँ परिभाषित किया जा सकता है – **विद्यालय एवं कक्षा में**
- सीखने का वह सिद्धान्त जो पूर्ण रूप से और केवल अवलोकनीय व्यवहार पर आधारित है, सीखने के सिद्धान्त से सम्बद्ध है – **व्यवहारवादी**
- बालक की सोच अमूर्तता (Abstractions) की अपेक्षा मूर्त (Concrete) से होता है, यह अवस्था है – **7 से 12 वर्ष**
- निम्नलिखित में से कौन पियाजे के अनुसार बौद्धिक का निर्धारक तत्व नहीं है – **सामाजिक, संचरण**
- अधिगम के निम्न सिद्धान्तों में से किसमें प्रतिक्रिया होने पर पुनर्बलन देने का सुझाव दिया गया है – **क्रिया-प्रसूत सिद्धान्त**
- क्रिया-प्रसूत अनुबंधन के सिद्धान्त का शिक्षकों के लिए निम्नलिखित में से निहितार्थ है – **उचित व्यवहार का पुनर्बलन किया जाए**

- सक्रिय-अनुक्रिया अनुबंधन सिद्धान्त के अन्तर्गत अधिगम सम्बन्ध है –
अनुक्रिया-उद्दीपक
- अभिक्रमित अधिगम सामग्री में वैयक्तिक विभिन्नताओं का ध्यान रखा जाता है, इसकी पुष्टि इस बात से होती है कि – **विद्यार्थी अपनी गति से सीख सकते हैं।**
- अधिगम का व्यावहारिक सिद्धान्त निम्नलिखित है – **सम्बद्ध प्रतिक्रिया का सिद्धान्त, स्किनर का क्रिया प्रसूत अधिगम का सिद्धान्त, प्रबलन सिद्धान्त सुल्तान नामक चिम्पैंजी पर परीक्षण करने वाले वैज्ञानिक हैं – कोहलर**
- समग्रता के सिद्धान्त (Gastalt Theory) के प्रवर्तक हैं – **वर्दीमर व अन्य**
- पॉवलाव के अनुबंधन प्रयोग में भोजन के पूर्व उपस्थित ध्वनि को क्या कहते हैं –
अनुबंधित उद्दीपक
- पॉवलाव के प्रयोग में भोजन को अनुबंधन की भाषा में क्या कहा है –
अनानुबंधित उद्दीपक
- पठन संबंधी विकास किससे संबंधित है – **डिस्लेक्सिया**
- एक कॉलेज जाने वाली लड़की ने फर्श पर कोर्ट फैंकने की आदत डाल ली है, लड़की की माँने उससे कहा कि कमरे से बाहर जाओ और कोर्ट को खूँटी पर टाँगों लड़की अगली बार घर में प्रवेश करती है, कोर्ट को हाथ पर रखकर अलमारी की तरु जा कर कोर्ट को खूँटी पर टाँग देती है, यह उदाहरण है – **श्रृंखलागत अधिगम**
- निम्न में से कौन सा उदाहरण अधिगम को प्रदर्शित करता है – **हाथ जोड़कर अध्यापक का अभिवादन करना।**
- सकारात्मक दण्ड का निम्नलिखित में से कौन सा उदाहरण है – **मित्रों के द्वारा उपहास**
- पियाजे के अनुसार, विकास की पहली अवस्था (जन्म से 2 वर्ष की आयु) के दौरान बच्चा सबसे बेहतर सीखता है – **इन्द्रियों द्वारा**

- बच्चे दुनिया के बारे में अपनी समझ का सृजन करते हैं, इसका श्रेय को जाता है – **पियाजे**
- 'नवीन ज्ञान तथा नवीन प्रतिक्रियाओं का अर्जन करने की प्रक्रिया अधिगम प्रक्रिया है' यह कथन है – **बुडवर्थ का**
- अनुबंधन स्थापित होने के बाद यदि बार-बार मात्र अनुबंधित उद्दीपक ही उपस्थित किए जाने पर अन्ततोगत्वा अनुबंधित अनुक्रिया का बन्द हो जाना, कहलाता है – **विलोप**
- पियाजे के अनुसार संज्ञानात्मक बाल विकास की कितनी अवस्थाएँ हैं – **5 अवस्थाएँ**
- पियाजे के अनुसार बच्चा अमूर्त स्तर पर चिंतन बौद्धिक क्रियाएँ और समस्या समाधान किस अवस्था में करने लगता है – **औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था (11-16 वर्ष)**
- वह अवस्था जब बच्चा तार्किक रूप से वस्तुओं व घटनाओं के विषयों में चिंतन प्रारंभ करता है – **पूर्व संक्रियात्मक अवस्था**
- बच्चों के बौद्धिक विकास के चार सुस्पष्ट स्तरों को पहचाना गया था – **पियाजे द्वारा**
- निम्नलिखित में से कौन सा कथन सत्य है – **घोड़े को तालाब तक ले जाया जा सकता है, लेकिन उसको पानी पीने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता।**
- समग्रता के सिद्धान्त (Gestalt Theory) के प्रवर्तक हैं – **वर्दीमर एवं अन्य**
- बालक अपने व्यवहार की सामाजिक स्वीकृति जिस अवस्था में चाहता है, वह अवस्था है – **किशोरावस्था**
- निम्नलिखित में से किस कथन को 'सीखने' के लक्षण के रूप में नहीं माना जा सकता – **व्यवहार की अध्ययन सीखना।**

- सिद्धान्त के रूप में रचनावाद – दुनिया के बारे में अपना दृष्टिकोण निर्मित करने में विद्यार्थी की भूमिका पर बल देता है।
- निम्नलिखित में से कौन सा कथन 'सीखने' के बारे में सही है – सीखना उस वातावरण में प्रभावी होता है जो संवेगात्मक रूप से सकारात्मक हो और शिक्षार्थियों को संतुष्ट करने वाला हो।
- पियाजे की औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था बालक की किस आयु अवधि तक मानी जाती है – 11-15 वर्ष
- पियाजे के अनुसार मूर्त संक्रियात्मक अवस्था का समय काल है – 7-11 वर्ष
- 'सीखना व्यवहार में उत्तरोत्तर सामंजस्य की प्रक्रिया है।' यह कथन है – स्किनर
- बाइगोत्सकी बच्चों के सीखने में निम्नलिखित में से किस कारक की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल देते हैं – सामाजिक
- निम्नलिखित में से कौन सा शिक्षक से सम्बन्धित अधिगम को प्रभावित करने वाला कारक है – विषय वस्तु में प्रवीणता
- निम्नलिखित में से कौन सा सीखने का क्षेत्र है – आनुभाविक
- जब बच्चा कार्य करते हुए ऊबने लगता है, तो यह इस बात का संकेत है कि – संभवतः कार्य यांत्रिक रूप से बार-बार हो रहा है।
- राजू खरगोश से डरता था। शुरु में खरगोश को राजू से काफी दूर रखा गया। आने वाले दिनों में हर रोज खरगोश और राजू के बीच की दूरी कम कर दी गई। अन्त में राजू की गोद में खरगोश को रखा गया और राजू खरगोश से खेलने लगा। यह प्रयोग उदाहरण है – शास्त्रीय अनुबंधन सिद्धान्त का
- राजेश बीमारी के कारण एक महीने तक विद्यालय नहीं गया। जब विद्यालय गया तो उसे भाग के लम्बे सवालों को करना नहीं आया। कई बार के निराशाजनक अनुभवों में असफलता हाथ लगी। लम्बे भाग के सवालों को देखते ही वह

चिन्तित हो जाता है। शास्त्रीय अनुबंधन सिद्धान्त के मुताबिक संवेगात्मक स्वाभाविक उत्तेजक है – असफलता/भग्नाशा

- अधिगम का शास्त्रीय अनुबंधन सिद्धान्त से सम्बन्धित है – पॉवलाव
- सीखने का 'क्लासिकल कंडीशनिंग' सिद्धान्त प्रतिपादित किया था – पॉवलाव
- पॉवलाव के अधिगम का कौन सा सिद्धान्त प्रतिपादित किया – अनुकूलित अनुक्रिया
- बुरी आदतों को सुधारा जा सकता है – अनुबंधन द्वारा
- व्यवहार का करना- पक्ष में आता है – सीखने की गतिक क्षेत्र
- 'डिस्लेक्सिया' मुख्य रूप से की समस्या से संबंधित है – पढ़ने
- बार-बार दोहराने से अधिगम को बढ़ावा मिलता है, किस नियम से इसकी पुष्टि होती है – अभ्यास का नियम
- 'तत्परता का नियम' किसने दिया है – थार्नडाइक
- सहयोगी अधिगम में अधिक उम्र के प्रवीण विद्यार्थी, छोटे और कम निपुण प्रतियोगियों की मदद करते हैं, इससे –
- जब पूर्व का अधिगम नई स्थितियों के सीखने का बिल्कुल प्रभावित नहीं करता, तो यह कहलाता है – अधिगम का शून्य स्थानान्तरण
- अधिगम एवं परिपक्वता के संबंध में निम्न में से कौन सा कथन सही है – यदि मानव विकास केवल परिपक्वता से होता तो मनुष्य केवल निम्नतम तक ही सीमित रह जाता।
- मनोविश्लेषणवादी सिद्धान्त के प्रवर्तक है – फ्रायड
- उद्दीपक अनुक्रिया के मध्य साहचर्य स्थापित करने वाले प्रक्रम को कहते हैं – अधिगम
- व्यवहारवादी विचारक हैं – वॉटसन
- व्यवहारवाद के जन्मदाता है – वॉटसन

- सीखने की प्रथम अवस्था में सीखने की गति होती है – **धीमी**
- "अनुभव द्वारा व्यवहार में परिवर्तन होना ही अधिगम है।" अधिगम की यह परिभाषा किसने दी है – **गेट्स व अन्य**
- निम्न में से कौन सा कारक प्रशिक्षण (अधिगम) के हस्तान्तरण में मदद नहीं करता है – **थकान/थकावट**
- अधिगमकर्ता में बढ़ते हुए क्रोध को रोकने के लिए अध्यापक को चाहिए – **कि उसको अधिक काम दे ताकि उसको क्रोध करने का समय नहीं मिले।**
- जिस प्रक्रिया में व्यक्ति मानव कल्याण के लिए परस्पर निर्भर रहकर व्यवहार करना सीखता है, वह प्रक्रिया है – **समाजीकरण**
- "स्थानान्तरण एक परिस्थिति में अर्जित ज्ञान प्रशिक्षण और आदतों का किसी दूसरी परिस्थिति में स्थानान्तरण किये जाने की चर्चा करता है।" प्रशिक्षण (अधिगम) के स्थानान्तरण के बारे में कथन सम्बन्धित है – **सौरेंसन**
- कबीर के दोहे याद कर लेने पर भी एक बालक की रहीम के दोहे याद करने की शक्ति में सुधार नहीं होने का निम्न में से प्रमुख कारण कौन सा है – **शून्य स्थानान्तरण**
- पॉवलाव के अनुबंधन प्रयोग में केवल ध्वनि के उपस्थित करने पर होने वाली अनुक्रिया को कहते हैं – **अनुबंधित अनुक्रिया**
- थार्नडाइक के 'प्रभाव का नियम' का शैक्षणिक महत्व नहीं है – **स्मरण शक्ति में कमी**
- 'सीखने के नियम' के प्रतिपादक हैं – **थार्नडाइक**
- सीखने के प्रयास एवं त्रुटि विधि का सम्बन्ध है – **थार्नडाइक**
- बुडवर्थ के अनुसार सीखना है – **नवीन ज्ञान प्राप्त करना।**
- शिक्षा शास्त्र (पैडागोजी) की अवधारणा निम्न में से किस कथन में प्रतिबिम्बित नहीं रही है – **अमूर्तिकरण एवं सामान्यीकरण का विज्ञान**

- अधिगम से सम्बन्धित मनोविज्ञान की विचारधाराओं एवं उनके प्रतिपादक के जोड़े यहाँ दिए गए हैं। इंगित कीजिए कि कौन सा जोड़ा सही मिलान का है –
व्यवहारवाद- बाटसन एवं गुथरी, फेकल्टी मनोविज्ञान – बुल्फ एवं रीड, पुनर्बलन – हल एवं स्कीनर
- नीचे अधिगम के सिद्धान्तों और उनके प्रतिपादकों के जोड़े दिये गये हैं।
इंगित कीजिए कि किस जोड़े का मिलान सही है – अन्तःदृष्टि सूझ का सिद्धान्त – वर्दीमर एवं कोहलर, उद्दीपन अनुक्रिया सिद्धान्त – थार्नडाइक एवं अन्य, पुनर्बलन सिद्धान्त – हल एवं स्किनर
- पियाजे के मतानुसार बालकों में वस्तु स्थिरता उत्पन्न होती है – पूर्व सक्रिय अवस्था में
- अधिगम को प्रभावित नहीं करने वाला कारक है – खोज
- पियाजे का सिद्धान्त किसके अवलोकन पर आधारित है – अपने बालक
- पियाजे के संज्ञानात्मक विकास के चरणों के अनुसार इंद्रिय गामक (संवेदी प्रेरक) अवस्था किसके साथ सम्बन्धित है – अनुकरण, स्मृति और मानसिक निरूपण
- चिंतन अनिवार्य रूप से है एक – संज्ञानात्मक गतिविधि
- फ्रायड, पियाजे एवं अन्य मनोवैज्ञानिकों ने व्यक्तित्व विकास की विभिन्न अवस्थाओं के संदर्भ में व्याख्या की है, परन्तु पियाजे ने – विभिन्न अवस्थाओं को समझाने के लिए संज्ञानात्मक बदलाव के बारे में कहा।
- अन्तःदृष्टि सिद्धान्त के प्रतिपादक कौन थे – कोहलर
- ”दो बालकों में समान मानसिक योग्यताएँ नहीं होती हैं” उक्त कथन किस मनोवैज्ञानिक का है – हरलॉक
- वाटसन द्वारा लिखित एवं वर्ष 1925 में प्रकाशित लोकप्रिय पुस्तक है – व्यवहारवाद

- "अधिगम, आदतें, ज्ञान एवं अभिवृत्तियों को अर्जित करना है।" उक्तानुसार अधिगम को किसने परिभाषित किया है – **क्रो एंड क्रो ने**
- निम्नलिखित में से कौन-सी अवस्था सम्प्रत्ययों के सम्पूर्ण विकास की अवस्था है? "पियाजे" के अनुसार निम्न है – **अमूर्त संक्रियात्मक अवस्था**
- कार्यात्मक प्रतिवद्धता सिद्धान्त प्रक्रिया में मुख्य कारक निम्न में से कौन सा है – **पुनर्बलन**
- "प्रशिक्षण एवं अनुभव के द्वारा व्यवहार में होने वाले परिवर्तनको सीखना या अधिगम कहते हैं" – **गेट्स**
- एक अच्छे अधिगमकर्ता की प्रमुख विशेषता निम्न में से कौन सी है – **अवधान**
- "A mind that found itself" ("ए माइन्ड दैट फाउन्ड इटसेल्फ") नामक पुस्तक किसके द्वारा लिखी गई है – **सी. डब्ल्यू बीयर्स**
- एक प्रभावी शिक्षक अपने अधिगमकर्ताओं को सामूहिक क्रियाओं में सम्मिलित करते हैं, क्योंकि इससे 'सीखना' सुगम बनाने के अतिरिक्त यह विकास करता है – **समाजीकरण**
- बच्चों के अधिगम को सुगम बनाने के लिए अध्यापकों को एक अच्छे कक्षायी परिवेश का सृजन करने की आवश्यकता होती है। इस प्रकार के अधिगम परिवेश का सृजन करने के लिए नीचे दिये गये कथनों में से कौन सा सही नहीं है – **अध्यापकों के अनुसार कार्य करना।**
- एक बच्चे की कॉपी में लिखने में विपरीत छवियाँ, दर्पण छवि, आदि जैसी गलतियाँ मिलती है। इस प्रकार का बच्चा लक्षण प्रदर्शित कर रहा है – **अधिगम में अशक्तता के**
- विकृत लिखावट से संबंधित लिखने की योग्यता में कमी किसका एक लक्षण है – **डिस्ग्राफिया**
- अधिगम जिसके बिना संभवनहीं है, वह है – **प्रेरणा**

- ज्ञान रचनात्मकता सिद्धान्त आधारित शिक्षण का आधार है – **करके सीखना**
- एकाग्रता-समय के साथ मेल बैठाने के लिए एक दत्त कार्य को पूरा करने के लिए आवंटित समय को घटाना और चरणबद्ध तरीके से इस एकाग्रता-समय को बढ़ाना निम्नलिखित में से किस प्रकार के विकास से निबटने के लिए सर्वाधिक उपयुक्त है – **एकाग्रता-हास अतिक्रियाशील विकास**
- निम्नलिखित कथनों में से कौन सा वाइगोत्स्की के द्वारा विकास तथा अधिगम के बीच संबंध का सर्वश्रेष्ठ रूप में सार प्रस्तुत करता है – **विकास प्रक्रिया अधिगम-प्रक्रिया से पीछे रह जाती है।**
- एक द्विग भ्रमित किशोर का पथ-प्रदर्शन किया जा सकता है – **उसके अच्छे व्यवहार की प्रशंसा करके**
- इनमें से कौनसी अधिगम अशक्तता वाले बच्चे की एक विशेषता है – **धाराप्रवाह रूप से पढ़ने तथा शब्दों पर पलट कर जाने में कठिनाई**
- शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में व्यक्तिगत रूप से ध्यान देना महत्वपूर्ण है, क्योंकि – **बच्चों की विकास दर भिन्न होती है और वे भिन्न तरीकों से सीखते हैं।**
- किशोरावस्था में किशोर-किशोरियाँ अध्ययन के साथ-साथ टी.वी. देखना, रेडियो व ग्रामोफोन सुनना पसंद करते हैं, ये विचार है – **बुड**
- 'सूझ द्वारा सीखने के समग्राकृतिवाद' के प्रवर्तक थे – **वर्दीमर, कोपका एवं कोहलर**
- निम्नलिखित में से कौन सी अधिगम की आधारभूत शर्त है – **संलग्नता**
- निम्न में से कौन अधिगम प्रक्रिया का पक्ष नहीं है – **दबाव**
- निम्न में से कौन सा युग्म सही है – **जॉन डीवी – संरचनावाद**
- निम्नलिखित में से कौन सा वाइगोत्सकी के सामाजिक सांस्कृतिक सिद्धान्त पर आधारित है – **पारस्परिक शिक्षण**

- श्रवण हाससे ग्रसित बच्चे कक्षा में किससे सबसे अधिक नैराश्य (कुण्ठा) का सामना करते हैं – दूसरों के साथ संप्रेक्षण करने तथा सूचनाओं को बाँटने में **अक्षमता**
- निम्नलिखित में से कौन सा विशिष्ट विकलांगता का उदाहरण है – **डिसलेक्सिया**
- डिस्कैल्कुलिया किस विषय से संबंधित विकार है – **अधिगम अक्षमता**
- 'अधिगमता का स्व-नियमन' का क्या अर्थ है – **अपने सीखने का स्वयं अनुवीक्षण करने की योग्यता**
- निम्नलिखित में से कौन सी सामान्यतः सीखने की सामूहिक विधि नहीं है – **प्रेक्षण**
- 'एक महिला ने भोजन प्राप्त करने के लिए अपने बच्चे को बेच दिया।' इस खबर को के आधार पर अच्छी तरह समझा जा सकता है। – **पदानुक्रमिक आवश्यकताओं का सिद्धान्त**
- एक शिक्षिका अपने शिक्षिका की सदैव इस रूप में सहायता करती है कि वे एक विषय-क्षेत्र से प्राप्त ज्ञान को दूसरे विषय-क्षेत्रों के ज्ञान के साथ जोड़ सकें। इससे को बढ़ावा मिलता है – **ज्ञान के सह संबंध एवं अंतरण**
- सम्बन्धवाद (साहचर्यवाद) के सिद्धान्त से कौन-सा बंध सम्बन्धित है – **उद्दीपन व प्रतिक्रिया**
- पियाजे के अनुसार, संज्ञानात्मक विकास के किस चरण पर बच्चा 'वस्तु स्थायित्व' को प्रदर्शित करता है – **पूर्व-संक्रियात्मक चरण**
- राबर्ट एम. गेने के अनुसार निम्न में से कौन-सा अधिगम का प्रकार नहीं है – **अन्तर्दृष्टि अधिगम**
- सीखने की खेल विधि उपयोगी है – **बाल्यावस्था के लिए**
- अभ्यास के कारण व्यवहार में परिवर्तन कहलाता है – **अधिगम**

- निम्नलिखित में से कौन-सा कारक सीखने के अन्तर्दृष्टि सिद्धान्त को प्रभावित करने वाला नहीं है – अनुभव
- एक अधिगमित प्रक्रिया का क्रमिक लुप्त होना कहलाता है – विलोपन
- निम्नलिखित में से किसमें ऐच्छिक व्यवहार उसके परिणामों या पूर्विकता से शक्तिशाली या कमजोर होता है – क्रियाप्रसूत अनुबंधन
- अधिगम आधारित होता है – अभ्यासपर, प्रशिक्षण पर, अनुभव पर
- न्यूटन ने वृक्ष से सेब को नीचे गिरते देखा और अचानक उसने गुरुत्वाकर्षण के सिद्धान्त की खोज की। यह उदाहरण है – अंतर्दृष्टि का
- अधिगम प्रतिफल का तात्पर्य है – बालक के व्यवहार में होने वाला परिवर्तन
- अनुबंधित प्रतिक्रिया सिद्धान्त है – अधिगम का सिद्धान्त
- सीखने के सिद्धान्त के प्रतिपादन के लिए आई. पी. पॉवलव ने प्रयोग किया – कुत्ते पर
- निम्न में से कौन सी प्रविधि बालकों को अनुशासन सिखाने के लिए उचित है – प्रजातांत्रिक प्रविधि
- अव्यक्त अधिगम के सम्प्रत्यय का वर्णन अपने सिद्धान्त में किसने किया – टॉलमेन
- अनुबंधित प्रतिक्रिया सिद्धान्त है – अधिगम का सिद्धान्त
- निम्न में से सीखने के सिद्धान्तों एवं उनके प्रवर्तकों में कौन सा मेल सही है – अंतर्दृष्टि का सिद्धान्त – कोहलर, संबंध प्रतिक्रिया का सिद्धान्त – पॉवलाव, उत्तेजक अनुक्रिया का सिद्धान्त – थार्नडाइक
- संज्ञानवादी विकास सिद्धान्त के प्रवर्तक कौन थे – जीन पियाजे
- कोहलर का अधिगम सिद्धान्त निम्न में से किस नाम से जाना जाता है – अंतर्दृष्टि या सूझ का सिद्धान्त

- एक बच्चा किसी डॉक्टर को देखने पर ही भयभीत हो जाता है क्योंकि उसके पूर्व के अनुभव में डॉक्टर के इंजेक्शन की सूई दिये जाने से संबंध है, यह उदाहरण है – **प्राचीन अनुबंधन का**
- निम्न में से किस मत के अनुसार बच्चे सिर्फ अनुबंधनद्वारा ही नहीं अपितु अन्य व्यक्तियों को देखकर व अनुकरण करके भी सीखते हैं – **सामाजिक अधिगम**
- निम्न में से कौन व्यवहारवादी नहीं है – **सिग्मंड फ्रॉयड**
- निम्न में से अनुबंधन का कौन सा प्रकार उद्दीपकों के साथ साथ गठित होने पर आधारित न रहकर व्यवहार के परिणामों के प्रभाव पर निर्भर करता है – **क्रिया प्रसूत अनुबंधन**
- धीमी गति से सीखने वाले बालकों के अध्यापन के लिए अधिक उपयोगी सिद्धान्त है – **थॉर्नडाइक का सिद्धान्त**
- अंतर्दृष्टि पैदा होने के संबंध में कौन सा कथन सत्य नहीं है – **अंतर्दृष्टि धीरे-धीरे पैदा होती है।**
- बीजों का अंकुरण संकल्पना के शिक्षण की सबसे प्रभावी पद्धति है – **विद्यार्थियों द्वारा पौधे के बीज बोना और उसके अंकुरण के चरणों का अवलोकन करना।**
- एक प्रोफेसर बी. एफ. स्कीनर के नियमों के आधार पर एक परीक्षण का निर्माण कर रहा है। सम्प्रत्यय जो कि इस परीक्षण में केन्द्र पर होगा, वह है – **पुनर्बलन अनुसूचियाँ**
- साइकिल सीखने के बाद स्कूटर सीखने में प्रशिक्षण का स्थानान्तरण होगा – **घनात्मक स्थानान्तरण**
- अनुभवों के कारण व्यवहार में होने वाले अपेक्षाकृत स्थायी परिवर्तनों को कहा जाता है – **अधिगम**
- टंकण कार्य या कम्प्यूटर पर यदि निरंतर अभ्यास नहीं करते हैं तो भूल जाते हैं यह किस सिद्धान्त के अनुसार है – **थॉर्नडाइक के सिद्धान्त के अनुसार**

- गेस्टाल्टवादियों के अनुसार व्यक्ति किसी वस्तु को देखत है – समग्रता के आधार पर
- चिम्पैंजी पर प्रयोग किसने किया – कोहलर
- 'क्रिया की सफलता से संतोष एवं असफलता से असंतोष होता है।' थार्नडाईक का कौनसा नियम यह इंगित करता है – प्रभाव का नियम
- किसी क्रिया को बार-बार दोहराने से उसका संबंध दृढ़ हो जाता है। उक्त कथन थार्नडाईक के किस नियम से संबंधित है – अभ्यास का नियम
- निम्नलिखित में से कौन सा सीखने का नियम नहीं है – अभिप्रेरण का नियम
- अधिगम का उद्देश्यपूर्ण व्यवहारवाद सिद्धान्त दिया – हल ने
- बाद में सीखी गयी सामग्री यदि पूर्व में सीखी गयी सामग्री के धारण में अवरोध पैदा करे तो इस प्रक्रिया को कहेंगे – पश्चोन्मुखी अवरोध
- 'सामाजिक अधिगम सिद्धान्त' किसने दिया – बण्डुरा
- प्रयत्न व त्रुटि अधिगम किसने दिया – थार्नडाईक
- मानव आवश्यकताओं का पदानुक्रम किसने दिया – मॉस्लो
- 'ज्ञान और अभिवृद्धि की प्राप्ति अधिगम है' अधिगम की उपरोक्त परिभाषा दी है – क्री एवं क्री ने
- अंतदृष्टि अधिगम सिद्धान्त किसने दिया – वरदाईमर, कोहलर, कॉफ्का
- 'करके सीखना' का विचार दिया – जॉन डीवी ने
- व्यक्ति जब दूसरे व्यक्ति को कुछ कार्य करते देख वह कार्य करना सीखता है, तो यह कहलाता है – अवलोकन द्वारा सीखना।
- विस्मरण के प्रयोग किसने स्वयं पर किये – एबिंगहास
- मैं अपनी चाबियाँ मेरे टेलीफोन के पास की खूँटी पर टाँगता था। अब मैंने चाबियाँ रखने की जगह बदल दी, फिर भी मैं चाबियाँ रखने की जगह बदल दी, फिर भी मैं चाबियाँ लेने खूँटी के पास जाता हूँ। यह उदाहरण है – अनुबंधन का

- एक प्रक्रिया है, जिसमें बालक संस्कृति के तौर-तरीके सीखता है –
समाजीकरण
- निष्पादन में परिवर्तन अभ्यास का फलन होता है, कहा जाता है – **अधिगम**
- सूझ के सिद्धान्त का प्रतिपादन करने वाले मनोवैज्ञानिक थे – **गेस्टाल्टवादी**
- क्लासिकी अनुबंधन में भोजन के प्रति लार की अनुक्रिया है – **यू. सी. आर.**
- अधिगम के प्रयत्न और भूल सिद्धान्त के प्रवर्तक है – **थार्नडाइक**
- गेस्टाल्टवाद के अनुसार क्या सबसे ज्यादा जरूरी है – **सूझ**
- निम्नलिखित में से कौन सा अधिगम से प्रत्यक्षतः प्रभावित होता है – **विकास**
- **ADHD है – अवधान विकृति**
- डिस्लेक्सिया में बच्चों को परेशानी होती है – **पढ़ने लिखने में**
- निम्नलिखित में से किससे ऐच्छिक व्यवहार उसके परिणामों या पूर्विकता से शक्तिशाली या कमजोर होता है – **क्रियाप्रसूत अनुबंधन**
- निम्नलिखित में से कौन सा कारक अधिगम में बाधक होता है – **अधिगमित निःसहायता**
- निम्नलिखित में से कौन-सा कारक स्मृति से संबंधित नहीं है – **अनुभूति**
- पावलॉव ने सीखने के अनुबंधन-प्रतिक्रिया सिद्धान्त का प्रतिपादन पर प्रयोग करके किया था – **कुत्ते**
- सीखने के वक्र – **सीखने की प्रगति के सूचक है।**
- बच्चों में गणित सीखने संबंधी अक्षमता है – **डिस्कैलकुलिया**
- अधिगम हेतु कोहलर का प्रयोग पर आधारित था – **चिम्पांजी**
- 'अधिगम और प्रशिक्षण का स्थानांतरण उस सीमा तक संभव होता है जहाँ तक नवीन व पुराने विषयों में समानता पायी जाती है' उपरोक्त विचार का मुख्य समर्थक कौन है – **थॉर्नडाइक**

- 'अधिगम-प्रक्रिया से तात्पर्य बालक में उपयुक्त व्यावहारिक क्रियाओं द्वारा व्यवहार परिवर्तन लाना।' यह परिभाषा है – गिलफॉर्ड
- अधिगम के स्थानान्तरण हेतु सर्वाधिक उपयुक्त परिस्थिति आवश्यक है – समान घटक
- 'विद्यालय अधिगम में अभिप्रेरणा के अंतर्गत वांछित व्यवहार उत्पन्न करना, उन्हें बनाए रखना और उन्हें दिशा देना सम्मिलित होता है' – स्किनर
- गैने निम्न में से किससे संबंधित है – अधिगम का श्रेणीक्रम
- अधिगम क्या है? सबसे उपयुक्त परिभाषा बताइए – व्यवहारगत व्यवहार में परिवर्तन अधिगम है।
- अधिगम अंतरण के लिये अध्यापक को करना चाहिए – अधिगम का उपयोग नयी समस्या के समाधान के लिये करवाना।
- अधिगम के किस कारक को अध्यापक विकसित नहीं कर सकता – परिपक्वता
- अध्यापन का अधिगम से क्या संबंध है – दोनों एक दूसरे के सहायक हैं।
- मैडम मोन्टेसरी ने अधिगम परिवेश में सर्वाधिक बल किस पर दिया है – ज्ञानेन्द्रियों के उपयोग पर
- 'सीखने वाले के समक्ष विषय वस्तु उसी समय प्रस्तुत की जाए जब वह मनोवैज्ञानिक रूप से उसे स्वीकार करने हेतु तैयार है।' यह सोच कहलाती है – सहानुभूति बोध अवधारणा
- निम्नलिखित में से के अतिरिक्त सभी के कारण अधिगम अक्षमता उत्पन्न हो सकती है – शिक्षक की शिक्षण-शैली
- आपको लगता है कि आपकी कक्षा में कुछ बच्चे बहुत तेज गति से सीख रहे हैं और कुछ बहुत धीमी गति से। इस परिस्थिति में आप क्या करेंगे – तेज गति से सीखने वाले बच्चों की सहायता धीमीगति से सीखने वाले बच्चों को सिखाने हेतु लेंगे।

- शिक्षण अधिगम प्रक्रिया की दृष्टि से एक अच्छा शिक्षक वह है, जो – सोचता है कि बातचीत को सीखने के संसाधन के रूप में उपयोग किया जा सकता है।
- के अतिरिक्त निम्नलिखित सभी के कारण अधिगम अक्षमता उत्पन्न हो सकती है – सांस्कृतिक कारक
- अधिगम नियोग्यता – एक चर अवस्था है।
- के अतिरिक्त निम्नलिखित समस्या समाधान की प्रक्रिया के चरण हैं – परिणामों की आशा करना।
- जब बच्चा 'फेल' होता है, तो इसका तात्पर्य है कि – व्यवस्था फेल हुई है।
- शिक्षण से अधिगम पर बल देने वाला परिवर्तन हो सकता है – बाल-केन्द्रित शिक्षा पद्धति अपनाकर
- निम्नलिखित में से कौन सा अधिगम को अधिकतम करने के लिए सर्वाधिक उचित है – शिक्षिका को अपनी संज्ञानात्मक शैली के साथ साथ अपने शिक्षार्थियों की संज्ञानात्मक शैली की पहचान करनी चाहिए।
- जब एक बावर्ची खाना पकाते समय खाने को चखता है, तो वह के समान है – सीखने के लिए आकलन
- शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में व्यक्तिगत रूप से ध्यान देना महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि – बच्चों की विकास दर भिन्न होती है और वे भिन्न तरीकों से सीख सकते हैं।
- निम्नांकित में से कौन सी समस्या-समाधान की वैज्ञानिक पद्धति का पहला चरण है – समस्या के प्रति जागरूकता
- अंतरपरक अनुदेशन है – शिक्षार्थियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए समूहीकरण के विविध रूपों का प्रयोग करना।
- अधिगम अक्षमताएँ – सामान्य या उससे अधिक बुद्धि-लब्धांक वाले बच्चों में भी पाई जाती है।

- समस्या-समाधान प्रायः उन विद्यालयों में सफल है, जहाँ – परिवर्तनशील/लचीली पाठ्यचर्या है।
- बच्चे के संज्ञानात्मक विकास हेतु उत्तम स्थान है – विद्यालय एवं कक्षा का वातावरण
- व्यवहार में होने वाले स्थायी परिवर्तन, जो अभ्यास के कारण होते हैं, को कहा जाता है – सीखना (अधिगम)
- निम्नलिखित में से कौन सा कौशल भावात्मक बुद्धि से संबद्ध नहीं होता है – भावनाओं का प्रबंधन
- 'बच्चे फिल्मों में दिखाए गए हिंसात्मक व्यवहार को सीख सकते हैं' यह निष्कर्ष निम्नलिखित में से किस मनोवैज्ञानिक द्वारा किए गए कार्य पर आधारित हो सकता है – एल्बर्ट बंडूरा
- शिक्षार्थी फैशन शो को देखकर मॉडल्स का अनुकरण करने की कोशिश करते हैं, इस प्रकार के अनुकरण को कहा जा सकता है – सामाजिक अधिगम
- यदि शिक्षार्थी पाठ के दौरान लगातार गलतियाँ करते हैं तो शिक्षक को – अनुदेशन, कार्य, समय-सारणी अथवा बैठने की व्यवस्था में परिवर्तन करना चाहिए।
- के अतिरिक्त निम्नलिखित कुछ तकनीकें हैं, जो परीक्षा के कारण होने वाली चिंता को दूर करती हैं– परिणाम के बारे में बहुत अधिक सोचना।
- के द्वारा निपुणता अभिविन्यास को प्रोत्साहित किया जा सकता है – शिक्षार्थियों के व्यक्तिगत प्रयासों पर ध्यान केन्द्रित करने
- निम्नलिखित में से किसका मिलान उचित है – सामाजिक विकास-वातावरण
- अधिगम प्रक्रिया में सही कड़ी का चयन कीजिए – लक्ष्य-समायोजन-प्रेरक-परिवर्तन

- एक प्रभावी शिक्षक अपने अधिगमकर्ताओं को सामूहिक क्रियाओं में सम्मिलित करते हैं, क्योंकि इससे 'सीखना' सुगम बनाने के अतिरिक्त यह विकास करता है – **समाजीकरण**
- 'शिक्षा मनोविज्ञान में 'सीखना' लक्ष्य तक पहुँचने के उपायों को निश्चित करना है।' यह अधिगम की जिस श्रेणी में आता है, वह है – **अधिगम प्रक्रिया**
- जिस प्रक्रिया से व्यक्ति मानव कल्याण के लिए परस्पर निर्भर होकर व्यवहार करना सीखता है, वह प्रक्रिया है – **सामाजिक परिपक्वता**
- उत्तेजक तथा अनुक्रिया के मध्य सीखने की प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले तत्व हैं – **व्यक्ति की वैयक्तिकता तथा इच्छाएँ, व्यक्ति की इच्छाएँ तथा भावनाएँ, व्यक्ति की भावनाएँ तथा क्षमता।**
- हम अधिगम का अनुभव नहीं कर सकते हैं, हम केवल यह देख सकते हैं कि वह निरन्तर सफलतापूर्वक आगे बढ़ता है, इसका तात्पर्य है – **अधिगम समायोजन है।**
- अधिगम जिसके बिना संभव नहीं है, वह है – **प्रेरणा**
- निम्नलिखित में से कौन सा कथन अधिगम की प्रकृति को सही प्रकार से निर्देशित करता है – **अधिगम प्रक्रिया एवं उत्पाद दोनों हैं।**
- कौन सा सिद्धान्त अधिगम स्थानान्तरण में सहायक नहीं होता है – **तथ्यों की विशुद्धता**
- निम्न में से कौन सा उद्देश्य के संज्ञात्मक क्षेत्र का नहीं है – **अनुवाद करना।**
- विलुप्त होना परिणाम है – **पुनर्बलन का अभाव**
- अधिगम के संबंध में उपयुक्त नहीं है – **अधिगम पर परिपक्वता का प्रभाव नहीं पड़ता।**
- निम्नलिखित में से कौन सा कारक अधिगम को प्रभावित करने वाला नहीं है – **मानव व भौतिक संसाधन**

- 'मेस्टाल्टवाद'के जन्मदाता कौन है – बरदाईमर
- रॉबर्ट गेने ने अधिगम की कितनी परिस्थितियाँ बताई है – 8
- श्रृंखला अधिगम सम्बन्धित है – गेने
- निम्न में से कौन सा सही नहीं है – कंकाल आयु
- संज्ञानात्मक विकास पर व्यवस्थित कार्य करने वाला मनोवैज्ञानिक था – जीन पियाजे
- एक बच्चे को लाल गुलाब का कांटा चुभ गया जिससे उसे काफी चोट पहुँची। आगे चलकर वह लाल पोषाक या लाल किसी भी चीज को देखकर डरने लगा/लगी। यह उदाहरण है – उद्दीपन सामान्यीकरण
- पियाजे द्वारा प्रयुक्त किया गया नाम खोजे – स्कीमा
- जॉर्ज स्टेनले हॉल ने किशोरावस्था को कैसी अवस्था कहा – तुफानी एवं तनावपूर्ण
- अध्ययन का उच्चतम स्तर कौन-सा है – समस्या समाधान अधिगम
- अच्छा अधिगम निर्भर करता है – शिक्षक पर, छात्रों की सक्रिय रुचि पर, उपयुक्त शिक्षण विधियों एवं सहायक सामग्री के उपयोग पर।
- मनोविज्ञान का कौन-सा सम्प्रदाय, मनोविज्ञान को विशुद्ध विज्ञान के रूप में स्थापित करने पर बल देता है – व्यवहारवाद
- एक शिक्षिका अपनी कक्षा से कहती है, 'सभी प्रकार के प्रदत्त कार्यों (Assignments) का निर्माण इस प्रकार किया गया है कि प्रत्येक विद्यार्थी अधिक प्रभावशाली ढंग से सीख सके, अतः सभी विद्यार्थी बिना किसी अन्य की सहायता से अपना कार्य पूर्ण करें।' वह कोह्लबर्ग के किस नैतिक विकास के चरण की ओर संकेत दे रही है – औपचारिक चरण 4 – कानून और व्यवस्था
- गार्डनर के बहु-बुद्धि के सिद्धान्त के अनुसार, वह कारक जो व्यक्ति के 'आत्म-बोध' हेतु सर्वाधिक योगदान देगा, वह हो सकता है – अन्तःवैयक्तिक

- आपकी कक्षा में कुछ बच्चे हैं जो गलतियाँ करते हैं। इस परिस्थिति का आपके विश्लेषण के अनुसार इनमें से कौन-सा कथन सर्वाधिक उपयुक्त है – बच्चों ने अभी तक संकल्पनात्मक स्पष्टता प्राप्त नहीं की है तथा आपको अपनी शिक्षण-विधि पर चिन्तन करने की आवश्यकता है।
- बहुतात्विक सिद्धान्त किसने दिया – थॉर्नडाइक
- वे बालक जो अपनी आयु से एक दर्जा नीचे के बालक के लिए बनाए गए कार्य को अच्छी तरह सम्पन्न नहीं कर पाते हैं, उन बालकों को किस श्रेणी में रखा जाएगा – पिछड़े बालक
- वे बालक जिन्हें अध्यापक के प्रयासों एवं अभिप्रेरणा के माध्यम से सामान्य बालक की श्रेणी में लाया जा सकता है – पिछड़े
- किसने कहा कि बुद्धि सीखने की योग्यता है – बकिंघम
- गैरेट ने बुद्धिके कितने प्रकार माने – तीन
- निम्न में से बुद्धि के कौन से सिद्धान्त है – एक खण्ड का सिद्धान्त, द्विखण्ड का सिद्धान्त, तीन खण्ड का सिद्धान्त
- वस्तुओं के संग्रहण का काल है – 7-11 वर्ष
- बालक में अमूर्त चिंतन का विकास हो जाता है – 11-15 वर्ष
- बुद्धि के प्रतिदर्श सिद्धान्त का प्रतिपादक है – थॉमसन
- अशाब्दिक सामूहिक परीक्षण है – थॉमसन
- एक बालक की बुद्धि लब्धि 85 है तो वह बालक है – मंद बुद्धि
- बुद्धि का पदानुक्रमिक सिद्धान्त का निर्माण किसने किया है – बर्ट व बर्नन
- बुद्धि की त्रि-विमीय संरचना किस मनोवैज्ञानिक ने प्रतिपादित की – गिल्फर्ड
- निम्न में से गिल्फर्ड की संरचना में सम्मिलित विमा नहीं है – मूल्यांकन
- बुद्धि लब्धि (IQ) शब्द का उपयोग सर्वप्रथम किया – टरमन
- बुद्धि का बहुकारक / बहुतत्व किसने प्रतिपादित किया – थॉर्नडाइक

- अल्फ्रेड बिने किस देश के निवासी थे – फ्रांस
- बुद्धि परीक्षणों का जनमदाता कहा जाता है – बिने को
- किस मनोवैज्ञानिक ने बुद्धि को असंख्य तत्वों से निर्मित बताया है – थॉर्नडाइक
- किस मनोवैज्ञानिक ने स्पीयरमैन के सामान्य कारक का खण्डन किया है – थॉर्नडाइक
- बुद्धि के त्रितत्व सिद्धान्त में स्पीयरमैन ने तीसरा तत्व (जो उन्होने अपने द्वितत्व सिद्धान्त में नहीं बताया था) जोड़ा – समूह तत्व
- बुद्धि का विभाजन किन वैज्ञानिकों ने किया – थॉर्नडाइक व गैरेट
- व्यक्ति अनोखे कार्य करता है, जिससे समाज में उसकी पहचान बनती है, यह बुद्धि का कौन सा कारक है – विशिष्ट
- इंजीनियर अपने कार्यालय में बैठकर किसी मकान का प्रारूप बनाता है, बुद्धि के किस प्रकार के माध्यम से – अमूर्त
- "अमूर्त विचारों के विषय में सोचने की योग्यता ही बुद्धि है" यह कथन है – टरमन
- अमूर्त बुद्धि में किनका प्रयोग अधिक किया जाता है – शब्दों का, अंकों का, प्रतीकों का
- "बुद्धि अमूर्त विचारों के बारे में सोचने की योग्यता है।" यह कथन है – टरमन का
- गिलफॉर्ड का बुद्धि संबंधी सिद्धान्त है – त्रिआयामी सिद्धान्त
- "हीरों के लिए हम खुदायीकरते हैं व स्वर्ण को शुद्ध करते हैं किन्तु प्रतिभा का हम नाश कर रहे हैं।" यह कथन है – के.एन. दत्त
- एक 5 वर्षीय बालक की बुद्धि परीक्षा के आधार पर मानसिक आयु 8 वर्ष सिद्ध हुई, तो बालक किस वर्ग में आयेगा – अति प्रखर बुद्धि
- बालक राम का बगीचे में ले जाकर हरियाली से परिचित करवाया जाता है राम को विद्यालय में हरियाली पर निबंध लिखने को कहा जाता है, यहाँ बुद्धि का कौनसा प्रकार कार्य करेगा – अमूर्त

- बुद्धि के कौन से प्रकार को मृदुल बुद्धि कहा जाता है – शाब्दिक
- सूक्ष्म समस्याओं को चिंतन-मनन द्वारा हल करने का कार्य किस बुद्धि का है – अमूर्त बुद्धि
- मूर्त बुद्धि को इस नाम से भी जानते हैं – गत्यात्मक एवं यांत्रिक बुद्धि
- व्यक्ति के निष्पत्तय लेने, तर्क करने तथा उपयोगी-अनुपयोगी का चयन करने की योग्यता है – बुद्धि
- निम्न में से बुद्धि की विशेषता नहीं है – लिंग के आधार पर बुद्धि में भेद होता है।
- 12 वर्षीय विद्यार्थी सोहन की बुद्धि लब्धि 75 है। उसकी मानसिक आयु वर्षों में क्या होगी – 9 वर्ष
- टरमन के अनुसार अत्युत्कृष्ट रखते है – 120-125 बुद्धिलब्धि
- बुद्धि का द्विकारक सिद्धान्त किसके द्वारा दिया गया – स्पीयरमैन
- निम्नलिखित में से कौन-सा गिलफर्ड के त्रिविमीय बुद्धि सिद्धान्त के 'विषय-वस्तु आयाम' का घटक नहीं है – प्रणाली
- मानसिक आयु की अवधारणा को विकसित किया था – बिन
- निम्न में से कौन सा संवेगात्मक बुद्धि का तत्व नहीं है – उद्यमी सामर्थ्यता
- बुद्धि-लब्धि सम्प्रत्यय विकसित किया – टर्मन ने
- सामान्य तथा विशिष्ट कारक सिद्धान्त का प्रतिपादन किया था – स्पीयरमैन ने
- जिन बालकों की बुद्धि-लब्धि है, साधारणतः उन्हें मानसिक न्यूनता ग्रसित की श्रेणी में रखते हैं – 70 से कम
- व्यवहारिक बुद्धि को कहा जाता है – मूर्त बुद्धि
- बुद्धि के त्रिआयामी सिद्धान्त के अनुसार बुद्धि के कारक की संख्या है – 120
- निम्न में से गिलफोर्ड ने कौन सा बुद्धि का सिद्धान्त प्रतिपादित किया है – बुद्धि संरचना सिद्धान्त
- निम्न में से बुद्धि का बहुखंड सिद्धान्त प्रतिपादित किया – थार्नडाइक

- थार्नडाइक का बुद्धि सम्बन्धी सिद्धान्त है – बहुतत्व सिद्धान्त
- बुद्धि के समूह-कारक (तत्व) सिद्धान्त के प्रणेता (प्रवर्तक) है – थर्स्टन
- 'पुरुष स्त्रियों की अपेक्षा ज्यादा बुद्धिमान होते हैं।' यह कथन – लैंगिक पूर्वाग्रह को प्रदर्शित करता है।
- एक बालक की आयु 12 वर्ष है। बिने का बुद्धि परीक्षण करने पर वह 15 वर्ष के सामान्य बालक के समान अंक प्राप्त कर सका, उसका सही बुद्धि लब्धि किस विकल्प में दी गई है – 125
- एक बालक जिसकी बुद्धिलब्धि 105 है उसे वर्गीकृत किया जाएगा – सामान्य बुद्धि
- अशाब्दिक बुद्धि परीक्षणोंका प्रयोग किया जा सकता है – अशिक्षित के लिए
- आप देखते हैं कि एक छात्र बुद्धिमान है, आप – वह जैसे अधिक प्रगति कर सके उस तरह उसे अनुप्रेरित करेंगे।
- सामान्य बालक का बुद्धिलब्धि स्तर क्या होता है – 91-110
- बुद्धि लब्धि मापन के जन्मदाता है – टरमन
- जड़ बुद्धि वाले बालक की बुद्धि लब्धि कितनी होती है – 70 से कम
- निम्नलिखित में से कौन सा कथन सत्य है – बुद्धि का लिंग के साथ सम्बन्ध नहीं है।
- एक 11 वर्षीय बालक, जिसकी मानसिक आयु 10 वर्ष है, किस श्रेणी में आएगा – औसत बुद्धि
- एक 16 वर्षीय किशोर की मानसिक आयु 15 वर्ष है, वह किस श्रेणी में आएगा – औसत
- विभिन्न वैज्ञानिकों ने बच्चों की बुद्धि लब्धि के आधार पर उनको भिन्न भिन्न श्रेणी/संवर्ग की संज्ञा दी है/ नीचे इन श्रेणियों/संवर्गों के चार अनुक्रम (समूह)

दिए गए हैं। इनमें ठीक व सही अनुक्रम समूह का चयन कीजिए – जड़ बुद्धि, मंद बुद्धि, श्रेष्ठ उच्च बुद्धि, प्रतिभाशाली

- अधिकांश व्यक्तियों की बुद्धि औसत होती है, बहुत कम लोग प्रतिभा सम्पन्न होते हैं और बहुत कम व्यक्ति मंद बुद्धि के होते हैं, यह कथन के प्रतिस्थापित सिद्धान्तों पर आधारित हैं – बुद्धि के वितरण
- ई. क्यू. एवं आई. क्यू. उदाहरण हैं – मानक प्रदत्त
- निम्न में से कौन-सा कथन बुद्धि के बारे में सत्य नहीं है – यह स्थाई एवं अपरिवर्तनशीलता की विशेषता है।
- एक 12 वर्षीय बालक की मानसिक आयु 10 वर्ष है, वह किस श्रेणी में आएगा – मंद बुद्धि
- निम्न में से कौन बुद्धि परीक्षणों के दुरुपयोग का संकेत देता है – बुद्धि-लब्धि का लेवल बालकों पर लगाकर अध्यापक अपनी अकुशलता को छिपाते हैं।
- 0 से 25 बुद्धि लब्धि को कहते हैं – जड़ बालक
- गिलफोर्ड के बुद्धि सम्बन्धी मॉडल में निम्न में से कौन सा आयाम नहीं है – विशिष्ट तत्व
- बुद्धि के बहुकारक सिद्धान्त के प्रतिपादक हैं – थार्नडाइक
- पिछड़े बालकों की बुद्धि लब्धि होती है – 80 से 90 के बीच
- जड़ बालकों की बुद्धि लब्धि होती है – 25 से कम
- गिलफोर्ड के बुद्धि सम्बन्धी सिद्धान्त हैं – त्रिआयामी सिद्धान्त
- अवधारणाओं का विकास मुख्य रूप से सम्बन्धित है – बौद्धिक विकास से
- मानसिक रूप से विकलांग से निम्नलिखित में से कौन सम्बन्धित नहीं है – असामाजिक कार्य
- बुद्धि के द्वि-कारक सिद्धान्त का प्रतिपादन किसने किया – स्पियरमैन

- बुद्धिमता का सम्बन्ध किससे है – केन्द्रीय चिन्तन से, बहुआयामी चिन्तन से, सृजनात्मकता से
- विशिष्ट बालक का सम्बन्ध होता है – बुद्धि से
- निम्न में से किसका निश्चय केवल आनुवंशिकता के आधार पर होता है – बुद्धि
- भावात्मक बुद्धि का पारिभाषिक शब्द (Term) देने वाले विद्वान है – डेनियल गोनमेन
- भावात्मक बुद्धि का प्रमुख प्रसंग है – अपने स्वयं की भावनाओं को जानना, अपने भावों को व्यवस्थित करना, दूसरे की भावनाओं को पहचानना
- एक शिक्षार्थी की बुद्धि लब्धि का ज्ञान एक शिक्षक के लिए उपयोगी है, क्योंकि – शिक्षण कार्य को सफल एवं प्रभावी बनाने में
- शारीरिक-गतिक बुद्धि रखने वाले बच्चे की अंतिम अवस्था निम्नलिखित में से कौनसी हो सकती है – शल्य चिकित्सक
- बहुविध बुद्धि सिद्धांत के अनुसार सभी प्रकार के पशुओं, खनिजों और पेड़-पौधों को पहचानने और वर्गीकृत करने की योग्यता कहलाती है – प्राकृतिक बुद्धि
- गिलफोर्ड के बुद्धि सम्बन्धी मॉडल में कुल कोष्ठ (खाने) हैं – 120
- के अतिरिक्त बुद्धि के निम्नलिखित पक्षों को स्टर्नबर्ग के त्रितंत्र सिद्धान्त में संबोधित किया गया है – सामाजिक
- हावर्ड गार्डनर का बुद्धि का सिद्धान्त पर बल देता है – प्रत्येक व्यक्ति की विलक्षण योग्यताओं
- किसी 10 वर्षीय बालक की मानसिक आयु 14 वर्ष है, वह कहलाएगा – प्रतिभाशाली

- जो बुद्धि सिद्धान्त बुद्धि में सम्मिलित मानसिक प्रक्रियाओं (जैसे परा-घटक) और बुद्धि द्वारा लिए जा सकने वाले विविध रूपों (जैसे सृजनात्मक बुद्धि) को शामिल करता है, वह है – **स्टर्नबग का बुद्धिमता का त्रितंत्र सिद्धान्त**
- 'बुद्धि वह तत्व है, जो सब मानसिक योग्यताओं में सामान्य रूप से सम्मिलित रहता है। परिभाषा इस शताब्दी की सबसे महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक खोज का प्रतिष्ठापन करती है।' यह कथन किसका है – **रेक्स व नाइट**
- अन्तर्वैयक्तिक बुद्धि से तात्पर्य है – **विभिन्न व्यक्तियों को समझने का कौशल**
- बुद्धिलब्धि के संबंध में क्या सत्य है – **कालानुक्रमिक आयु से व्युत्क्रमी संबंधित**
- बुद्धिका तरल मोजेक मॉडल किसने दिया था – **कैटेल**
- चेस तथा कार्ड के निम्न में से किस में वर्गीकृत किया जा सकता है – **बौद्धिक खेल**
- निम्नलिखित में से कौन सा क्रिया निष्पादन प्रकार के बुद्धि परीक्षण का उदाहरण नहीं है – **सरल गणित समस्याएँ हल करना।**
- एक बालक जिसकी बुद्धिलब्धि 125 है, किस वर्ग में आएगा – **उच्च प्रखर**
- एक व्यक्ति जो विभिन्न संवेगों की पहचान तथा महसूस करने और संवेगों पर नियंत्रण की उच्च योग्यता रखता है, उच्च होगा – **EQ पर**
- एक बालक जिसकी दृश्य संसार का शुद्धता से प्रत्यक्षीतकरने की क्षमता अधिक है वह उच्च होगा – **स्थानिक बुद्धि पर**
- बुद्धि के क्रियात्मक परीक्षण उपयोगी है – **बालकों के लिए, गूँगे और बहरों के लिए, निरक्षरों के लिए**
- एक दस वर्ष का बालक जो उन पदों पर सफल रहा हैं जिन पर अधिकांश 6 वर्षीय बालक सफल होते हैं, की मानसिक आयु मानी जायेगी – **6**
- निम्नलिखित में से कौन सा बुद्धि का सिद्धान्त संज्ञानात्मक प्रक्रिया पर आधारित है – **गिल्फर्ड त्रिआयामी सिद्धान्त**

- बुद्धि के सूचना प्रक्रम (प्रोसेसिंग) उपागम का वर्णन किसने किया – **स्टर्नबर्ग**
- स्पीयरमेन के अनुसार, सभी संज्ञानात्मक कार्यों में शामिल मानसिक ऊर्जा या क्षमता को क्या नाम दिया – **जी-कारक**
- गार्डनर के अनुसार अन्य व्यक्तियों की मनोदशा, स्वभावों, अभिप्रेरणाओं और इच्छाओं को समझकर उसमें विभेदन करने की योग्यता कहलाती है – **अंतर्वैयक्तिक बुद्धि**
- बुद्धि का कौन सा प्रकार गार्डनर द्वारा नहीं सुझाया गया – **सांस्कृतिक**
- अमूर्त बुद्धि किसी व्यक्ति की मदद करती है – **समस्याएँ सुलझाने में**
- एक सफल इन्टिरीयर डिजाइनर में किस तरह की बुद्धि की प्रबलशीलता होती है – **अमूर्त बुद्धि की**
- बुद्धि का त्रिआयामी मॉडल का प्रतिपादन किसने किया है – **गिलफोर्ड**
- गार्डनर ने बुद्धि के कितने प्रकार बताये हैं – **9**
- पास एलांग टेस्ट का विकास किसने किया है – **डब्ल्यू. पी. एलैकजेण्डर**
- 'बुद्धि की गुणवत्ता स्नायु तंतुओं की मात्रा पर निर्भर रहती है।' बुद्धि के मात्रा सिद्धान्त से संबंधित यह कथ किसका है – **थॉर्नडाइक**
- बच्चों हेतु वेश्लर बुद्धिमापनी के किस परीक्षण में संख्याओं को बढ़ते क्रम में प्रस्तुत कर बालक को भी उसी क्रम में या उल्टे क्रम में संख्याओं को दोहराने हेतु कहा जाता है – **अंक विस्तार**
- गिलफोर्ड के अनुसार निम्न में से बुद्धि का आयाम नहीं है – **संज्ञान**
- बुद्धि का वैज्ञानिक मापन सर्वप्रथम किसने प्रारम्भ किया – **बिने**
- गार्डनर के बहु-बुद्धि के सिद्धान्त के अनुसार, वह कारक जो व्यक्ति के 'आत्म-बोध' हेतु सर्वाधिक योगदान देगा, वह हो सकता है – **अंतःवैयक्तिक**
- निम्नलिखित में से कौन सा सामूहिक अशाब्दिक बुद्धि परीक्षण है – **आर्मी बीटा टैस्ट**

- हम सभी अपनी बुद्धि, प्रेरणा, अभिरुचि आदि के संदर्भ भिन्न होते हैं। यह सिद्धान्त संबंधित है – **वैयक्तिक भिन्नता से**
- इनमें से कौन सा त्रितंत्रीय सिद्धान्त में व्यावहारिक बुद्धि का अभिप्राय नहीं है – **केवल अपने विषय में व्यावहारिक रूप से विचार करना।**
- निरर्थक शब्द निर्माण सर्वप्रथम किसने किया – **एबिंगहास**
- बुद्धिका/के स्रोत है – **आनुवांशिक, अधिगम का परिणाम, स्व तथा वातावरण की अंतर्क्रिया**
- स्वीयरमैन के अनुसार बुद्धि का बढ़ना किस आयु में आकर रुक जाता है – **16 वर्ष**
- बुद्धि के अंतर्गत सामान्य योग्यता का कारक कौन से मनोवैज्ञानिक ने बताया – **स्वीयरमैन**
- सामान्य व्यक्ति की बुद्धि लब्धि है – **100**
- गोलमेन संबंधित है – **सांवेगिक बुद्धि से**
- 'बहु-बुद्धि सिद्धान्त' को वैध नहीं माना जा सकता, क्योंकि – **विभिन्न परीक्षणों के अभाव में भिन्न बुद्धियों(different intelligences) का मापन सम्भव नहीं है।**
- एक बालक की मानसिक आयु 14 व वास्तविक आयु 11 वर्ष है, तो उसकी बुद्धिलब्धि क्या होगी – **127**
- कक्षा-6 के बच्चे का औसत आई क्यू होगा – **100**
- बुद्धि का त्रिआयामी सिद्धान्त है – **गिलफोर्ड का**
- बुद्धि-स्तर के मापकको सही रूप में निर्माण किया है – **टरमन**
- बुद्धि के विषयमें आधुनिक अवधारणा है – **नवीन परिस्थितियों के प्रति समायोजन का गुण**
- बैटरी निष्पादन परीक्षण रचे गए हैं – **भाटिया**

- बहुवादी बुद्धि ज्ञान को अनेक पद्धतियों से प्रदान कर एक से अधिक कौशलों को प्रकट करती है। यह विचार है – **गार्डनर**
- आप प्रारम्भिक कक्षा के विद्यार्थियों के बुद्धि परीक्षण के लिए क्या उपयुक्त समझते हैं – **क्रियात्मक बुद्धि परीक्षण**
- एक अध्यापक के लिए बुद्धि परीक्षण की क्या उपयोगिता है – **अध्यापन एवं विषय परीक्षण में इसे आधार बनाया जा सकता है।**
- बुद्धि के सम्बन्ध में निम्न में से कौन सा कथन सही नहीं है – **बुद्धि की लम्बवत् बुद्धि जीवन पर्यन्त होती है।**
- कल्पना का शिक्षा में क्या स्थान है – **सृजनात्मकता में सहायक**
- विभिन्न श्रेणी के मंदित बालकों को दर्शायी गई सही औसत बुद्धि का चयन कीजिए – **पिछड़ा बालक – 80 से 99**
- 'संवेगात्मक बुद्धि : बुद्धिलब्धि से अधिक महत्त्वपूर्ण क्यों', पुस्तक के लेखक है – **डेनियल गोलमेन**
- एक बालक जिसकी मानसिक आयु 12 वर्ष तथा कालानुक्रमिक आयु 10 वर्ष है, उसकी बुद्धिलब्धि होगी-**120**
- निम्न में से किन मनोवैज्ञानिकों ने संवेगात्मक बुद्धि पर काम किया – **हावर्ड गार्डनर, डेनियल गोलमेन, जॉन डी मेयर व पीटर सालवे**
- 'बुद्धि इन चार शब्दों में निहित है – ज्ञान, आविष्कार, निर्देश, आलोचना।' यह कथन किस मनोवैज्ञानिक का है – **अलफ्रेड बिने**
- संवेगात्मक बुद्धि को लोकप्रिय बनाने का श्रेय किसको जाता है – **डेनियल गोलमैन**
- किसी समुदाय में आसानी से संबंध बनाने व समायोजित होने की क्षमता कहलाती है – **सांवेगिक बुद्धि**
- परिवार बच्चे को निम्न प्रकार से शिक्षा देता है – **अनौपचारिक रूप से**

- गिलफोर्ड द्वारा प्रतिपादित बौद्धिकता रचना मॉडल में कितने तत्वों को सम्मिलित किया गया है – 120
- अतीन्द्रिय बालक होते हैं – भावात्मक
- एक विद्यार्थी एक प्रकरण में मुख्य बिन्दुओं को रेखांकित करती है, उसका एक दृश्यात्मक प्रस्तुतीकरण बनाती है तथा प्रकरण की समाप्ति पर अपने दिमाग में उत्पन्न होने वाले प्रश्नों को प्रस्तुत करती है, वह – विचारों के संघटन के द्वारा अपने चिन्तन को निर्देशित करने की कोशिश कर रही है।
- एक अध्यापिका समाज के 'वंचित वर्गों' से आए बच्चों की आवश्यकताओं के प्रति प्रभावशाली तरीके से प्रतिक्रिया निम्नलिखित द्वारा कर सकती है – विद्यालयी व्यवस्था तथा स्वयं के उन तौर-तरीकों के बारे में विचार करना जिनसे पक्षपात एवं रुढ़िबद्धताएँ झलकती हैं।
- सामाजिक नियमों या कानून के विरुद्ध व्यवहार करने वाला बालक कहलाता है – बाल-अपराधी
- विशिष्ट बालकों के प्रकार कौन से हैं – प्रतिभाशाली बालक, पिछड़े बालक, मन्द बुद्धि बालक, समस्यात्मक बाल
- प्रतिभाशाली बालक की विशेषताएँ हैं – मानसिक प्रक्रिया की तीव्रता, दैनिक कार्यों में विभिन्नता, पाठ्य विषयों में अत्यधिक रुचि
- मंद बुद्धि बालक की विशेषताएँ हैं – सीखने की धीमी गति, जीवन में निराशा का अनुभव, समाज विरोधी कार्यों की प्रवृत्ति
- विशिष्ट बालक का अर्थ है – सामान्य बालकों की अपेक्षाकम या अधिक गुण वाला
- प्रतिभाशाली बालकों का समायोजन – श्रेष्ठ
- निम्न में से समस्यात्मक बालक नहीं है – सामान्य

- सामान्य प्रतिभाशाली व विशिष्ट प्रतिभाशाली बालक में किस आधार पर अंतर किया जा सकता है – **विशिष्ट योग्यता**
- हस्तशिल्प की शिक्षा दी जानी चाहिए – **मंदबुद्धि बालकों को**
- "बाल अपराध की परिभाषा किसी कानून के उस उल्लंघन के रूप में की जाती है, जो किसी वयस्क द्वारा किए जाने पर अपराध होता है।" कथन है – **स्किनर**
- कौन सा बाल अपराध है – **यौन अपराध, चुनौती देने की प्रवृत्ति, धूम्रपान**
- बालापराध के उपचार की विधि नहीं है – **कारावास**
- विकलांग बच्चों की सबसे महत्वपूर्ण समस्या है – **समायोजन की**
- "किशोरावस्था अपराध प्रवृत्ति के विकास का नाजुक समय है" कथन है – **वेलेण्टाइन**
- "बाल अपराध विज्ञान का जनक" किसे माना जाता है – **सीजर लाम्ब्रोसो**
- मंद बुद्धि (DULL) बालक की बुद्धिलब्धि होती है – **50 से 70/75 तक**
- बालापचार का कौन सा कारण नहीं है – **समायोजन**
- प्रतिभाशाली बालकों को पढ़ाने की सर्वश्रेष्ठ विधि है – **अनुसंधान / ह्यूरेस्टि / अन्वेषण विधि**
- 'एक बालक प्रतिदिन कक्षा से भाग जाता है।' वह बालक है – **समस्यात्मक बालक**
- "मापन किया जाने वाला व्यक्तित्व का प्रत्येक पहलू वैयक्तिक भिन्नता का अंश है।" उपर्युक्त परिभाषा दी है – **स्किनर ने**
- जालोटा ने परीक्षण दिया है – **सामूहिक बुद्धि परीक्षण**
- मौलिकता का गुण पाया जाता है – **सृजनशील बालकों में**
- स्कूल से भागने वाले बालक के अध्ययन की सर्वाधिक उपयोगी विधि है – **केस स्टडी**

- ऐसे बालक जिनका प्रमुख कार्य शिक्षक तथा छात्रों को परेशान करना है, वे है – **समस्यात्मक**
- वाक् दोष ग्रसित बालक जिसमें तुतलाना, हकलाना, अशुद्ध उच्चारण आदि होते हैं, को दूर कर सकते हैं – **अच्छे अभ्यास द्वारा**
- डिस्लेक्सिया संबंधित है – **पठन विकार से**
- बाल अपराध का कारण नहीं है – **उचित घरेलू वातावरण**
- प्रगतिशील परिवारों में बच्चों में अपेक्षाकृत कौन सा प्रेरक अधिक प्रबल होता है – **उपलब्धि**
- निम्न में से कौन सा पिछड़ेपन का कारण नहीं है – **स्वस्थ वातावरण**
- बच्चों में अमूर्तमान प्रत्ययों को ग्रहण करने की योग्यता होती है – **प्रतिभाशाली**
- निम्न में से कौन सी सामाजिकरूप से वंचितकी समस्या नहीं है – **रहने के लिए स्वस्थ परिवेश**
- टोरेन्स के सृजनात्मकता परीक्षण द्वारा किस तत्व का मापन नहीं होता है – **तार्किकता**
- सृजनात्मकता मुख्य रूप से संबंधित होती है – **अपसारी चिन्तन**
- निम्न में से कौन-सी डिस्लेक्सिया (Dyslexia) की विशेषता नहीं है – **सीधे या उल्टे हाथ के प्रयोग के संबंध में निश्चय**
- हस्तशिल्प की शिक्षा दी जानी चाहिए – **मन्दबुद्धि बालक को**
- छात्रों में चोरी करने की आदत को कैसे दूर किया जा सकता है – **उदाहरण देकर**
- प्रतिभावान बालकों की पहचान करने के लिए हमें सबसे अधिक महत्व – **वस्तुनिष्ठ परीक्षणों के परिणाम को देना चाहिए।**
- इनमें से कौन सा कृत्य बाल-अपराध नहीं है – **कक्षा में नींद निकालना।**

- एक बालक जो गणित के अतिरिक्त अन्य विषयों में सामान्य है, जबकि गणित में बहुत निम्न उपलब्धि रखता है, ऐसे बालक को निम्न में से किस श्रेणी में रखा जा सकता है – **पिछड़े बालक**
- प्रतिभाशाली बालकों की पहचान निष्पादन परीक्षणों द्वारा कठिन मानी जाती है, इसका उपर्युक्त कारण किस विकल्प में दिया गया है – **बुद्धि लब्धि और निष्पादन में कोई सम्बन्ध नहीं।**
- अध्यापक द्वारा निरीक्षण के माध्यम से प्रतिभाशाली बालक की पहचान निम्न में से किस कारण से कठिन है – **निरीक्षण द्वारा भावनात्मक समस्या से ग्रस्त प्रतिभाशाली की पहचान अध्यापकों द्वारा नहीं हो सकती।**
- बाल-अपराधियों की आयु होती है – **18 वर्ष से कम**
- मानसिक रूप से पिछड़े बालको के लिए निम्न में से कौन सी व्यूह रचना कार्य करेगी – **कार्यों को मूर्त रूप में समझना।**
- पृथक कक्षाओं एवं संवर्धन कार्यक्रमों का प्रयोग शिक्षा के लिए किया जाता है – **प्रतिभाशाली बालकों के लिए**
- जिन बालकों की शैक्षिक उपलब्धि अपनी आयु के अन्य बालक से निम्न रहती है, कहलाते हैं – **पिछड़ा बालक**
- प्रतिभाशाली बच्चों के लिए आवश्यक है – **उन्हें विशिष्ट योग्यता हेतु विशेष अवसर दिये जाये।**
- एक छात्र जो हमेशा नई-नई जानकारी के लिए स्रोतों की खोज करता रहता है व शिक्षकों व सहपाठियों से तर्क वितर्क करता रहता है, तो होता है – **प्रतिभाशाली बालक**
- प्रतिभाशाली बच्चों के संदर्भ में संवर्तन (Acceleration) का अर्थ है – **ऐसे विद्यार्थियों को वर्तमान स्तर/ग्रेड को छोड़कर अगले उच्च ग्रेड में प्रोन्नत करना।**

- प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए निम्नलिखित में से कौन सी गतिविधि सर्वाधिक उपयुक्त है – दी गई संकल्पनाओं के आधार पर मौलिक नाटक लिखना।
- प्रतिभाशाली विद्यार्थियों अपनी क्षमताओं को तब विकसित कर पाएँगे जब – वे अन्य विद्यार्थियों के साथ अधिगम-प्रक्रिया से जुड़ते हैं।
- सुधार स्कूल स्थापित किए गए हैं – बाल अपराधियों के लिए
- निम्नलिखित में से कौन सा समाज विरोधी बालक के बारे में सत्य नहीं है – समाज विरोधी बालक में दोष की भावना कम होती है।
- निम्न में से कौन से विशिष्ट बालकों की श्रेणी में नहीं आते हैं – लम्बे बालक
- विकलांग बालकों से हम समझते हैं, ऐसे बालक – जो शारीरिक दोष से ग्रसित हों।
- हकलाने का कारण है – शारीरिक व मनोवैज्ञानिक
- मंदितमना बालकों को शिक्षित करते समय शिक्षक को यह ध्यान में रखना चाहिए कि वे – व्यवसाय संबंधी कौशल सीख सके।
- प्रतिभावान बालकों की पहचान करने के लिए हमें सबसे अधिक महत्त्व देना चाहिए – वस्तुनिष्ठ परीक्षणों के परिणाम को।
- निम्न में से किसमें न्यूनतम अवधान की आवश्यकता होती है – अधिगम
- बुलिमिया है – भोजन ग्रहण विकृति
- बाल-अपराध का मनोवैज्ञानिक कारण है – अवरूढ़ इच्छा
- वह परीक्षण जिसमें बच्चों को पारम्भिक बिन्दु से लेकर अंतिम बिन्दु तक सही रास्ता खोजना होता है, कहलाता है – भूल भूलैया
- मनस्ताप एवं मनोविदलता प्रकार है – मानसिक विकार के
- डिस्लेक्सिया में बच्चों को परेशानी होती है – पढ़ने लिखने में

- बाल अपराध के लिए जिम्मेदार शैक्षिक कारणों में निम्नलिखित में से कौन सा कारण नहीं आता है – खराब संगत
- निम्न कथनों में से कौन सा सही नहीं है – सृजनशीलता और परिपक्वता के बीच दूरी का संबंध होता है।
- निम्नलिखित में से परिवार संबंधित बाल अपराध का कारक कौन सा है – विघटित परिवार
- यदि एक बालक कक्षा का औसत कार्य नहीं कर पाता है, तो वह – पिछड़ा बालक
- छात्रों में चोरी करने की आदत को कैसे दूर किया जा सकता है – उदाहरण देकर
- 'बालक के अपराधी बनने में पारिवारिक पर्यावरण उत्तरदायी होता है' यह मुख्यतः अवधारणा है – हैडफिल्ड
- कम गति से सीखने वाले बच्चों के लिए अध्यापक को क्या करना चाहिए – टोली शिक्षण, अतिरिक्त ध्यान व शिक्षण, प्रोत्साहन
- असाधारण छात्र वे होते हैं, जो – सामान्य से परिवर्तित हैं।
- प्रतिभाशाली होने का संकेत नहीं है – दूसरों के साथ झगड़ना।
- के कारण प्रतिभाशालिता होती है – आनुवांशिक रचना व वातावरणीय अभिप्रेरणा का संयोजन
- किशोर अपराध के उपचार हेतु निम्न में से कौन-सा तरीका सही है – संगी-साथियोंके साथ रखा जाए, व्यावसायिक चिकित्सा दी जाए, बाल कारागार में भेजा जाए।
- विद्यालय से पलायन करने वाले बालक के अध्ययन की सबसे उपर्युक्त विधि है – केस स्टडी विधि

- निम्न में से कौन विशेष आवश्यकता वाले बालकों के वर्ग में आता है – प्रतिभावान, मानसिक रूप से पिछड़े, शारीरिक रूप से अक्षम, सामाजिक रूप से अक्षम सभी
- अध्यापक के दृष्टिकोण से प्रतिभाशीलता किसका संयोजन है – उच्च योग्यता – उच्च सृजनात्मकता – उच्च वचनबद्धता
- अंतर्मुखी व्यक्तित्व वाले व्यक्ति रुचि रखते हैं – स्वयं अपने में
- प्रत्येक शिक्षार्थी स्वयं में विशिष्ट है, इसका अर्थ है, कि – कोई भी दो शिक्षार्थी अपनी योग्यताओं, रुचियों और प्रतिभाओंमें एक समान नहीं होते हैं।
- निम्नलिखित में से कौन सा कारकमंद बुद्धि बालक के लिए आवश्यक नहीं है – मौलिकता
- निम्नलिखितमें से कौन-कौन से पिछड़े बच्चों की समस्याएँ होती हैं – कम शैक्षणिक योग्यता, संवेगात्मक समस्याएँ, सामाजिक समस्याएँ
- बच्चे की जिज्ञासा शांत करनी चाहिए – तत्काल जब विद्यार्थी द्वारा जिज्ञासा की गई है।
- बाल अपराध का कारण है – माता-पितामें अनबन (कलह) रहना।
- निम्नलिखित में से कौन सी मानसिक मंदता की विशेषता नहीं है – अन्तर्वैयक्तिक संबंधों का कमजोर होना।
- अंधो बालकों को शिक्षण देने की पद्धति है – ब्रेल लिपि
- एक शिक्षिका अपनी कक्षा के प्रतिभाशाली बच्चों की योग्यताओं (Potential) की उपलब्धि चाहती है। अपने उद्देश्य की प्राप्ति के लिए उसे निम्नलिखित में से क्या नहीं करना चाहिए – उनकी सृजनात्मकता को समृद्ध करने के लिए उन्हें चुनौती देना।
- विशिष्ट बालकों के अन्तर्गत निम्नलिखित में से कौन सा बालक आता है – पिछड़ा बालक, प्रतिभाशाली, मंद बुद्धि

- किसी बच्चे में सृजनशीलता विकसित करने के लिए अध्यापक को नहीं करना चाहिए – बच्चे की क्रियाओं को प्रतिबंधित करना।
- बच्चों में सृजनशीलता का मापन करने के लिए निम्न में से कौन सा एक परीक्षण नहीं है – पहाड़ा लिखना।
- टोरन्स के सृजनात्मकता परीक्षण द्वारा किस तत्व का मापन नहीं होता है – तार्किकता
- सृजनात्मकता मुख्य रूप से संबंधित होती है – अपसारी चिन्तन
- निम्नलिखित में से कौन सा सृजनात्मकता का तत्व नहीं है – स्मृतिकरण
- एक बालक असंभव प्रतीत होने वाली कल्पना करता है, यह संकेत है, उसकी – सृजनशीलता
- एक बालक अनुपयोगी प्लास्टिक थैलियों से कलात्मक वस्तु बनाता है, यह दर्शाता है – सृजनशीलता
- सृजनात्मकता एवं बुद्धि के सहसंबंध के बारे में निम्न में से कौन सा कथन सही है – सृजनात्मक होने के लिए प्रायः औसत से अधिक बुद्धि होनी चाहिए।
- सृजनात्मकता की पहचान के लिए गिलफोर्ड ने जिन परीक्षणों का निर्माण किया, उनके द्वारा सृजनात्मकता विभिन्न गुणों का मापन करते हैं, निम्न में से कौन सा विकल्प केवल उन गुणों को अंकित करता है – निरंतरता, लोचनीयता, मौलिकता, विस्तार
- निम्न में से एक मनोवैज्ञानिक के अलावा बाकि सबने सृजनात्मकता का परीक्षण नहीं किया है – बाकर मेंहदी
- सृजनात्मकता शिक्षार्थी वह है, जो – पार्श्व (लेट्रल) चिन्तन और समस्या समाधान में अच्छा है।
- सृजनात्मकता उत्तरों के लिए आवश्यक है – मुक्त उत्तर वाले प्रश्न
- सृजनात्मकता बच्चों का मूल गुण है – वे मौलिक चिंतन करते हैं।

- सृजनशील बालकों का विशेष लक्षण है – प्रबल जिज्ञासा
- निम्नलिखित में सृजनशीलता का प्रमुख तत्व क्या नहीं है – अनुशासन
- निम्नलिखित में से बच्चों के सृजनात्मकता के विकास में सहायक नहीं है –
भाषण
- बच्चों में सृजनात्मकता विकसित नहीं की जा सकती – किसी जाँच पड़ताल करने के लिए उनको हतोत्साहित करके
- निम्न में से कौन सा कथन सही नहीं है – सृजनशीलता के लिए चिंतन आवश्यक नहीं है।
- विद्यार्थियों की किसी समस्या के भावी परिणामों को विश्लेषण करने के लिए उत्साहित करके, उन पर सृजनशीलता से सम्बन्धित प्रभाव होता है – अपने स्वयं के सृजनशीलता से सम्बन्धित अपने विचार व्यक्त करने में उनके लिए सहायक होंगे।
- नवीन विचार का सृजन उत्पादन व मौलिक चिन्तन आवश्यक गुण है –
सृजनात्मकता का
- सृजनात्मकता मुख्य रूप से से सम्बन्धित है – अपसारी (बहुविध)
- विज्ञान एवं कला प्रदर्शनियाँ, संगीत एवं नृत्य प्रस्तुतियाँ तथा विद्यालय पत्रिका निकालना के लिए है – शिक्षार्थियों को सृजनात्मक मार्ग उपलब्ध कराने
- निम्न में से कौन सा शिक्षार्थियों में सृजनात्मकता का पोषण करता है – प्रत्येक शिक्षार्थी की अन्तर्जात प्रतिभाओं का पोषण करने प्रश्न करने के अवसर उपलब्ध कराना।
- सृजनशीलता के पोषण हेतु, एक अध्यापक को अपने विद्यार्थियों को रखना चाहिए – कार्य केन्द्रित एवं लक्ष्य केन्द्रित

- सृजनशीलता के पोषण के लिए एक अध्यापक को निम्नलिखित में किस विधि की सहायता लेनी चाहिए— ब्रेन स्टार्मिंग / विचारावेश
- सृजनात्मकता की पहचान होती है – नवीन रचना या उत्पादन से
- सृजनात्मकता संबंधित है – अपसारी चिन्तन से
- 'अपूर्ण रेखाचित्र के अर्थपूर्ण तथा रुचिकारक चित्रों को बनाना' मापन के लिए एक पद होगा – सृजनात्मकता के
- निम्न में से कौन सी सृजनात्मक बालक की विशेषता नहीं है – कठोर
- सृजनात्मक परीक्षणों में किन भारतीयों का परीक्षण प्रसिद्ध है – बाकर मेहंदी और पासी
- बालक में सृजनात्मकता की शक्ति कहलाती है – अंतर्निहित शक्ति, नवीन क्षमता, उत्पादक क्रिया सभी शक्तियाँ
- निम्नलिखित में से कौन सा तरीका अध्यापिका के द्वारा एक सृजनात्मकता बच्चे की पहचान करने के लिए सर्वाधिक उपयुक्त होगा – बच्चे का विस्तृत रूप से अवलोकन करना, विशेष रूप से उस समय जब वह समस्याओं को हल करती है।
- निम्नलिखित में से कौन सा सृजनात्मकता का तत्व नहीं है – समस्याएँ न सुलझाना
- एक बालक सामान्य वस्तु के नये-नये उपयोग करता है, यह दर्शाता है – सृजनशीलता
- एक बालक अनुपयोगी वस्तुओं से सुन्दर वस्तु बनाता है, यह दर्शाता है – सृजनशीलता
- निम्न में से समायोजन का तरीका नहीं है, वह है – कुशिक्षा
- विद्यालय में शिक्षक बालकों के समायोजन के लिए कार्य नहीं करेगा – कठोर दण्ड देगा।

- कुसमायोजित व्यक्तित्व का लक्षण है – मन व बुद्धि अस्थिर
- "भग्नाशा का अर्थ है – किसी इच्छा या आवश्यकता में बाधा पड़ने से उत्पन्न होने वाला संवेगात्मक तनाव।" कथन है – गुड
- बालकों के कुसमायोजित होने के कारण होते हैं – आनुवंशिक कारण, स्वभावगत या संवेगात्मक तथा शारीरिक
- "समायोजन वह प्रक्रिया है, जिससे द्वारा प्राणी अपनी आवश्यकताओं और इन आवश्यकताओं की पूर्ति को प्रभावित करने वाली परिस्थितियों में संतुलन रखता है।" कथन है – बोरिंग, लेग्फेल्ड, वेल्ड
- "एक बालक अपनी दुःखभरी परिस्थिति को भुला देता है", तो उसे क्या कहते हैं – दमन
- निष्पादन परीक्षण विधि के प्रवर्तक कौन हैं – हार्टशोर्न व मेय
- सीजोफ्रेनिया का सम्बन्ध किससे है – मनोरोग
- व्यक्ति के मानसिक तनाव को कम करने की प्रत्यक्ष विधि है – बाधा दूर करना।
- एक समायोजित व्यक्ति की विशेषता नहीं है – वैयक्तिक उद्देशों का प्रदर्शन
- भग्नाशा की दशा में छात्र का व्यवहार होता है – आक्रमणकारी व्यवहार, आत्मसमर्पण, गृहत्याग करना।
- समायोजन की प्रक्रिया है – गतिशील
- व्यक्ति का कुसमायोजन प्रकट होता है – झगड़ालु प्रवृत्तियों में, पलायनवादी प्रवृत्तियों में, आक्रमणकारी के रूप में
- कल्पना की अधिकता के कारण दिवास्वप्न देखने वालों को कहते हैं – कुसमायोजित व्यक्ति
- समायोजन नहीं कर पाने का कारण है – द्वन्द्व, तनाव, कुण्ठा
- विचलनात्मक व्यवहार समायोजन के लिए होता है – अच्छा, बुरा, सहयोगी
- मनस्तापी बालकों की समस्या नहीं है – मौलिकता

- व्यक्तित्व के समायोजन में निम्न में से जो तत्व बाधक हैं, वह है – **भगनाशा**
- निम्न में से वह कारक जो कुसमायोजित बालक की पहचान कराने वाला है – **अस्थिर संवेग**
- अच्छे समायोजनकी विशेषता है – **सहनशीलता**
- निम्न में से कौन सी रक्षात्मक युक्ति नहीं है – **साहचर्य**
- व्यक्तित्व समायोजन की प्रत्यक्ष विधि है – **बाधा-निराकरण**
- निम्न में से कौन सा तनाव को कम करने का अप्रत्यक्ष ढंग है – **उदात्तीकरण**
- एरिक्सन के अनुसार आप अपना व्यक्तित्व समायोजन नहीं कर सकत, यदि आप – **यदि आप अपने आपको नियंत्रित करने में असमर्थ है।**
- निम्न में से कौन सा तरीका प्रत्यक्ष समायोजन का है – **लक्ष्यों का प्रतिस्थापन**
- कुसमायोजन परिणाम है – **कुण्ठा का, तनाव का, संघर्ष का**
- तनाव को कम करने का अप्रत्यक्ष ढंग कौन सा है – **उदात्तीकरण**
- एक छोटा बालक जिसे उसके एक साथी ने पीटा है, घर लौटने पर उसके छोटे भाई को लात लगाता है। यह बालक जो प्रतिरक्षा युक्ति का उपयोग कर रहा है, कहलाती है – **प्रतिस्थापन**
- दमन एवं शमन प्रकार है – **रक्षा युक्ति के**
- निम्नलिखित में से कौन सा संवेग युयुत्सा के मूल प्रवृत्ति से संबंधित है – **क्रोध**
- बच्चे जैसा व्यवहार करना एक उदाहरण है – **प्रतिगमन**
- रोनेनविग परीक्षण मापन करता है – **कुण्ठा का**
- किशोरों में द्वन्द्व उभरने का मुख्य कारण है – **अवसरों की प्रतिकूलता**
- मनोविश्लेषणवादियों के अनुसार अतृप्त असामाजिक इच्छाओं का संबंध है – **इदम् से**
- एक व्यक्ति जो अपने आप को एक कमरे में बंद कर लेता है और किसी से मिलने या बात करने से मना कर देता है, वह रक्षा युक्ति काम में ले रहा है – **पलायन**

- निम्नलिखित में से कौन सा समाज विरोधी बालक के बारे में सत्य नहीं है –
समाज विरोधी बालक के लक्ष्य यथार्थवादी होते हैं।
- विद्यालय छोड़ने वाले विद्यार्थियों के नियंत्रण की दृष्टि से सरकारी संगठनों द्वारा संस्थान के स्तर पर विभिन्न उपाय किए गए हैं। निम्नलिखित में से कौन सा संस्थानिक स्तर से जुड़ा है जिसके कारण बच्चे विद्यालय छोड़ देते हैं – **जो बच्चे अनिवार्य पाठ्यचर्चा को स्वीकार नहीं कर पाते उनके लिए विकल्पनात्मक पाठ्यचर्चा का न होना।**
- एक छोटे कद की लड़की ऊँची एड़ी के जूते पहन कर लम्बी दिखना चाहती है। उसने निम्न में किस रक्षायुक्ति का प्रयोग किया – **क्षतिपूर्ति**
- मानसिक थकान का लक्षण है – **ध्यान का केन्द्रित न होना।**
- भग्नाशाका सबसे बड़ा आंतरिक कारण है – **मानसिक संघर्ष**
- "किसी व्यक्ति द्वारा अपना अस्तित्व भूलाकर किसी दूसरे व्यक्ति के गुणों व अवगुणों का अनुकरण करना कहलाता है – **तादात्मीकरण**
- जब व्यक्ति असफलता, दुःख, पीड़ा को बलपूर्वक भूलने का प्रयास करता है, इसे कहते हैं – **दमन**
- एक विकलांग बालक अत्यधिक परिश्रम करके कक्षा में प्रथम आने का प्रयास करता है, इसे किस प्रतिरक्षण प्रणाली में रखेंगे – **क्षतिपूर्ति**
- निम्नलिखित में से कौन सा मेल सही नहीं है – **युक्तिकरण – अपना गुस्सा दूसरों पर उतारना।**
- कुछ लोगों का कहना है कि जब बालकों को गुस्सा आता है तो वह खेलने के लिए चले जाते हैं जब तक पहले से अच्छा महसूस नहीं करते हैं उनके व्यवहार में निम्नलिखित में से कौन सा प्रतिरक्षा तंत्र प्रतिलक्षित है – **पृथक्करण**
- समायोजन से तात्पर्य स्वयं का विभिन्न परिस्थितियों में अनुकूलन करना है ताकि संतुष्ट किया जा सके – **आवश्यकताओं**

- स्कूल से भागने वाले बालक के अध्ययन की सर्वाधिक उपयोगी विधि है – केस स्टडी विधि
- कुछ बालक पुस्तकीय ज्ञान जल्दी सीख लेते हैं। कुछ व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने में कुशल होते हैं, यह विभेद कहलाता है – मूल प्रवृत्ति का भेद
- वह विधि जो 'देखकर सीखने का सिद्धान्त' पर आधारित है – निरीक्षण विधि
- शैक्षिक प्रक्रिया के तीन प्रमुख अंग हैं – उद्देश्य ® अध्ययन ® अध्यापन परिस्थितियाँ ® मूल्यांकन
- माध्यमिक शिक्षा आयोग, 1953 द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रम के सिद्धान्त हैं – अनुभवों की सम्पूर्णता का सिद्धान्त, सामुदायिक जीवन से सम्बन्धता का सिद्धान्त, अवकाश के क्षणों के सदुपयोग का सिद्धान्त
- "भारत का भविष्य उसकी कक्षाओं में निर्मित हो रहा है।" यह मत किस आयोग का है – कोठारी शिक्षा आयोग
- कक्षा शिक्षण तब अच्छा होता है, जब छात्र – प्रश्न पूछते हैं।
- अध्यापक की सर्वाधिक उपयुक्त उपमा दी जा सकती है – माली से
- पाठ्यक्रम निर्माण की आवश्यकता है – शिक्षा के उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु
- दल-शिक्षण का सर्वप्रथम प्रयोग किया गया – अमेरिका में
- परम्परागत शिक्षण विधि है – व्याख्यान विधि
- कौन सा गुण वस्तुनिष्ठ परीक्षा का नहीं है – व्यक्तिनिष्ठ
- अच्छे प्रश्न-पत्र में गुण होना चाहिए – वैधता, विश्वसनीयता, वस्तुनिष्ठता
- पाठ्यक्रम निर्माण का सिद्धान्त है – क्रियाशीलता का सिद्धान्त, विविधता का सिद्धान्त, उपयोगिता का सिद्धान्त
- बालक सर्वप्रथम मातृभाषा को सीखता है – मातृबोली के रूप में
- राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा 2005 की कार्यशाला आयोजित की गई – NCERT नई दिल्ली में

- विषय वस्तु को छोटे-छोटे अंशों में बांटने का शिक्षण सिद्धान्त कहलाता है – विश्लेषण का सिद्धान्त
- NCERT जोर देती है – बाल केन्द्रित शिक्षा पर
- राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा 2005 के अनुसार प्रभावी शिक्षक हेतु आवश्यक है – छात्र केन्द्रित शिक्षण, दृश्य-श्रव्य सामग्री, योग्य शिक्षक
- राष्ट्रीय- पाठ्यचर्चा 2005 के अनुसार पाठ्यक्रम निर्माण का सबसे उपर्युक्त सिद्धान्त है – बाल केन्द्रियता का सिद्धान्त, लचीला पाठ्यक्रम, क्रियाशीलता का सिद्धान्त
- जब बच्चा सर्वप्रथम नकशे से पढ़ता है, तब नक्शा – प्रोजेक्टर से ऊपर होना चाहिए।
- पाठ्यचर्चा 2005 के अनुसार अध्यापक के गुणों को वर्गीकृत किया गया है – दो वर्गों में
- अध्यापक का विशेष गुण है – सहनशील
- राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा 2005 के अनुसार अध्यापक की भूमिका है – शैक्षिक लक्ष्यों की प्राप्ति, शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावी बनाना, प्रभावी मूल्यांकन
- शिक्षण में किसने पाँच औपचारिक पद दिये – हरबर्ट
- शिक्षण करते समय अध्यापक को ध्यान नहीं रखना चाहिए – जातिगत भेदभाव का
- छात्रों को गृह-कार्य दिया जाना चाहिए – संतुलित
- किंडर गार्टन पद्धति में शिक्षक की भूमिका होती है – पथ प्रदर्शक
- किस धारा के अन्तर्गत शिक्षकों के लिए अकादमिक उत्तरदायित्व निर्धारित किया गया किया गया है – 24
- सीखने का सर्वोत्तम तरीका है – करना।
- खेल पद्धति के प्रवर्तक माने जाते हैं – हेनरी कॉडवेल कुक

- खेल पद्धति पर आधारित शिक्षण विधि नहीं है – व्याख्यान
- क्रियात्मक अनुसंधान किया जाता है – अध्यापक द्वारा
- शिक्षण प्रक्रिया में विद्यार्थी है – आश्रित चर
- NCF 2005 बल देते है – करके सीखने पर
- NCF 2005 में कला शिक्षा को विद्यालय में जोड़ने का उद्देश्य है – सांस्कृतिक विरासत की प्रशंसा करना, छात्रों के व्यक्तित्व और मानसिक स्वास्थ्य को विकसित करना।
- कार्यसूचक क्रिया 'परिभाषित करना' किस उद्देश्य से सम्बन्धित है – ज्ञान
- विज्ञान शिक्षण की वह विधि जिसमें विद्यार्थी को एक खोजी के रूप में कार्य करने का अवसर दिया जाता है, कहलाती है – ह्यूरिस्टिक विधि
- जब एक छात्र गणित की समस्या को स्वयं हल कर सकता है, तो शिक्षण के किस उद्देश्य की पूर्तिकर रहा है – ज्ञानोपयोग
- विद्यार्थी विज्ञान में चित्र बनाना सीखते हैं या नहीं, इसका पता लगाने के लिए बनाए गए प्रश्न निम्नलिखित उद्देश्य से सम्बन्धित होंगे – कौशल
- आगमन विधि में छात्र अग्रसर होता है – विशिष्ट से सामान्य की ओर
- निम्नांकित में से पाठ योजना का अंग नहीं है – जाँच कार्य
- हरबर्ट की पंचपदीय प्रणाली में परिगणित पद नहीं है – मूल्यांकन
- दलीय शिक्षण पद्धति का प्रारम्भ हुआ – अमेरिका
- सूक्ष्म शिक्षण का समय है – 5-10 मिनट
- साहचर्य विधि का आविष्कार किया – मांटेसरी
- शिक्षा की किडर गार्टन पद्धति का प्रतिपादन किया – फ्रोबेल
- परिवार एक साधन है – अनौपचारिक शिक्षा
- व्यक्तिगत विभिन्नताओं को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों के शिक्षण के लिए प्रायोजना पद्धति के निर्माता थे – किलपैट्रिक

- प्रोजेक्ट विधि का प्रयोग सबसे पहले सामाजिक विज्ञान में किसने किया – **किलपैट्रिक**
- मानसिक विप्लव करने के लिए आप क्या करेंगे – **मानसिक उद्वेलन**
- राष्ट्रीय सामाजिक अध्ययन शिक्षण का राष्ट्रीय पाठ्यक्रम बनाया गया – **2005**
- भारतवर्ष में सामाजिक विज्ञान पढ़ाने के लिए पाठ योजना किस आधार पर बनती है – **हरबर्ट की पंचपदीय प्रणाली**
- शिक्षण को रोचक तथा सार्थक बनाने के लिए सबसे अधिक महत्वपूर्ण है – **श्रव्य-दृश्य सामग्री**
- अध्यापक के व्यावसायिक उन्नयन के लिए उपयोगी है – **निरोपचारिक शिक्षा**
- शिक्षण में कितने प्रकार का सहसम्बन्ध मिलता है – **3**
- शिक्षण में पढ़ाते समय सबसे पहले क्या बनाया जाता है – **इकाई योजना**
- प्रस्तावना, प्रस्तुतीकरण, तुलना और संबंध, सामान्यीकरण और प्रयोग सोपान है – **हरबर्ट**
- सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन का प्रमुख उद्देश्य है – **गुणात्मक, निदानात्मक, परिणामात्मक**
- योजना विधि के मुख्य सोपान है – **समस्या की पहचान – आँकड़ों का संकलन – निष्कर्ष – समाधान**
- प्राथमिक स्तर पर पर्यावरण अध्ययन के लिए कौन सी विधि प्रभावशाली है – **कहानी विधि**
- ज्ञानात्मक पक्ष का अंतिम स्तर क्या है – **मूल्यांकन**
- शिक्षण प्रक्रिया में किसे आश्रित चर कहा जाता है – **छात्र**
- डाल्टन शिक्षण विधि का विकास किसने किया – **मिस हेलेन पार्कहर्स्ट**
- आधुनिक शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में, शिक्षक की भूमिका है – **सीखने हेतु एक अच्छे सुलभकर्ता की**

- शिक्षा का अति महत्वपूर्ण उद्देश्य है – बच्चों का सर्वांगीण विकास करना
- शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को प्रारम्भ करने से पहले एक कुशल अध्यापक को क्या करना चाहिए – अधिगम परिस्थितियाँ उत्पन्न करना।
- निम्नलिखित में से आगमन विधि का कौनसा पद नहीं है – परिकल्पनाओं का निर्माण
- हरबर्ट उपागम पर आधारित गणितीय पाठ योजना का दूसरा पद है – प्रस्तुतीकरण
- एन. सी. एफ. 2005 के अनुसार गणित शिक्षण होना चाहिए – बालकेन्द्रित
- विभाजन, तुलना आलोचना इत्यादि क्रियाएँ, शैक्षिक उद्देश्यों के ज्ञानात्मक पक्ष के कौन से स्तर से सम्बन्धित है – विश्लेषण
- अंधे बालकों को शिक्षण देने की पद्धति है – ब्रेललिपि
- राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा, 2005 में बातचीत की गई – ज्ञान स्थायी है व दिया जाता है से ज्ञान का विकास होता है और इसकी संरचना होती है।
- निम्नलिखित में से कौन सा कथन शिक्षण के बारे में सत्य नहीं है – शिक्षण अनुदेशन है।
- निम्न कक्षाओं में शिक्षण की खेल विधि आधारित है – विकास व वृद्धि के मनोवैज्ञानिक सिद्धान्तों पर
- भारत के संविधान की क्या विशेषताएँ हैं – यह प्रश्न है – ज्ञान परक
- राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा रूपरेखा, 2005के अन्तर्गत परीक्षा सुधारों में निम्नलिखित में से किस सुधार को सुझाया गया है – खुली पुस्तक परीक्षा, सतत् / निरन्तर एवं व्यापक मूल्यांकन, सामूहिक कार्य मूल्यांकन
- राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा रूपरेखा, 2005 में गुणवत्ता आयाम शीर्षक के अन्तर्गत अधिक महत्व दिया गया है – बालकों के लिए संरचित अनुभव एवं पाठ्यक्रम सुधार को

- राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा, 2005 में निम्नलिखित में से किस परीक्षा सम्बन्धी सुधारों को सुझाया गया है- कक्षा 10 की परीक्षा ऐच्छिक हो।
- राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा, 2005 के आधारभूत सिद्धान्तों में निम्नलिखित में से कौन सा भाग सम्मिलित नहीं है - रटने को महत्व प्रदान न करना।
- राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा, 2005 के अनुसार गणित शिक्षण का मुख्य उद्देश्य है - बच्चों में तार्किक चिंतन तथा समस्या समाधान योग्यता को विकसित करना।
- निःशक्त बच्चों के लिए समेकित शिक्षा की केन्द्रीय प्रायोजित योजना का उद्देश्य है में निःशक्त बच्चों को शैक्षिक अवसर उपलब्ध कराना - नियमित विद्यालयों
- छोटे शिक्षार्थियों में निम्नलिखित में से कौन सा लक्षण 'पठन-कठिनाई' का नहीं है - शब्दों और विचारों को समझने में कठिनाई
- शिक्षार्थियों का 'आत्म-नियम' की ओर संकेत करता है - अपने सीखने का स्वयं पर्यवेक्षण करने की उनकी योग्यता
- प्रत्येक शिक्षार्थी स्वयं में विशिष्ट है। इसका अर्थ है कि - कोई भी दो शिक्षार्थी अपनी योग्यताओं, रुचियों और प्रतिभाओं में एक समान नहीं होते।
- एक बहु-सांस्कृतिक कक्षा-कक्ष में एक अध्यापितका सुनिश्चित करेगी कि आकलन में निम्नलिखित में से सम्मिलित हो - अपने विद्यार्थियों की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
- शिक्षार्थी जो पहले सीख चुके हैं उसकी पुनरावृत्ति और प्रत्यास्मरण में शिक्षार्थियों की मदद करना महत्त्वपूर्ण है क्योंकि - नई जानकारी को पूर्व जानकारी से जोड़ना सीखना को समृद्ध बनाता है।
- सृजनात्मक उत्तरों के लिए आवश्यक है - मुक्त-अत्तर वाले प्रश्न

- शिक्षार्थियों को के लिए प्रोत्साहित नहीं करना चाहिए – शिक्षक जो पूछ सकते हैं उन सभी प्रश्नों के उत्तर याद करने
- निम्नलिखित में से कौन सा रचनात्मक आकलन (Formative Assessment) के लिए उचित उपकरण नहीं है – सत्र परीक्षा
- विद्यार्थियों के सीखने में जो रिक्रियाँ रह जाती हैं उनके निदान के बाद होना चाहिए। – समुचित उपचारात्मक कार्य
- भारतीय समाज की बहुभाषिक विशेषता को देखा जाना चाहिए – विद्यालयी जीवन को समृद्ध बनाने के संसाधन के रूप में
- स्मिथ ने शिक्षण की त्रिध्रुवी प्रक्रिया में कार्यवाहक माना है – शिक्षक को
- 'पाठ्यक्रम' निम्नलिखित में से शिक्षण के कौन से चर में आता है – मध्यस्थ
- राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा, 2005 में शांति शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कुछ क्रियाओं की अनुशंसा की गई, पाठ्यक्रम रूपरेखा में निम्नलिखित में से किसे सूचीबद्ध किया गया है – महिलाओं के प्रति आदर एवं जिम्मेदारी का दृष्टिकोण विकसित करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाए।
- राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा, 2005 में बहुभाषी को एक संसाधन के रूप में समर्थन दिया गया है क्योंकि – यह एक तरीका है जिसमें प्रत्येक बालक सुरक्षित महसूस करें, भाषागत पृष्ठभूमि के कारण कोई भी बालक पीछे न छूट जाए, यह बालकों को अपने विश्वास के लिए प्रोत्साहन देगा।
- निगमन प्रणाली का तात्पर्य है – पहले नियम बताना फिर उसकी व्याख्या करना।
- 'एक राष्ट्र के विद्यालय उसके जीवन के अंग हैं, जिनका विशेष कार्य है, उसकी आध्यात्मिक शक्ति दृढ़ बनाना। उसकी ऐतिहासिक निरन्तरता को बनाये रखना, उसकी भूतकाल की सफलताओं को सुरक्षित रखना और उसके भविष्य की गारण्टी करना।' उक्त कथन किसके द्वारा किया गया है – जॉन डीवी

- निम्न में कौन-सा सिद्धान्त शिक्षण साधनों के चयन में मार्गदर्शक नहीं है –
भौतिक नियंत्रण का सिद्धान्त
- विभिन्न श्रव्य- दृश्य सामग्रियों के संबंध को प्रदर्शित करने के लिए अनुभवों का शंकु देनेवाले विद्वान है – **एडगर डेले**
- निर्देशन, अधिगमकर्ता के मानसिक स्वास्थ्य को सुधारने में सहायक हैं, क्योंकि – यह अधिगमकर्ता के आगामी व्यवहार तथा दृष्टिकोण को अच्छी सहायता प्रदान करता है।
- शिक्षण प्रतिमान के तत्व हैं – **लक्ष्य एवं उद्देश्य, उद्देश्य एवं संरचना, सामाजिक प्रणाली एवं मूल्यांकन**
- आधुनिक अभिक्रमित अनुदेशन की उत्पत्ति का कारक है – **अधिगम का मनोविज्ञान व तकनीकी**
- लघु पदों के सिद्धान्त का संबंध है – **रेखीय अभिक्रमित**
- यह अधिगम तथा मूल्यांकन को जोड़ता है, यह स्वाधिगम तथा स्वमूल्यांकन का प्रकार है, अतः इसके द्वारा सीखना है – **व्यक्तिगत**
- प्रत्येक अधिगमकर्ता एक समान रास्ते का अनुकरण करता है – **अवरोह अभिक्रमित**
- विद्यार्थियों से प्रतिक्रिया प्राप्त करने का आदर्श 'प्रतीक्षा समय' के सही अनुपात में होना चाहिए – **प्रश्न का कठिनाई स्तर**
- मान लीजिए आप विद्यालय शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष हैं, आप अपने अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विद्यालयों की शिक्षा की सम्पूर्ण गुणवत्ता को सुधारने के लिए क्या योजना बनाएँगे? इस प्रकार का प्रश्न का एक उदाहरण है –
उच्च स्तरीय अपसारी
- सीखने आकलन, आकलन और अनुदेशन के बीच के दृढीकरण द्वारा सीखने को प्रभावित करता है – **के लिए; संबंधों**

- सतत् और व्यापक मूल्यांकन की योजना में 'व्यापक' शब्द के अलावा निम्नलिखित के द्वारा समर्थित किया जाता है – जे.पी. गिलफोर्ड का बुद्धि संरचना का सिद्धान्त
- कक्षा-कक्ष में शिक्षक और शिक्षार्थी किस प्रकार जेंडर को करते हैं, यह सीखने के वातावरण – रूपांतरित, को क्षुब्ध करता है।
- विज्ञान के प्रयोगों में, सामान्यतः लड़के उपकरणों का नियंत्रण अपने हाथों में लेते हैं और लड़कियों से आँकड़ों को रिकॉर्ड करने अथवा बर्तनों को घोने के लिए कहते हैं। यह प्रवृत्ति यह दर्शाती है कि – पुरुष और स्त्री की रूढिबद्ध भूमिकाएँ विद्यालय में भी होती है।
- सी. बी. एस. ई. द्वारा प्रस्तावित समूह-परियोजना गतिविधि का एक सशक्त साधन है – सामाजिक भागीदारिता को सुगम बनाने
- रेवन का प्रोग्रेसिव मैट्रिसिज परीक्षण परीक्षण का उदाहरण है – संस्कृतिमुक्त बुद्धि लब्धांक
- निम्नलिखित में से कौन सा सिद्धान्त पाठ योजना में शामिल नहीं है – योजना की दृढ़ता
- जॉन ड्यूबी द्वारा समर्थित 'लैब विद्यालय' के उदाहरण है – प्रगतिशील विद्यालय
- लॉरेंस कोह्लबर्ग के द्वारा प्रस्तावित निम्नलिखित चरणों में से प्राथमिक विद्यालयों के बच्चे किन चरणों का अनुसरण करते हैं – आज्ञापालन और दण्ड-उन्मुखीकरण, अच्छे अंतः वैयक्तिक संबंध
- एक विद्यार्थी कहता है, 'उसका दादा आया है।' एक शिक्षक होने के नाते आपकी प्रतिक्रिया होनी चाहिए – अच्छा, उसके दादाजी आए हैं।
- के अलावा निम्नलिखित घटना / वृत्तांत रिकार्ड की विशेषताएँ हैं – यह व्यवहार का व्यक्तिनिष्ठ साक्ष्य है और इसलिए यह शैक्षणिक क्षेत्र के लिए प्रतिपुष्टि (फीडबैक) उपलब्ध नहीं करता।

- मिश्रित आयु-वर्ग के विद्यार्थियों की कक्षा से व्यवहार रखने वाले शिक्षक के लिए का ज्ञान सर्वाधिक है – विकासात्मक अवस्थाओं
- प्रतिभाशाली बच्चे – बिना किसी की सहायता के अपने सामर्थ्य का पूर्ण विकास करते हैं।
- संकल्पनाओं की व्यस्थित प्रस्तुति विकास के निम्नलिखित किन सिद्धान्तों के साथ संबंधित हो सकती है – विकास सापेक्ष रूप से क्रमिक होता है।
- बाल-केन्द्रित शिक्षा का समर्थन निम्नलिखित में से किस विचारक द्वारा किया गया – जॉन ड्यूबी
- एकल अभिभावक वाले बच्चे को पढ़ाते समय शिक्षक को – इस तथ्य को अनदेखाकरना चाहिए और ऐसे बच्चे के साथ अन्य बच्चों के समान व्यवहार करना चाहिए।
- विज्ञान एवं कला प्रदर्शनियाँ, संगीत एवं नृत्य प्रस्तुतियाँ तथा विद्यालय-पत्रिका निकालना, के लिए है – शिक्षार्थियों को सृजनात्मक मार्ग उपलब्ध कराने
- एक शिक्षिका अपने विद्यार्थियों को अनेक तरह की सामूहिक गतिविधियों में व्यस्त रखती है, जैसे- समूह-चर्चा, समूह-परियोजनाएँ, भूमिका निर्वाह आदि। यह सीखने के किस आयाम को उजागर करता है। – सामाजिक गतिविधि के रूप में अधिगम
- जब एक शिक्षिका दृष्टिबाधित शिक्षार्थी को कक्षा के अन्य शिक्षार्थियों के साथ सामूहिक गतिविधियों में शामिल करती है, तो वह – समावेशी शिक्षा की भावना के अनुसार कार्य कर रही है।
- एक शिक्षिका अपने शिक्षण में दृश्य-श्रव्य सामग्रियों और शारीरिक गतिविधियों का प्रयोग करती है क्योंकि – इनमें अधिकतम इंद्रियों का उपयोग सीखने को संवृद्धितकरता है।

- कोह्लबर्ग के अनुसार, सही और गलत प्रश्न के बारे में निर्णय लेने में शामिक चिन्तन-प्रक्रिया को कहा जाता है – **नैतिक तर्कणा**
- एक विद्यार्थी अपने समकक्ष व्यक्तियों के समूह के प्रति आक्रामक व्यवहार करता है और विद्यालय के मानदण्डों को नहीं मानता। इस विद्यार्थी को में सहायता की आवश्यकता है – **भावात्मक क्षेत्र**
- शिक्षकों को यह सलाह दी जाती है कि अपने शिक्षार्थियों को सामूहिक गतिविधियों में शामिल करें क्योंकि सीखने को सुगम बनाने के अतिरिक्त, ये में भी सहायता करती है – **समाजीकरण**
- समावेशी शिक्षा उस विद्यालयी शिक्षा व्यवस्था की ओर संकेत करती है – जो उनकी शारीरिक, बौद्धिक, सामाजिक, भाषिक या अन्य विभिन्न योग्यता स्थितियों को ध्यान में रखे बगैर सभी बच्चों को शामिल करती है।
- शिक्षकों को अपने विद्यार्थियों की त्रुटियों का अध्ययन करना चाहिए क्योंकि वे प्रायः की ओर संकेत करती है – **आवश्यक उपचारात्मक युक्तियों**
- सीमा हर पाठ को बहुत जल्दी सीख लेती है जबकि लीना उसे सीखने में ज्यादा समय लेती है। यह विकास के सिद्धान्त को दर्शाता है – **वैयक्तिक भिन्नता**
- निम्नलिखित में से के अतिरिक्त सभी वातावरणीय कारक विकास को आकार देते हैं – **शारीरिक गठन**
- कक्षा-कक्ष में शिक्षक व विद्यार्थियों के मध्य सम्प्रेषण होना चाहिए – **उद्देश्य केन्द्रित**
- यदि कोई बच्चा विद्यालय में हमेशा देर से पहुँचता है, तो आप क्या करेंगे – **बच्चे से बातचीत करके कारण जानने का प्रयास करेंगे।**
- वर्तमान समय में शिक्षा का सबसे उपयुक्त उपगम कौन सा है – **सृजनवादी उपागम**

- निम्नलिखित में से कौन सी आकलन पद्धति विद्यार्थियों की सर्वोत्तम क्षमता को पोषित करेगी – जब संकल्पनात्मक परिवर्तन तथा विद्यार्थियों के वैकल्पिक समाधानों को आकलन की विभिन्न विधियों के द्वारा आकलित किया जाता है।
- परीक्षा में विद्यार्थियों से किस प्रकार के प्रश्न पूछने चाहिए – समझ एवं अनुप्रयोग आधारित
- एक कक्षा में बहुभाषी विद्यार्थी हैं, यह स्थिति उत्पन्न करती है – सीखने के समृद्ध संसाधन
- यदि कक्षा में पढ़ाते समय आपको महसूस होता है कि अचानक सभी बच्चे पढ़ने में रुचि नहीं ले रहे हैं, तो आप क्या करेंगे – कारण जानने की कोशिश करेंगे।
- निष्पत्ति लब्धि (AQ) का सूत्र होता है –
- उच्च प्राथमिक स्तर पर शिक्षक को क्रियात्मक शोध का ज्ञान होना चाहिए क्योंकि वे – इसके माध्यम से बच्चों की समस्या की पहचान कर सुधार करने का कौशल विकसित कर पाएँगे।
- यदि आपकी कक्षा का कोई बच्चा चुप रहता है, तो आप क्या करेंगे – उसके चुप रहने के कारण को जानने का प्रयास करेंगे।
- सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन से तात्पर्य है – सीखने की प्रक्रिया के दौरान शैक्षिक एवं सह-शैक्षिक क्षेत्रों को नियमित रूप से आंकलित करना।
- बालक केन्द्रित शिक्षा के अंतर्गत क्या सम्मिलित नहीं है – गृह कार्य प्रदान करना।
- बच्चों को सीखने-सीखाने की प्रक्रिया के दौरान, वे उस कार्य को किस प्रकार से कर रहे हैं, इसकी जानकारी इन्हें – कार्य करते समय सतत् रूप से दी जानी चाहिए।

- यदि आपकी कक्षा में कोई बच्चा अधिगम अक्षम हो, तो आपको क्या करेंगे – उसकी अक्षमता किस प्रकार की है यह जानकर उसकी सिखाने का प्रयास करेंगे।
- वर्तमान समय में शिक्षक की भूमिका है – सुगमकर्ता की
- 'प्रयोजना विधि' के प्रतिपादक है – क्लिपेट्रिक
- मूल्यांकन प्रक्रिया के तीन महत्वपूर्ण बिन्दु हैं – उद्देश्य, अधिगम अनुभव व मूल्यांकन के उपकरण
- कक्षा-कक्ष का वातावरण होना चाहिए – मित्रतापूर्ण
- कठोर शिल्प उपागम किस सिद्धान्त पर आधारित है – इंजीनियरिंग
- किशोरावस्था में बच्चे किस प्रकार की समस्या का सामना करते हैं – शारीरिक एवं मानसिक परिवर्तन से समायोजन करना।
- निम्न में से कौन सा लक्षण किसी मापक उपकरण के लिए सर्वाधिक वांछनीय है – विश्वसनीयता
- प्रधानाध्यापक का वरिष्ठ शिक्षक के लिए विद्यालय में कौनसी नेतृत्व शैली बेहतर है – प्रजातांत्रिक नेतृत्व
- कक्षा में जेंडर रुढ़िबद्धता से बचने के लिए एक शिक्षक को – लड़के-लड़कियों को एक साथ अ-पारम्परिक भूमिकाओं में रखना चाहिए।
- सतत् और व्यापक मूल्यांकन..... पर बल देता है – सीखने को किस प्रकार अवलोकित, रिकॉर्ड और सुधारा जाए इस पर
- विद्यालय आधारित आकलन – परिचित वातावरण में सीखने में सभी शिक्षार्थियों की मदद करता है।
- एक शिक्षिका की कक्षा में कुछ शारीरिक विकलांगता वाले बच्चे हैं, निम्नलिखित में से उसके लिए क्या कहना सबसे उचित होगा – मोहन खेल के मैदान में जाने के लिए आप अपनी बैसाखियों का प्रयोग क्यों नहीं करते।

- एक समावेशी विद्यालय – शिक्षार्थियों की क्षमताओं की परवाह किए बिना सभी के अधिगम-परिणामों को सुधारने के लिए प्रतिबद्ध होता है।
- एक शिक्षक(को) – जब शिक्षार्थी विचारों को सम्प्रेषित करने की कोशिश कर रहे हों, तो उन्हें ठीक नहीं करना चाहिए।
- सीमा परीक्षा में A+ ग्रेड प्राप्त करने के लिए अति इच्छुक है, जब वह परीक्षा भवन में दाखिल होती है तथा परीक्षा प्रारम्भ होती है, वह अत्यधिक नर्वस हो जाती है, उसके पाँव ठंडे पड़ जाते हैं, उसके हृदय की धड़कन बहुत तेज हो जाती है और वह उचित तरीके से उत्तर नहीं दे पाती, इसका मुख्य कारण हो सकता है – शायद यह अकस्मात् संवेगात्मक आवेग का सामना नहीं कर सकती।
- निम्नलिखित में कौन सी संज्ञानात्मक क्रिया दी गई सूचनाके विश्लेषण के लिए प्रयोगमें लाई जाती है – अंतर करना।
- राजेश अति लोलुप पाठक है, वह अपने कोर्स की पुस्तकें पढ़ने के अतिरिक्त पाय: पुस्तकालय जाता है और भिन्न प्रकरणों पर पुस्तकें पढ़ता है, इतना ही नहीं, राजेश भोजन-अवकाश में अपने परियोजना कार्य करता है। उसके परीक्षाओं के लिए पढ़ने के लिए अपने शिक्षकों अथवा अभिभावकों द्वारा कभी भी कहने की जरूरत नहीं हैं और वास्तव में सीखने का आनंद लेता नजर आता है, उसे के रूप में सर्वाधिक बेहतर रूप में वर्णित किया जा सकता है –
आंतरिक रूप से अभिप्रेरित शिक्षार्थी
- समावेशी शिक्षा – कक्षा में विविधता का उत्सव मनाती है।
- निम्नलिखित में से कौन सा वस्तुनिष्ठ प्रश्न है – सत्य या असत्य
- निम्नलिखित में से कौन सी प्रगतिशील शिक्षा की विशेषता है – बार-बार ली जाने वाली परीक्षाएँ

- एक शिक्षक प्रश्न-पत्र बनाने के बाद, यह जाँच करता है कि क्या प्रश्न परीक्षण के विशिष्ट उद्देश्यों की परीक्षा ले रहे हैं, यह मुख्य रूप से प्रश्न-पत्र की/के के बारे में चिंतित हैं – वैधता
- विवेचनात्मक शिक्षाशास्त्र का यह दृढ़ विश्वास है कि – शिक्षार्थियों के अनुभव और प्रत्यक्षण महत्वपूर्ण होते हैं।
- विद्यालय-आधारित आकलन मुख्य रूप से किस सिद्धान्त पर आधारित होता है – बाह्य परीक्षकों की अपेक्षा शिक्षक अपने शिक्षार्थियों की क्षमताओं को बेहतर मानते हैं।
- एक शिक्षिका अपने शिक्षार्थियों की विभिन्न अधिगम-शैलियों को संतुष्ट करने के लिए वैविध्यपूर्ण कार्यों का उपयोग करती है वह से प्रभावित है – गार्डनर के बहुबुद्धि सिद्धान्त
- एक शिक्षिका अपने आप से कभी प्रश्नों के उत्तर नहीं देती, वह अपने विद्यार्थियों को उत्तर देते के लिए,समूह चर्चाएँ और सहयोगात्मक अधिगम अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती है, यह उपागम के सिद्धान्त पर आधारित है – सक्रिया भागीदारिता
- निम्नलिखित में से कौन सा शिक्षक से संबंधित अधिगम को प्रभावित करने वाला कारक है – विषय-वस्तु में प्रवीणता
- कोह्लबर्ग के अनुसार, शिक्षक बच्चों में नैतिक मूल्यों का विकास कर सकता है – नैतिक मुद्दों पर आधारित चर्चाओं में उन्हें शामिल करके
- छोटे शिक्षार्थियों को कक्षा-कक्ष में समवयस्कों के साथ अंतःक्रियाकरने के लिए प्रोत्साहित प्रोत्साहित करना चाहिए जिससे – वे एक-दूसरे से प्रश्नों के उत्तर सीख सकें।

- जब एक नियोग्य बच्चा पहली विद्यालय आता है, जो शिक्षक को क्या करना चाहिए – बच्चों की नियोग्यता के अनुसार उसे विशेष विद्यालय में भेजने का प्रस्ताव देना चाहिए।
- जब बच्चा कार्य करते हुए ऊबने लगता है, तो यह इस बात का संकेत है कि – संभवतः कार्य यांत्रिक रूप से बार-बार हो रहा है।
- प्रायः शिक्षार्थियों की त्रुटियाँ की ओर संकेत करती है – सीखने की अनुपस्थिति
- एक अध्यापक / अध्यापिका ने पाया कि एक विद्यार्थी वर्ग बनाने में कठिनाई अनुभव कर रहा है, उसने अनुमान लगाया कि वह हीरे (Diamond) का चित्र बनाने में भी कठिनाई अनुभव करेगा, उसने निम्नलिखित में से किस सिद्धान्त पर आधारित होकर यह अनुमान लगाया – विकास एक व्यवस्थित क्रम में होने की प्रवृत्ति से सम्बद्ध है।
- योग्यता व योग्यता समूहीकरण के परिप्रेक्ष्य में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सत्य है – विभिन्न योग्यता वाले समूहों को ग्रहण करने के लिए अध्यापकों को बहु-स्तरीय शिक्षण को अपनाना चाहिए।
- निम्नलिखित में से कौन सा कथन सत्य है – रचनात्मक आकलन कभी-कभी संकलनात्मक हो सकता है एवं इसी प्रकार विपरीततः
- एक अध्यापक / अध्यापिका विद्यार्थियों को किसी विषय की अपनी अवबोधनात्मकता को प्रतिबिम्बित करते हुए संकल्पनात्मक मानचित्र (Concept map) का निर्माण करने को कहता / कहती है, वह है – रचनात्मक आकलन कर रहा /रही है।
- निम्नलिखित में से कौन सा ब्लूम के पुनर्संशोधित वर्गीकरण में 'मूल्यांकन' (Evaluating) के क्षेत्र को प्रदर्शित करता है – एक समाधान की तार्किक सुसंगतता का परीक्षण करना।

- वंचित शिक्षार्थियों के साथ व्यवहार करने के संदर्भ में अध्यापिका / अध्यापक को निम्नलिखित मूल्यों में से किसमें विश्वास व्यक्त करना चाहिए – छात्रों की सफलता हेतु व्यक्तिगत उत्तरदायित्व
- निम्नलिखित में से किस पद्धति का उपयोग करते हुए हकलाने (Stuttering) की समस्या से निपटा जा सकता है – प्रवर्द्धित वाक् (Prolonged speech)
- सीखने में अशक्त (Disabled) बच्चों के संदर्भ में तत्काल सम्बद्धता प्रदान करना, सहयोग पर बल देना तथा गैर-अधिगमनात्मक तकनीकी, जैसी तत्काल सूचनात्मकता, बुद्धिपूर्वक गन्वेषणा तथा सामग्री प्रबंधन, का उत्तोलन (Leveraging) निम्नलिखित में से किस प्रारूप से सम्बद्ध है – संग्रथित अधिगम(Embedded Learning)
- एक समावेशी कक्षा वह है, जहाँ – अध्यापक प्रत्येक अधिगमकर्ता के लिए वैविध्यपूर्ण व सार्थक अधिगमनात्मक अनुभवों हेतु परिवेश का निर्माण करते हैं।
- निम्नलिखित में से कौन सा प्रदत्तकार्य (Assignment) प्रतिभाशाली विद्यार्थी के लिए उपयुक्त है – विभिन्न विषयों (themes) को ध्यान में रखते हुए विज्ञान की नई आदर्शात्मक पुस्तक का निर्माण करना।
- विद्यालय छोड़ने वाले विद्यार्थियों के नियंत्रण की दृष्टि से सरकारी संगठनों द्वारा संस्था के स्तर पर विभिन्न उपाय किए गए हैं, निम्नलिखित में से कौन सा कारण सांस्थानिक स्तर से जुड़ा है जिसके कारण बच्चे विद्यालय छोड़ देते हैं – जो बच्चे अनिवार्य पाठ्यचर्चा को स्वीकार नहीं कर पाते उनके लिए बिकल्पात्मक पाठ्यचर्चा का न होना।
- बच्चों के व्यवहार के समझने के लिए विद्यार्थियों के घर के वातावरण का महत्वपूर्ण स्थान है तथा इससे प्राप्त सूचना को प्रभावशाली शिक्षा-शास्त्र के निर्माण से जोड़ा जा सकता है, वह तथ्य अधिगम के किस सिद्धान्त से सम्बद्ध है – पारिस्थितिक (Ecological)

- कक्षा में ध्यान न देने वाले बच्चे से व्यवहार करने के लिए कौन सा उपाय सर्वाधिक लाभकारी हो सकता है— बच्चे को उस जगह बैठाना जहाँ सबसे कम ध्यान भंग हो सके।
- ब्लूम की टैक्सोनॉमी की पदानुक्रमिक व्यवस्था है – संज्ञानात्मक उद्देश्यों
- अ, ब, स तीन विद्यार्थी हैं जो अंग्रेजी पढ़ते हैं, 'अ' को यह विषय रोचक लगता है और वह सोचता है कि यह उसके भविष्य में सहायक होगा। 'ब' अंग्रेजी इसलिए पढ़ती है, क्योंकि वह कक्षा में पहला स्थान प्राप्त करना चाहती है, 'स' अंग्रेजी विषय इसलिए पढ़ता है, क्योंकि उसका प्राथमिक सरोकार उत्तीर्ण होने वाले ग्रेड्स प्राप्त करना है, अ, ब और स के उद्देश्य क्रमशः है – निपुणता, निष्पादन, निष्पादन-उपेक्षा
- हालांकि यह स्पष्ट रूप से उनकी सुरक्षा आवश्यकताओं के उल्लंघन में था, कैप्टन विक्रम बत्रा अपने देश को बचाने के दौरान कारगिल युद्ध में मारे गए, संभवतः उन्हें था / थी – आत्म सिद्ध की प्राप्ति
- एक समावेशी विद्यालय के अतिरिक्त निम्नलिखित सभी प्रश्नों पर मनन करता है – क्या हम विशेष बालक को बेहतर देखभाल उपलब्ध कराने के लिए उचित तरीके से उन्हें सामान्य से अलग करते हैं।
- दिए गए वाक्य को पूरा करने के लिए निम्नलिखित में से कौन सा युग्म सर्वाधिक उचित विकल्प होगा –जब बच्चे उन गतिविधियों में शामिल होते हैं जो होती है, तब वे जल्दी करते हैं – वास्तविक जीवन में उपयोगी, सीखा
- सी. बी. एस. ई. शिक्षार्थियों के लिए व्यक्तिगत गतिविधियों के स्थान पर सामूहिक गतिविधियों की संस्तुति करती है, ऐसा करने के पीछे विचार हो सकता

है – व्यक्तिगत प्रतिस्पर्धा के प्रति नकारात्मक संवेगात्मक प्रतिक्रियाओं से उबारना जो सम्पूर्ण अधिगम पर सामान्यीकृत हो सकती है।

- भारत सरकार ने प्राथमिक विद्यालयों के लिए मध्याह्न भोजन योजना प्रारम्भ की है, निम्नलिखित में से कौन सा अभिप्रेरणात्मक सिद्धान्त इस योजना का समर्थन करता है – मानवीय
- राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा 2005 की संस्तुतियों के संबंध में कौन सा कथन सत्य नहीं है – विश्व विद्यालयों को राजनीति से मुक्त रखना।
- बच्चों के भाषायी विकास के लिए जरूरी है कि – उनको अधिक-से-अधिक अपने विचार व्यक्त करने के अवसर देने चाहिए। भाषायी कौशलों के विकास हेतु गतिविधियाँ आयोजित की जानी चाहिए। लिखना, पढ़ना, बोलना तथा सुननेका अभ्यास करना चाहिए।
- कक्षा-कक्ष में बैठक व्यवस्था कैसी होनी चाहिए – कक्षा-कक्ष में कराई जा रही गतिविधियों के अनुरूप
- ज्ञान रचनात्मकता सिद्धान्त आधारित शिक्षण का आधार है – करके सीखना।
- कक्षा-कक्ष परिस्थिति में श्रव्य-दृश्य सहायक सामग्रियाँ प्रयोग में लेते समय शिक्षण का निम्नलिखित में से कौन सा सूत्र सम्मिलित होता है – मूर्त से अमूर्त
- निम्नलिखित में से कौन से शिक्षण मॉडल (शिक्षणप्रतिमान) का उद्देश्य तथ्यों एवं सम्प्रत्ययों का अवबोध (समझना) करना है – अग्रिम संगठक
- प्रक्रिया सामग्री (सॉफ्टवेयर) उपागम का उदाहरण है – अनुदेशक
- कौन सा अधिगम के निर्मित कारण का सिद्धान्त नहीं है – अधिगम तात्कालिक है।
- 'वैज्ञानिक पूछताछ (परिपृच्छा)' मॉडल (प्रतिमान) के प्रतिपादक हैं – रिचर्ड सचमैन

- निम्नलिखित में से कौन सा कथन निर्मितवाद के संदर्भ में सही है – अधिगमकर्ता के अंदर ज्ञान का निर्माण होता है।
- निम्न में से कौनसा परीक्षण जो जीवन पर्यन्त चलने वाले अनौपचारिक अधिगम द्वारा प्राप्त सूचनाओं पर केन्द्रित है – व्यक्तित्व परीक्षण
- किसी आदर्श के अनुरूप व्यवहार को ढालने की प्रक्रिया को कहा जाता है – शिक्षण प्रतिमान
- शिक्षण प्रतिमान के तत्व है – लक्ष्य एवं उद्देश्य, उद्देश्य एवं संरचना, सामाजिक प्रणाली एवं मूल्यांकन
- आधुनिक अभिक्रमित अनुदेशन की उत्पत्ति का कारक है – अधिगम का मनोविज्ञान व तकनीकी
- शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में व्यक्तिगत रूप से ध्यान देना महत्वपूर्ण है, क्योंकि – इससे प्रत्येक शिक्षार्थी के अनुशासित करने के लिए शिक्षकों को बेहतर अवसर मिलते हैं।
- निम्न में से किस शिक्षण व्यूहरचना का संबंध जनतांत्रित व्यूह रचनाओं से नहीं है – मस्तिष्क उद्देलन व्यूहरचना
- शिक्षण में उत्तम प्रणाली वह है जिसमें – अध्यापक और छात्र दोनों प्रश्न पूछें।
- कौन से आव्यूह को सुकराती विधि भी कहा जाता है – प्रश्नोत्तर आव्यूह
- निर्देशन दिया जाना चाहिए – आजीवन
- निर्मितवाद के अनुसार निम्न में से कौन सा कथन गलत है – ज्ञान के हस्तांतरण का उत्तरदायित्व शिक्षक का है।
- शिक्षण का वह प्रतिमान जिसका सर्वाधिक प्रयोग भाषा व व्याकरण शिक्षण हेतु उपयोगी है – पृच्छा प्रशिक्षण प्रतिमान
- बालक को कक्षा में नियमित आने के लिए प्रेरितकरने का उपयुक्त सुझाव है – प्रोत्साहन

- एक अध्यापक श्रुत्य दृश्य शिक्षण सामग्री के प्रयोग से अपने अध्यापन को – सरल बनाता है।
- निम्न में से कौन सा अधिगम का निर्मितवाद उपागम है – छात्र जो नवीन सूचना की विस्तार से विश्लेषण करता है, व्याख्या करता है और पूर्वज्ञान से जोड़कर सीखता है।
- निम्नलिखित में से कौन सा एक अन्य विकल्पों से संबद्ध नहीं है – स्व-आकलन के कौशल को प्रतिमानित करना।
- निम्नलिखित में से कौन सा प्रश्न अपने विशिष्ट क्षेत्र से ठीक तरह से मिला हुआ है – निर्धारित कीजिए कि दिए गए मापकों में से कौन सा मापक आपको उत्तम परिणामों को पाने में सर्वाधिक प्रवृत्त कर सकता है–विश्लेषण
- निम्नलिखित में से कौन सी सर्वाधिक प्रभावकारी विधि हो सकती है, जो आपकी इस अपेक्षा को पूरी कर सके कि वंचित विद्यार्थी अपनी भागीदारिता द्वारा सफल हो सके – आप उनकी सफलता हेतु उनकी क्षमता में विश्वास को अभिव्यक्त करें।
- निम्नलिखित में से कौन सा विकासात्मक विकार का उदाहरण नहीं है – पर-अभिघातज तनाव (Post-traumatic stress)
- बहुशिक्षण-शास्त्रीय तकनीकें, वर्गीकृत अधिगम सामग्री, बहु-आकलन तकनीकें तथा परिवर्तनीय जटिलता एवं सामग्री का स्वरूप निम्नलिखित में से किससे सम्बद्ध है – विभेदित अनुदेशन
- विद्यालयों में समावेशन मुख्यतः केन्द्रित होता है – विशिष्ट श्रेणी वाले बच्चों के लिए सूक्ष्मातिसूक्ष्म प्रावधानों के निर्माण पर
- बच्चों में सीखी गई निस्सहायता का कारण है – इस व्यवहार को अर्जितकर लेना कि वे सफल नहीं हो सकते।

- यदि एक विद्यार्थी विद्यालय में लगातार निम्नतर श्रेणीप्राप्त करती है, तो उसके अभिभावक को उसकी सहायता हेतु परामर्श दिया जा सकता है कि – वह अध्यापकों की घनिष्ठ संगति में कार्य करें।
- निम्नलिखित में से समस्या-समाधान को क्या बाधित नहीं करता –
अंतर्दृष्टि (Insight)
- एक शिक्षिका पाठ को पूर्वपठित पाठ से जोड़ते हुए बच्चों को सारांश लिखना सिखा रही है, वह क्या कर रही है – वह बच्चों की पाठ समझने की स्वशैली विकसित करने में सहायता कर रही है।
- एक बच्चा अपनी मातृभाषा सीख रहा है व दूसरा बच्चा वही भाषा द्वितीय भाषा के रूप में सीख रहा है, दोनों निम्नलिखित में से कौन सी समान प्रकार की त्रुटि कर सकते हैं – **विकासात्मक**
- परीक्षा में तनाव निष्पत्ति को प्रभावित करता है, यह तथ्य निम्नलिखित में से किस प्रकार के संबंध को स्पष्ट करता है – **संज्ञान भावना**
- एक अध्यापक उस बच्चे के साथ परामर्श करते हैं जिसकी निष्पत्यात्मक प्रगति एक दुर्घटना के पश्चात अनुकूल नहीं है, निम्नलिखित में से कौन सी प्रक्रिया विद्यालयमें परामर्श के लिए सबसे बेहतर हो सकती है – यह अपने विचारों द्वारा खोज करने हेतु लोगों में आत्मविश्वास का निर्माण करता है।
- निम्नलिखित में से कौन सा तत्व कक्षा में अधिगम हेतु सहायक हो सकता है – अध्यापकों द्वारा बच्चों की स्वायत्तता को बढ़ावा व सहायता देना।
- परिपक्व विद्यार्थी – अपने अध्ययन में कभी-कभी भावनाओं की सहायता चाहते हैं।
- पूर्व-विद्यालय में पहली बार आया बच्चा मुक्त रूप से चिल्लाता है, दो वर्ष पश्चात् वही बच्चा जब प्रारम्भिक विद्यालय में पहली बार जाता है, तो अपना तनाव चिल्लाकर व्यक्त नहीं करता, अपितु उसके कन्धे व गर्दन की पेशियाँ तन

जाती है, उसके इस व्यावहारिक परिवर्तन का क्या सैद्धान्तिक आधार हो सकता है – विभेद व एकीकरण विकास के लक्षण है।

- निम्नलिखित में से कौन सा कथन सत्य है – आनुवांशिक बनावट व्यक्ति की, परिवेश की गुणवत्ता के प्रति, प्रत्युत्तरात्मकता को प्रभावित करती है।
- के. मा. शि. बो. (CBSE) द्वारा अपनाए गए प्रगतिशील शिक्षा के प्रतिमान में बच्चों का समाजीकरण जिस प्रकार से किया जाता है, उससे अपेक्षाकी जा सकती है कि – वे सामूहिक कार्य में सक्रिय भागीदारिता का निर्वाह करें तथा सामाजिक कौशल सीखें।
- मूल्यांकन का उद्देश्य है – सापेक्ष
- मूल्यांकन है – उद्देश्य प्राप्ति की सुनिश्चितता
- किसी वस्तु या प्रक्रिया का मूल्य निश्चित करना मूल्यांकन है। ये कहा है – टारगर्सन तथा एडम्स ने
- घटना-वृत्त प्रपत्र है – एनेक्डोटल आलेख
- मूल्यांकन की प्रमुख विशेषताएँ हैं – वैधता, विश्वसनीयता, वस्तुनिष्ठता
- रेल्फ टॉयलर ने मूल्यांकन को बताया है – शैक्षिक उद्देश्यों की प्राप्ति की सीमा निर्धारण प्रक्रिया
- मूल्यांकन की प्रक्रिया को त्रिकोणात्मक रूप से किसने प्रस्तुत किया – डॉ. बी. एस. ब्लूम
- मूल्यांकन की मुख्य युक्तियाँ हैं – परीक्षाएं, निरीक्षण, प्रश्नावली
- 'कोई वस्तु कैसी है' इसका निर्णय किया जाता है – मूल्यांकन से
- सामाजिक अध्ययन में मूल्यांकन का प्रमुख प्रयोजन है – कक्षा-शिक्षण में सुधार व कार्य निष्पादन को प्रमाणित करना।

- राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2005 में सामाजिक अध्ययन में निम्न में से किन मुद्दों को शामिल करने की अनुशंसा की गई – सभी स्तरों के विद्यार्थियों के लैंगिक एवं स्वास्थ्य सम्बन्धी
- किसी परीक्षण की विश्वसनीयता जितनी अधिक होती है, उसकी वैधता होगी उतनी ही – अधिकतम्
- मूल्यांकन का मुख्य उद्देश्य होना चाहिए – सीखने में होने वाली कमियों का निदान एवं उपचार
- बच्चों का मूल्यांकन होना चाहिए – सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन द्वारा
- सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन में, व्यापक मूल्यांकन शब्दावली से तात्पर्य है – शैक्षिक एवं सह शैक्षिक क्षेत्र का मूल्यांकन
- एक प्रमाणीकृत परीक्षण में होता है – विश्वसनीयता एवं वैधता
- मूल्यांकन किया जाना चाहिए – बच्चों के सीखने के स्तर का ज्ञान होता है।
- मूल्यांकन का उद्देश्य है – बच्चों को उत्तीर्ण / अनुत्तीर्ण घोषित करना, बच्चा क्या सीखता है जानना, बच्चे के सीखने में आई कठिनाईयों को जानना।
- परीक्षा के स्थान पर सतत् और व्यापक मूल्यांकन गुणवत्ता मूलक शिक्षा के लिए अधिक उपयुक्त, क्योंकि इसमें – संज्ञानात्मक क्षेत्र का मूल्यांकन किया जाता है, सहसंज्ञानात्मक क्षेत्र का मूल्यांकन किया जाता है, मूल्यांकन सतत् एवं व्यापक क्षेत्रों का होता है।
- सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन की एक तकनीक है – निदानात्मक मूल्यांकन
- एक अच्छे परीक्षण की कौन सी विशेषता नहीं है – उत्तीर्ण करना।
- छात्रों में रटने की प्रवृत्ति को रोकने हेतु कैसे प्रश्न पूछने चाहिए – वस्तुनिष्ठ
- उपचारात्मक शिक्षण की सफलता निर्भर करती है – समस्याओंके कारणों की सही पहचान

- सृजनात्मकता का विकास करने में कौन सा सहायक नहीं है – प्रश्नों के उत्तर लिखना।
- मूल्यांकन का अर्थ है – निर्णय करना।
- मूल्यांकन का उद्देश्य है – अधिगम की कठिनाईयों व समस्या वाले क्षेत्रों का पता लगाना।
- वे प्रश्न जिनके उत्तर हेतु हाँ / नहीं में से एक का चयन करना हो, उन्हें वर्गीकृत किया जा सकता है – वस्तुनिष्ठ
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न की सबसे बड़ी विशेषता है – उसका एक ही उत्तर होता है।
- योगात्मक मूल्यांकन का उद्देश्य है – समय विशेष एवं विभिन्न कार्यों पर एक विद्यार्थी ने कितना अच्छा निष्पादन किया है, का पता लगाना।
- निर्माणात्मक मूल्यांकन का उद्देश्य है – प्रगति पर गौर करना एवं उपचारात्मक अनुदेशन की योजना
- एक विशिष्ट अधिगम अनुभव प्रदान करने के पश्चात् अधिगम किस स्तर तक हुआ है, यह मापने हेतु निम्न में से कौन सा परीक्षण उपर्युक्त है – उपलब्धि परीक्षण
- उत्तम परीक्षा के मुख्य गुण है – वैधता, वस्तुनिष्ठता, विश्वसनीयता
- दो व्यक्तियों के मध्य होने वाली प्रतिक्रिया जो व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य में सुधार लाती है, वह कहलाती है – परामर्श
- निदान का अर्थ – अधिगम संबंधी कठिनाईयों और कमियों के स्वरूप का निर्धारण। यह कथन है – ब्राउन
- उपलब्धि निर्भर करती है – योग्यता एवं प्रेरणा दोनों पर
- उपलब्धि परीक्षणोंका प्रमुख उपयोग होता है – अधिगम उत्पाद जाँच, शैक्षणिक मार्गदर्शन, उपचारात्मक शिक्षण
- उपलब्धि परीक्षण भाग है – मनोविज्ञान

- निम्न में से कौन सा बच्चों हेतु वेश्लर बुद्धि मापनी की एक निष्पादन मापनी है –
चित्र पूर्ति
- सतत् और व्यापक मूल्यांकन पर बल देता है – सीखने को किस प्रकार
अवलोकित, रिकॉर्ड और सुधारा जाए इस पर।
- उपलब्धि परीक्षणों का प्रमुखउपयोग होना चाहिए – छात्रों के मूल्यांकन में
- मानकीकृत परीक्षण का अर्थ है – विश्वसनीयता, वैधता, मानक
- निम्न में से शैक्षिक मनोविज्ञान का क्षेत्र नहीं है – खेलों का प्रशिक्षण
- निम्नलिखित में से किस प्रकार के प्रश्नों को मूल्यांकन करते समय वस्तुनिष्ठता
बनाया रखना कठिन है – **निबंधात्मक प्रश्न**
- निर्देशन एवं अधिगम के बीच समानता है – दोनों छात्र केन्द्रित है।
- अनुदेशन का प्रणाली उपागम है – **समस्या केन्द्रित**
- निर्देशन दिया जाना चाहिए – **आजीवन**
- निम्नलिखित में से किस अनुदेशन सामग्री की अधिकता होती है – **संसाधन**
- इकाई**
- विद्यार्थी और शिक्षक के बीच की एक संवादात्मक प्रक्रिया जो उनके सीखने के
वातावरण में बदलाव लाती है, वह है – **मूल्यांकन एवं आकलन**
- अधिगम में आकलन किसलिए आवश्यक होता है – **प्रेरणा के लिए**
- अधिगम का शिक्षा में योगदान है – **व्यवहार परिवर्तन में, नवीन अनुभव प्राप्त
करने में, समायोजन में**
- विद्यार्थियों की उपलब्धि का मूल्यांकन करने के लिए शालाओं में उपयोग में आने
वाली विधियाँ हैं – **परिमाणात्मक एवं गुणात्मक विधि**
- कक्षा-परीक्षणों में अच्छा प्रदर्शन करने में एक बच्चे की असफलता हमें इस
विश्वास की तरफ ले जाती है, कि – **पाठ्यक्रम, शिक्षण-पद्धति तथा आकलन
प्रक्रियाओं पर विचार करने की आवश्यकता है।**

- एक उच्च प्राथमिक विद्यालय के संरचनात्मक कक्षा-कक्ष में अपने स्वयं के आकलन में विद्यार्थियों की भूमिका में निम्न में से क्या देखा जाएगा – विद्यार्थी अध्यापक के साथ आकलन के लिए योजना बनाएँगे।
- सतत एवं व्यापक मूल्यांकन किसलिए आवश्यक है – यह समझने के लिए कि अधिगम का किस प्रकार अवलोकन किया जाता है, दर्ज किया जाता है व सुधार किया जा सकता है।
- क्रियात्मक अनुसंधान किया जाता है – अध्यापक द्वारा
- शिक्षा के क्षेत्र में क्रियात्मक अनुसंधान को व्यावहारिक बनाने का श्रेय है – स्टीफेन एम. कोरे
- क्रियात्मक अनुसंधान किस मनोविज्ञान की उपज है – सामाजिक मनोविज्ञान
- 'भारत के भाग्य का निर्माण उसकी कक्षा-कक्ष में हो रहा है।' कथन है – कोठारी आयोग
- क्रियात्मक अनुसंधान के प्रवर्तक हैं – स्टीफन एम. कोरे
- क्रियात्मक अनुसंधान मूल्यांकन है – आन्तरिक मूल्यांकन
- क्रियात्मक अनुसंधान किया जाता है – शिक्षण कार्य करते समय
- "शिक्षा में क्रियात्मक अनुसंधान, कार्यकर्त्ताओं द्वारा किया जाने वाला अनुसंधान है ताकि वे अपने कार्यों में सुधार कर सकें।" यह कथन किसका है – कोरे
- अनुसंधान में चिंतन प्रक्रिया होती है – परावर्तित चिंतन, वैज्ञानिक चिंतन, विकेन्द्रीय चिंतन
- क्रियात्मक अनुसंधान उपयोगी है – अध्यापकों व प्रधानाध्यापकों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण के विकास में, विद्यालय कार्यविधि में सुधार के लिए, छात्रों की अध्ययन सम्बन्धी समस्याओं को हल करने में।

- क्रियात्मक अनुसंधान के महत्व के बारे में निम्न में से कौन सा कथन सही नहीं है – समस्याओं का हल अभ्यास में ले आया जाता है और उसका मूल्यांकन नहीं किया जाता है।
- अनुसंधान जो सामाजिक समस्या से संबंधित होता है तथा विद्यालय की जनशक्ति के द्वारा विद्यालय में क्रियाकलापों के सुधार हेतु संचालित किया जाता है, कहलाता है – क्रियात्मक अनुसंधान
- क्रियात्मक अनुसंधान मौलिक अनुसंधान से भिन्न है, क्योंकि यह – अध्यापकों, शैक्षिक प्रबंधनों एवं प्रशासकों द्वारा किया जाता है।
- क्रियात्मक अनुसंधान में – क्रियात्मक उपकल्पनाओं, का निर्माण समस्याओं के कारणों पर आधारित है।
- निम्न में से कौन सा शोध का चरण शोध को क्रियात्मक अनुसंधान बनाता है – प्रोग्राम का कियान्वयन एवं अंतिम मूल्यांकन
- निम्न में से कौन सी समस्या क्रियात्मक अनुसंधान के लिए उपयुक्त नहीं है – परम्परागत विधि के ऊपर कम्प्यूटर सहायतित अनुदेशन का प्रभाव
- क्रियात्मक अनुसंधान का उद्देश्य है – विद्यालय तथा कक्षा की शैक्षिक कार्य प्रणाली में सुधार लाना।
- क्रियात्मक अनुसंधान के संबंध में कौन सा कथन सही नहीं है – स्थानीयस्तर पर रोजमर्रा की समस्याओं के समाधान के लिए क्रियात्मक अनुसंधान किया जाता है।
- क्रियात्मक अनुसंधान का प्रमुख कार्य है – स्थानीय समस्याओं का समाधान करना।
- क्रियात्मक अनुसंधान का केन्द्र बिन्दु है – संदर्भगत समयबद्ध

- एक अध्यापक/ अध्यापिका को किसी विषय की अपनी अवबोधनात्मक को प्रतिबंधित करते हुए संकल्पनात्मक मानचित्र का निर्माण करने को कहता / कहती है, वह है – **रचनात्मक आकलन कर रहा / रही है।**
- राजस्थान निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार नियम 2010 के तहत पड़ोस की सीमा जिसमें विद्यालय स्थापित किया जाना है – **1 से 5 तक कक्षाओं के लिए 1 किमी पैदल दूरी।**
- बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 के अन्तर्गत केन्द्र और राज्यों सरकारों के मध्य कोष का साझेदारी अनुपात है – **65:35**
- निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 के अनुसार, 200 बालकों पर शिक्षकोंकी संख्या होगी – **5**
- निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 का विस्तार किस राज्य में नहीं है – **जम्मू कश्मीर**
- संविधान के किस संशोधन द्वारा पूर्व में भी बालकों को अनिवार्य और मुफ्त शिक्षा प्रदान किया जाना आवश्यक किया गया था – **86वाँ संशोधन, 2002**
- प्रारम्भिक शिक्षा में कक्षा सम्मिलित है – **1 से 8 तक**
- निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 को लोकसभा में पारित किया गया – **4 अगस्त, 2009 को**
- बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 के तहत निजी विद्यालयों को कितनी प्रतिशत सीटे आरक्षितकरना आवश्यक होगा – **25 %**
- **निःशुल्क और अनिवार्य** बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 की कौनसी धारा राज्य सरकार को नियम बनाने की शक्ति देती है – **धारा-38**
- 25% आरक्षित सीटों पर 6-14 वर्ष के बच्चों की फीस वसूलने पर निजी स्कूलों पर जुर्माना लगेगा – **फीस का 10 गुना**

- आरटीई-2009 के तहत अभिभावकों के इन्टरव्यू या बच्चों की स्क्रीनिंग पर क्या सजा होगी – **25 हजार नगद**
- आरटीई 2009 के तहत आम नागरिक को क्या अधिकार दिये गये हैं – **ऐसे स्कूलों की शिकायत का अधिकार जो बच्चों को शिक्षा देने से मना कर रहे हैं।**
- विद्यालय प्रबंध समिति की कार्यसमिति की बैठकों के लिए गणपूर्ति उसके कुल सदस्यों की होगी – **3/4**
- आरटीई 2009 के तहत कितने वर्ष के बालकों को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार प्राप्त हो गया है – **6-14 वर्ष**
- बिना आरटीई 2009 के तहत बिना सरकारी मान्यता वाले स्कूलों के लिए क्या सजा निर्धारित है – **पहली बार एक लाख रुपये जुर्माना**
- किसी ग्रामीण या शहरी क्षेत्र में विद्यालय नहीं है तो बच्चों को शिक्षा की जिम्मेदारी होगी – **सरकार की**
- कक्षा 1 से 5 तक के बालकों के संबंध में विद्यालय आसपास से कितने किलोमीटर की दूरी के भीतर स्थापित किया जायेगा – **1**
- आरटीई 2009 के तहत अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए मानको का विकास व लागू करने का अधिकार किसे होगा – **केन्द्र सरकार**
- नवीकरण, अनुसंधान योजना निर्माण हेतु राज्य सरकार को तकनीकी व संसाधन कौन उपलब्ध करवायेगा– **केन्द्रीय सरकार**
- कक्षा 6 से 8 तक के बालकों के संबंध में विद्यालय आसपास से कितने किलोमीटर की दूरी के भीतर स्थापित किया जायेगा – **3 किमी**
- आरटीई2009 के तहत सरकार के कर्तव्य है – **6 से 14 वर्ष के प्रत्येक बालक को निःशुल्क व अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा उपलब्ध कराना, आसपास में विद्यालय की उपलब्धता कराना, सरकार धारा 4 में विनिर्दिष्ट विशेष प्रशिक्षण सुविधा उपलब्ध कराना।**

- आरटीई के तहत किस कक्षा तक बालक को रोकाया निष्काषित नहीं किया जा सकता – 8
- आरटीई 2009 के अनुसार विद्यालय प्राप्त अनुदान का कितना प्रतिशत निःशुल्क व अनिवार्य शिक्षा पर व्यय करेगा – 25%
- आरटीई-2009 के अन्तर्गत प्रवेश रोकने एवं निष्कासन सम्बन्धी प्रतिषेध है – किसी बालक की आयु का सबूत नहीं होने के कारण विद्यालय प्रवेश से वंचित नहीं किया जा सकेगा। प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी को किसी कक्षा में रोका नहीं जायेगा ना ही प्राथमिक शिक्षा पूरी होने तक निष्कासित किया जा सकेगा।
- शिक्षाका अधिकार की प्रकृति है – संवैधानिक
- आरटीई-2009 में शारीरिक दण्ड एवं मानसिक उत्पीड़न का क्या प्रतिषेध है – शारीरिक एवं मानसिक उत्पीड़न पूर्ण रूप से प्रतिबंधित है।
- विद्यालय प्रबंधसमिति का पुनर्गठन कितने वर्ष पश्चात होगा – 2
- आरटीई-2009 के पूर्व प्रारम्भ विद्यालय को मान और मानकों को पूरा करने की अवधि निर्धारित की गई है – प्रारम्भ की तारीख से 3 वर्ष
- आरटीई-2009 के तहत गठित होने वाली विद्यालय प्रबंध समिति के लिए क्या प्रावधान है – समिति में 3/4 सदस्य माता-पिता या संरक्षक होंगे। समिति की 50% सदस्य महिलाएँ होगी।
- शिक्षा का अधिकार अधिनियम – 2009 के तहत अध्यापकों के लिए प्रति सप्ताह कार्य घंटों की न्यूनतम संख्या निर्धारित की गई है – 45 शिक्षण घण्टे
- आरटीई-2009 के तहत अध्यापको के कर्तव्य है – विद्यालय में नियमित व समय पर उपस्थित होना, पाठ्यक्रम संचालन और उसे पूरा करना, ऐसे अन्य कर्तव्यों का पालन करना जो विहित किये जायें।
- आरटीई-2009 के तहत विद्यालय में रिक्त पद कुल स्वीकृत पदों का कितना प्रतिशत अधिकतम हो सकता है – 10%

- आरटीई-2009 के तहत प्रारम्भिक शिक्षा हेतु पाठ्यक्रम व उसकी मूल्यांकन प्रक्रिया अधिकाधिक की जायेगी – सरकार द्वारा, अधिसूचना द्वारा, शिक्षा प्राधिकारी द्वारा
- आरटीई-2009 के तहत पाठ्यक्रम निर्धारण हेतु क्या निर्देश है – संविधान के अनुरूप है, उससे बालक का सर्वांगीण विकास हो, शिक्षा का माध्यम यथा सम्भव मातृ भाषा हो।
- शिक्षा का अधिकार अधिनियम-2009 के तहत कक्षा 1 से 5 तक 150 से अधिक बालकों के प्रवेश पर अध्यापक-छात्र अनुपात निर्देशित किया गया है – 5 अध्यापक व एक प्रधानाध्यापक
- 200 बालकों से अधिक पर छात्र-अध्यापक अनुपात होगा – 40:1
- शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के तहत कक्षा एक से पाँचवी तक एक शैक्षणिक सत्र में कितने कार्य दिवस निर्धारित किये गये हैं – 200
- शिक्षा का अधिकार अधिनियम-2009 कक्षा 6 से कक्षा 8 तक कितने कार्य दिवस निर्धारित है – 220
- आरटीई एक्ट -2009 के अनुसार शिक्षक हेतु प्रति सप्ताह कार्य घंटे है – 45 घंटे
- बालकों का मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार, 2009 देश में लागू हुआ – 1 अप्रैल 2010
- शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 में एक अध्यापक के लिए न्यूनतम कार्य घण्टे प्रति सप्ताह निर्धारित किये गये हैं – 45 घंटे
- शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 में एक अध्यापक को निम्नलिखित में से दायित्व पूरा करना होगा– पाठ्यक्रम का संचालन कर पूरा करना होगा।

- शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 में निर्दिष्ट किया गया है कि कक्षा 1 से 5वीं तक यदि प्रवेश दिये गये विद्यार्थियों की संख्या 200 से अधिक है, तो विद्यार्थी अध्यापक आवश्यक अनुपात होगा – **40**
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 41 व 46 किसके कल्याण से सम्बन्धित है – **आर्थिक रूप से पिछड़े व्यक्तियों से**
- भारत के संविधान में किसके लिए निःशुल्क अनिवार्य शिक्षा है – **14 वर्ष तक सभी बच्चों के लिए**
- शिक्षा का अधिकार संविधान संशोधन के द्वारा किस वर्ष में समवर्ती सूची में डाला गया – **1976**
- नामांकन बढ़ाने, उनकी उपस्थिति बनाए रखने एवं बच्चों का पोषण स्तर सुधारने हेतु प्राथमिक शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पोषण सहयोग कार्यक्रम (मध्याह्न भोजन योजना) कब शुरू किया – **26 जनवरी, 2008**
- संविधान (86वाँ) संशोधन अधिनियम, 2002 के भाग तृतीय में जिस नई धारा को जोड़कर 6-14 वर्ष आयु वर्गके सभी बच्चों को मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षाको मूलभूत अधिकार बनाने की बातें कहीं है, संविधान की वह धारा है – **21 ए**
- 'शिक्षा का अधिकार' भारतीय संविधान में किस मूल अधिकार में शामिल है – **स्वतन्त्रता का अधिकार**
- बच्चों के लिए निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के लिए लागू है – **6-14 वर्ष**
- 6-14 वर्ष के सभी बच्चों को मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा अधिनियम (शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009) कब से लागू हुआ – **1 अप्रैल, 2010**
- प्राथमिक स्तर पर न्यूनतम कार्यदिवस है – **200**
- प्राथमिक स्तर पर शैक्षणिक घण्टे निर्धारित हैं – **800**
- निजी स्कूलों में गरीब बच्चों के लिए सीटें आरक्षित हैं – **25**

- 'निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार-2009' में 'अनिवार्य' शब्द का अर्थ है – उचित सरकारें दाखिले, उपस्थिति और प्रारम्भिक शिक्षा की पूर्णता को सुनिश्चित करेंगी।
- शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के क्रियान्वयन के बाद कक्षा-कक्ष – आयु के अनुसार अधिक समजातीय है।
- निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के अंतर्गत किसी भी अध्यापक को निम्न में से किस कार्य के लिए नहीं लगाया जा सकता – पल्स पोलियो कार्यक्रम में
- आर.टी.ई. एक्ट 2009 के अनुसार प्राथमिक विद्यालय में शिक्षकों के प्रति सप्ताह कुल कितने घंटे की योजना बनाकर कार्य करता है – 45 घंटे
- शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 ने 6 से 14 वर्ष आयु के विद्यालय कभी न गए अथवा विद्यालय शिक्षा अधूरी छोड़ने वाले बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने हेतु – विशेष प्रशिक्षण लागू करने पर जोर दिया है।
- मई, 1998 में किसकी स्थापना की गई – राष्ट्रीय साक्षरता मिशन